नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 09

सोमवार, 13 से 19 अप्रैल 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

दिल्ली की सड़कों पर उतरीं 200 नई ईवी बसें, चार परियोजनाओं का भी शिलान्यास 03

सुप्रीम कोर्टमहिला आरक्षण के दांव को नाकाम करेगी कांग्रेस... 08

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

दिल्ली कैपिटल्स जीत की पटरी पर लौटी 10

पति को कराएं बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

बैक टू बैक फिल्मों से मचेगा धमाल 12

मैं माताओं-बहनों का क्षमाप्रार्थी : प्रधानमंत्री मोदी

विपक्ष ने अपने स्वार्थ की वजह से महिला आरक्षण बिल को पारित नहीं होने दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल से जुड़ा संशोधन विधेयक पास ना होने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को देश को संबोधित किया। पीएम मोदी ने इस बिल के गिरने का जिम्मेदार विपक्ष को बताया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपने स्वार्थ की वजह से इस बिल को पारित नहीं होने दिया। पीएम मोदी ने कहा कि देश की नारी शक्ति सब देख रही है, बिल गिरा तो मुझे बहुत दुख हुआ।

पीएम मोदी ने संबोधन की शुरूआत में कहा कि आज मैं एक बेहद महत्वपूर्ण विषय पर, विशेषकर देश की माताओं, बहनों और बेटियों से बात करने आया हूं। आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि कैसे भारत की नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया गया है। उनके सपनों को बेरहमी से कुचल दिया गया। हमारे भरसक प्रयास के बावजूद हम सफल नहीं हो पाए। हमारे भरसक प्रयास के बावजूद हम सफल नहीं हो पाए। नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन नहीं हो पाया। मैं इसके लिए सभी माताओं बहनों से क्षमा मांगाता हूं। हमारे लिए देश हित सर्वोपरि है।

पीएम मोदी ने विपक्षी दलों को बताया स्वार्थी

पीएम मोदी ने कहा कि जब कुछ लोगों के लिए दल हित सबकुछ हो जाता है, दल हित देश हित से बड़ा हो जाता है। तो नारी शक्ति को ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है। इस बार भी यही हुआ है। कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी शक्ति को उठाना पड़ा है। कल देश की करोड़ों महिलाओं की नजर संसद पर थी। देश की नारी शक्ति देख रही थी। मुझे भी ये देखकर बहुत दुख हुआ कि जब ये नारी हित का प्रस्ताव गिरा तो कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी, सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से तालियां बजा रही थीं। महिलाओं से उनके अधिकार छीनकर ये लोग मेजें थपथपा रहे थे।

नारी सब भूल जाती है, अपना अपमान कभी नहीं- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने आगे कहा कि कल विपक्ष ने जो भी किया वह केवल टेबल पर थाप नहीं थी। वह नारी के स्वाभिमान पर उसके आत्मसम्मान पर चोट थी। और नारी सब भूल जाती है, अपना अपमान कभी नहीं भूलती। इसलिए संसद में कांग्रेस के उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक, हर नारी के मन में हमेशा रहेगी। देश की नारी जब भी अपने क्षेत्र में इन नेताओं को देखेगी तो वह याद करेगी कि इन्हीं लोगों ने संसद में महिला आरक्षण को रोकने का जश्न मनाया था, खुशियां मनाईं थीं।

नारी शक्ति वंदन संशोधन समय की मांग है- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा सदन में नारी शक्ति वंदन संशोधन किसी से भी कुछ छीनने का नहीं था। यह हर किसी को कुछ न कुछ देने का था।

विपक्ष को उसके पाप की सजा जरूर मिलेगी : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि कल नारी शक्ति वंदन विधेयक का जिन लोगों ने विरोध किया है, उनसे मैं दो टूक कहूंगा कि ये लोग नारी शक्ति को फॉर ग्रांटेड ले रहे हैं। वे ये भूल रहे हैं कि 21वीं सदी की नारी देश की हर घटना पर नजर रख रही है। वह उनकी मंशा भांप रही है और सच्चाई भी भली-भांति जान चुकी है। महिला आरक्षण विधेयक का विरोध कर के विपक्ष ने जो पाप किया है, उसकी सजा उन्हें जरूर मिलेगी। इन दलों ने संविधान निमार्ता की भावनाओं का भी अपमान किया है। और जनता द्वारा इसकी सजा से भी वे बच नहीं पाएंगे।

देने के लिए यह संशोधन था। 40 साल से लटकी हुई नारी के हक को 2029 के अगले लोकसभा चुनाव से उसका हक देने का संशोधन था। नारी शक्ति वंदन संशोधन 21वीं सदी के भारत की नारी को नया अवसर देने, नई उड़ान देने, उसके सामने से बाधाएं हटाने का महायज्ञ था। देश की 50 फीसदी यानी आधी आबादी को उसका अधिकार देने का साफ नीयत के साथ, ईमानदारी के साथ किया गया, एक पवित्र प्रयास था। नारियों को भारत की विकास यात्रा में सहयात्री बनाने और सबकुछ जोड़ने का प्रयास था। नारी शक्ति वंदन संशोधन समय की मांग है।

कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी, डीएमके जैसे दल भ्रूण हत्या के गुनहगार- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि यह उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम सभी राज्यों की हर राज्य की शक्ति में समान वृद्धि का प्रयास था। यह संसद में सभी राज्यों की आवाज को अधिक शक्ति देने का प्रयास था। राज्य छोटा हो, बड़ा हो, राज्य की आबादी कम हो, ज्यादा हो। सबकी समान अनुपात में शक्ति बढ़ाने की कोशिश थी, लेकिन इस ईमानदार प्रयास की, कांग्रेस और उसके साथियों ने सदन में पूरे देश के सामने भ्रूण हत्या कर दी है। ये कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी, डीएमके जैसे दल इस भ्रूण हत्या के गुनहगार हैं। ये देश के संविधान के अपराधी हैं। ये देश की नारी शक्ति के अपराधी हैं।

कांग्रेस को महिला शक्ति के नारे से ही नफरत- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस महिला शक्ति के नारे से ही नफरत करती है। वह हमेशा से ही महिला सशक्तीकरण को रोकने के षड़यंत्र करती रही है। हर बार कांग्रेस ने इसमें रोड़े अटकाएं हैं। इस बार भी कांग्रेस और उसके साथियों ने महिला आरक्षण को रोकने के लिए एक के बाद एक नए झूठ का सहारा लिया। कभी संख्या को लेकर, कभी किसी और तरीके से। कांग्रेस और उसके साथियों ने देश को गुमराह करने की कोशिश की। ऐसा कर के इन दलों ने भारत की नारी शक्ति के सामने अपना असली चेहरा सामने ला दिया है। अपना मुखौटा उतार दिया है।

विपक्ष ने महिलाओं के पक्ष में खड़े होने का अवसर खो दिया- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मुझे व्यक्तिगत तौर पर आशा थी कि कांग्रेस अपनी दशकों पुरानी गलती सुधारेगी। कांग्रेस अपने पापों का प्रायश्चित करेगी। लेकिन कांग्रेस ने इतिहास रचने का, महिलाओं के पक्ष में खड़े होने का अवसर खो दिया। कांग्रेस खुद देश के अधिकांश विषयों में अपना वजूद खो चुकी है। कांग्रेस परजीवी की तरह क्षेत्रीय दलों की पीठ पर सवार होकर खुद को जिंदा रखे हुए है। लेकिन कांग्रेस यह भी नहीं चाहती कि क्षेत्रीय दलों की ताकत बढ़े। इसलिए कांग्रेस ने इस संशोधन का विरोध करवाकर अनेक क्षेत्रीय दलों के भविष्य को अंधकार में धकेलने का षड़यंत्र किया है।

राज्यसभा में आमने-सामने कांग्रेस और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजनीति में गुरुवार का दिन एक दिलचस्प मोड़ लेकर आया, जब सत्ताधारी दल और मुख्य विपक्षी दल दोनों के ही राष्ट्रीय अध्यक्ष संसद के एक ही सदन में नजर आए। बता दें कि कांग्रेस व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यसभा सदस्य के रूप में मौजूद दिखे। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेकर अपने संसदीय सफर की औपचारिक शुरूआत की। वहीं, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पहले से ही राज्यसभा के सदस्य हैं।

इस घटनाक्रम की खास बात यह है कि इससे पहले भी ऐसा संयोग बन चुका है, तब भाजपा के राज्यसभा सांसद व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा पार्टी के अध्यक्ष थे। तब स्थिति यह थी कि जहां कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष थे, वहीं, भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष जेपी नड्डा नेता सदन थे। वर्तमान में भी जेपी नड्डा बतौर नेता सदन राज्यसभा में सक्रिय व महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, अब भाजपा के नए अध्यक्ष भी राज्यसभा सांसद बन गए हैं।

इस तरह दोनों प्रमुख राष्ट्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व का राज्यसभा में होना, सदन की कार्यवाही को और अधिक राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाता है। गुरुवार को राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही देर बाद नए सदस्यों को शपथ दिलाई गई। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ-साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी, असम से प्रमोद बोरो और बिहार से उपेंद्र कुशवाहा आदि ने भी बारी-बारी से शपथ ली। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का यह बतौर राज्यसभा सांसद पहला कार्यकाल है। वे बिहार से राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। उनके शपथ लेने के साथ ही संसद के उच्च सदन में भाजपा की रणनीतिक मौजूदगी और मजबूत हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्यसभा में शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी से महत्वपूर्ण विधाई मुद्दों पर सीधी बहस व रणनीतिक निर्णयों की गति और तेज हो सकती है।

चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया पर गैर-कानूनी सामग्री पर सख्ती की

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने 2026 में विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के दौरान सोशल मीडिया पर गैर-कानूनी, भ्रामक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जनित सामग्री का उपयोग करने और चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए सख्त नियम लागू किए।

आयोग ने एक प्रेस नोट जारी करते हुए कहा, सभी संबंधित पक्षों को मौजूदा कानूनी प्रावधानों, जैसे कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 और आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के अनुसार सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का जिम्मेदारी से और नैतिक रूप से इस्तेमाल सुनिश्चित करना चाहिए। आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि एआई से बनाया गया कोई भी गुमराह करने वाला या गैर-कानूनी कंटेंट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रिपोर्ट किए जाने के तीन घंटे के भीतर हटा दिया जाना चाहिए। चुनाव आयोग ने कृत्रिम मीडिया से जुड़े राजनीतिक प्रचार में अधिक पारदर्शिता लाने का भी निर्देश दिया। राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और उनके प्रतिनिधियों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे कंटेंट पर साफ तौर पर 'एआई-जनित', 'डिजिटली परिष्कृत' या 'कृत्रिम सामग्री' का लेबल लगाएं और साथ ही यह भी बताएं कि यह सामग्री किसने बनाई है।

आयोग ने कहा कि यह कदम तेजी से बढ़ते डिजिटल चुनावी माहौल में 'पारदर्शिता बनाए रखने और मतदाताओं का भरोसा जीतने' के लिए जरूरी है। यह निर्देश पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनावों के बीच आया है, जहां अधिकारी ऑनलाइन कंटेंट पर बारीकी से नजर रख रहे हैं ताकि किसी भी नियम के उल्लंघन को रोका जा सके। आयोग के अनुसार जो पोस्ट आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हैं, चुनाव प्रक्रिया के बारे में गलत बातें फैलाते हैं या जिनसे कानून-व्यवस्था बिगड़ने का खतरा होता है, उन्हें आईटी ढांचे के तहत नियुक्त किए गए राज्य आईटी नोडल अधिकारी ट्रैक कर रहे हैं और उन पर कार्रवाई कर रहे हैं। आयोग ने कहा कि 15 मार्च को चुनावों की घोषणा के बाद से 11,000 से अधिक सोशल मीडिया पोस्ट और यूआरएल की पहचान की गई है, जिन पर कार्रवाई की जानी है। इन कार्रवाइयों में कंटेंट हटाना, प्राथमिकी दर्ज करना और स्पष्टीकरण तथा खंडन जारी करना शामिल है।

आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानों विशेष रूप से धारा 126 को भी दोहराया। यह धारा मतदान समाप्त होने से पहले के 48 घंटे के दौरान चुनाव से संबंधित कंटेंट दिखाने पर रोक लगाती है।

विरुधुनगर के पास पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट, 18 लोगों की मौत

विरुधुनगर, एजेंसी। तमिलनाडु के जिला विरुधुनगर के कट्टुनारपट्टी में रविवार दोपहर को एक पटाखा फैक्टरी में आग लगने से 18 मजदूरों की मौत होने की खबर है, लेकिन प्रशासन ने मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं की है। इस हादसे में छह लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने घटना में कई लोगों की मौत पर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की है।

पुलिस के अनुसार कट्टुनारपट्टी में दोपहर में मजदूरों के काम करने के दौरान एक पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट के बाद आग लग गई, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस व दमकलकर्मियों का दल मौके पर पहुंचा और बचाव व राहत कार्य शुरू किया। इस हादसे में वहां काम कर रहे 18 मजदूरों की मौत होने की खबर है। इसके अलावा छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पटाखों के विस्फोट इतना भीषण था कि फैक्टरी के 4 कमरे पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। धमाकों की आवाज लगभग 10 किलोमीटर तक सुनी गई।

इस हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति मुख्यमंत्री स्टालिन ने शोक व्यक्त किया है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि विरुधुनगर जिले के कट्टुनारपट्टी में हुए पटाखा फैक्टरी विस्फोट में कई लोगों की मौत की दुखद खबर अत्यंत पीड़ादायक है। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मुख्यमंत्री ने लिखा कि राहत कार्यों को तेज करने और प्रभावित परिवारों को सांत्वना देने के लिए मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन और थंगम तेनारासु को तुरंत घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने जिला कलेक्टर से संपर्क कर सभी पीड़ितों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

पीएम मोदी ने जताया दुख, घायलों के स्वस्थ होने की कामना

नई दिल्ली। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के कट्टानारपट्टी इलाके में स्थित वनजा पटाखा फैक्ट्री में रविवार को एक जोरदार धमाका हुआ। इस हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। आशंका है कि फैक्ट्री में रखे ज्वलनशील पदार्थों के कारण यह विस्फोट हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस हादसे पर दुख जताया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी के हवाले से प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने लिखा, तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में हुई दुर्घटना बेहद दुखद है। मैं उन लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। ईश्वर करे कि घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पोस्ट में लिखा, तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए दुखद हादसे में लोगों की जान जाना बेहद कष्टदायक है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, तमिलनाडु के विरुधुनगर में हुई दुखद आग दुर्घटना से मैं अत्यंत दुखी हूं। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए मेरी प्रार्थनाएं। इससे पहले, प्रदेश के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी हादसे पर दुख जताया। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि विरुधुनगर जिले में पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट में कई लोगों की मृत्यु की दुखद खबर से गहरा दुख हुआ है।

महिलाएं सब समझ रही हैं, ये महिला आरक्षण नहीं, सिर्फ परिसीमन पर ही चर्चा थी : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान का 131वां संशोधन विधेयक लोकसभा से पास नहीं हो सका, जिसको लेकर ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

प्रियंका गांधी ने कहा कि कल लोकतंत्र की बड़ी जीत हुई है, सरकार की साजिश को हराया गया है। यह संविधान, देश और विपक्ष की एकता की जीत थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री के भाषण देखिए; कई बार उन्होंने कहा कि आप लोग इससे सहमत नहीं होंगे तो कभी यहां नहीं बैठ सकते। इससे उनकी मंशा साफ हो गई है।

उन्होंने कहा कि विशेष सत्र को लेकर विपक्ष को कुछ जानकारी नहीं दी गई थी। एक दिन पहले मसौदा सार्वजनिक किया गया, जिससे विपक्ष को समय नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि मेरे ख्याल से जो साजिश रची गई कि किसी ना किसी तरह से हमें सत्ता में रहना है, अगर अभी नहीं किया तो 2029 में करेंगे ताकि सदैव सत्ता में रहें। उन्हें लगता था कि पारित हो गया तो हमेशा सत्ता में बने रहेंगे, नहीं हुआ तो विपक्ष को महिला विरोधी कहेंगे और महिलाओं के सामने उनके मसीहा बन जाएंगे। लेकिन महिलाएं सब समझती है।

उन्होंने कहा कि ये महिला आरक्षण बिल की बात नहीं थी, ये परिसीमन की बात थी। बिना जाति के आंकड़े देखे इनको परिसीमन करना था और अपनी मनमानी करने की पूरी स्वतंत्रता चाहिए थी। ये मुमकिन नहीं था कि विपक्ष उनका साथ दे। उन्होंने कहा कि देश ने देखा कि जब विपक्ष एकजुट हो जाता है, तो किस तरह से इनको हराया जाता है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि इनके (सरकार) लिए ब्लैक डे हैं, क्योंकि इन्हें पहली बार झटका लगा है। महिलाओं की समस्याएं बहुत ज्यादा बढ़ रही हैं, संघर्ष बढ़ रहा है। महिलाएं सबकुछ देख रही हैं। उन्होंने कहा कि 2023 में सर्वसम्मति से जो पास हुआ था, उसको लेकर आइए और महिलाओं को हक दीजिए। उन्होंने कहा कि 543 सीटों में से ही 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं को दीजिए। हम कोई क्रेडिट नहीं ले रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश की जनता के पास विवेक है। अगर इनको देशभर में अभियान करना है, तो खुलकर करें। लेकिन आज देश उस परिस्थिति में नहीं है, जो 12 साल पहले था। ये समझ नहीं पा रहे हैं कि भारत बदल गया है। जनता का भरोसा इनसे उठ रहा है। परिसीमन को लेकर प्रियंका गांधी ने कहा कि हमारा स्टैंड क्लियर है। पूरे गठबंधन ने स्टैंड क्लियर कर दिया है। हम यही समझ पा रहे हैं कि ये जो विधेयक लाया गया और तीन दिनों तक चर्चा चली, ये महिला आरक्षण की नहीं थी, ये परिसीमन पर ही थी। इसको लेकर हम सबने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि आने वाले चुनाव में 33 प्रतिशत महिलाएं चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि परिसीमन से पहले जाति जनगणना हो और उसके आधार पर करें। इनकी कोशिश परिसीमन आयोग बनाने की है, जिसमें तीन अपने लोग रखेंगे, जैसे इन्होंने बाकी सभी आयोग बनाए हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि इन्होंने असम और जम्मू-कश्मीर में क्या किया है? विपक्षी दलों के नेताओं की सीटों का विभाजन, अपनी मनमानी से किया, केवल अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए। ऐसे में कौन भरोसा कर सकता है?

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

छानबे की चौपाल में गूंजा गुस्सा, अफसरों की गैरहाजिरी पर उठे सवाल

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः मिजार्पुर जनपद के छानबे क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा गाजीपुर तथा शिवपुर केवटाना में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं, वहीं कई स्थानों पर अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर नाराजगी भी देखने को मिली। गाजीपुर गांव में शुक्रवार को पंचायत भवन में आयोजित ग्राम चौपाल में ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना और शौचालय निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाई। साथ ही जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई पाइपलाइन से पानी न मिलने को लेकर ग्रामीणों ने जमकर विरोध जताया। ग्रामीणों का आरोप था कि ब्लॉक स्तर के कई अधिकारी चौपाल में उपस्थित नहीं हुए, जिससे समस्याओं का समाधान अधूरा रह गया।

चौपाल के दौरान सार्वजनिक तालाब पर अवैध अतिक्रमण और पक्का निर्माण का मुद्दा भी छाया रहा। ग्राम प्रधान शिव लखन बिंद ने संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर विस्तार से जानकारी दी। नोडल अधिकारी अरुण कुमार मिश्रा ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री के

बिना सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल सकेगा। ग्राम सचिव धन्नजय बिंद ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे में 135 लोगों का नाम शामिल किया गया है।

पंचायत सहायक सबिता पाल और रोजगार सेवक रविंद्र कुमार ने ग्रामीणों की समस्याओं को सूचीबद्ध किया और समाधान की प्रक्रिया शुरू की। साथ ही राशन कार्ड और ई-केवाईसी के संबंध में भी जानकारी दी गई। वहीं शिवपुर केवटाना में आयोजित ग्राम चौपाल नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्र और खंड विकास अधिकारी रामपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। विधायक रत्नाकर मिश्र ने प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

इस दौरान नोडल अधिकारी डीसी मनरेगा शांत सिंह की अनुपस्थिति पर विधायक ने कड़ी नाराजगी जताई। सचिव अनुराग सिंह ने समस्याओं को सूचीबद्ध किया, जबकि समाज कल्याण विभाग के प्रेम चंद्र पटेल ने पेंशन योजनाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान किया। खंड विकास अधिकारी ने ग्रामीणों को फार्मर रजिस्ट्री कराने और राशन कार्ड के लिए ई-केवाईसी पूरा करने की सलाह दी। हालांकि, कुछ विभागों के अधिकारी अनुपस्थित रहे, जिससे कई समस्याओं का समाधान नहीं हो सका। शिवपुर केवटाना की ग्राम प्रधान सुनीता देवी की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसमें प्रधान प्रतिनिधि बबलू यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सीईओ ने ग्राम पंचायत का निरीक्षण कर विकास कार्यों की करी समीक्षा बैठक

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेशः पोरसा जनपद पंचायत पोरसा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) सुनीता शर्मा दंडोतिया ने ग्राम पंचायत रजौधा का दौरा कर विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से जलगंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने जल संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जलगंगा अभियान के अंतर्गत किए जा रहे सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

दौरे के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत में निर्मित एवं निमार्णाधीन सामुदायिक शौचालयों का निरीक्षण किया और स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का भी बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि सरोवरों का संरक्षण और विकास जल संचयन की दृष्टि से अत्यंत

महत्वपूर्ण है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।सीईओ सुनीता शर्मा दंडोतिया ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभार्थियों को दिए जा रहे आवासों की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध कराया जाए और निर्माण कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

ग्राम में साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए उन्होंने ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की अपील की। साथ ही संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि नियमित रूप से सफाई व्यवस्था की निगरानी की जाए और गांव को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने हितग्राही मूलक योजनाओं की समीक्षा भी की और लाभार्थियों से सीधे संवाद कर योजनाओं की जमीनी हकीकत जानी। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय पर और पारदर्शिता के साथ पहुंचाया जाए, ताकि ग्रामीणों को अधिकतम लाभ मिल सके। इस अवसर पर जनपद पंचायत के अधिकारी, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सीईओ के इस निरीक्षण से प्रशासनिक सक्रियता का संदेश गया है और ग्रामीणों में विकास कार्यों को लेकर नई उम्मीद जगी है।

वाहन चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार, बाइक के कटे पार्ट्स बरामद

भारत मौर्य

उत्तर प्रदेशः ब्रेकिंग न्यूज पीलीभीत उत्तर प्रदेश थाना पूरनपुर पुलिस द्वारा बाहन चोरी की घटना का अनावरण , एक अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल के कटे हुए पाट्र्स बरामद। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद पीलीभीत के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों अंकुश लगाए जाने ताथ वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे हैं अभियान के क्रम में आज थाना पूरनपुर पुलिस टीम द्वारा थाना पूरनपुर पर पंजीकृत मु0अ0स0 146/2026 धारा 303(२) रात्रि गश्त के दौरान थाना पूरनपुर पुलिस टीम द्वारा ग्राम मकरंन्दपुर गौटिया से अभियुक्त नसीर अहमद पुत्र बुन्दा निवासी ग्राम मकरंन्दपुर थाना पूरनपुर जनपद पीलीभीत को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल , रजिस्ट्रेशन नं० UP26F6606) कटे हुए विभिन्न पार्टस बरामद हुए। बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 317। की वृद्धि की गयी है। अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए उसे माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

खेत पर गए व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, गांव में तनाव

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः जनपद बरेली के थाना भमोरा क्षेत्र में शनिवार सुबह एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां खेत पर शौच के लिए गए एक व्यक्ति की घात लगाकर गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम भीकमपुर कुढ्ढा निवासी धर्मपाल पुत्र लखपत सिंह ने थाना भमोरा में दी गई तहरीर में बताया कि उनके भाई कल्याण सिंह (उम्र करीब 48 वर्ष) शनिवार सुबह लगभग 5:40 बजे खेत पर शौच के लिए गए थे। आरोप है कि गांव के ही कुछ लोग, जिनमें फूल सिंह पुत्र राम भरोसे, सतेंद्र पुत्र चरण सिंह, जीराज पुत्र ओमकार, दीपक पुत्र ऋषि, सुनील पुत्र श्रीपाल, नरवीर पुत्र ओमकार और जोगेंद्र पुत्र ओमकार शामिल हैं, पहले से ही झाड़ियों में अवैध असलहों के साथ घात लगाकर बैठे थे। जैसे ही कल्याण सिंह खेत पर पहुंचे, आरोपियों ने उन पर 315

बोर रायफल से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली उनके सीने और पेट में लगने से वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े। इसके बाद आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें तमंचों की बट और रायफल से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

धर्मपाल के अनुसार, वह भी पास में ही मौजूद थे और गोली चलने की आवाज सुनकर भाई को बचाने दौड़े, लेकिन आरोपियों ने उन पर भी फायरिंग शुरू कर दी, जिससे वह जान बचाकर घर की ओर भागे। शोर सुनकर परिजन और गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर कल्याण सिंह को मृत समझकर हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना भमोरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा करने का दावा किया गया है। इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है और पुलिस द्वारा एहतियातन निगरानी बढ़ा दी गई है।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बुजुर्ग किसान की हुई मौत

राजू

उत्तर प्रदेशः बरेली में तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से एक बुजुर्ग चंद्रपाल सिंह की मौके पर मौत हो गई। यह हादसा शुक्रवार देर शाम फतेहगंज पश्चिमी नेशनल हाईवे स्थित झुमका तिराहे पर हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मृतक चंद्रपाल सिंह (60) थाना सीबीगंज क्षेत्र के गांव ठिरिया ठाकुरान के निवासी थे। वह अपनी मोपेड से गैस सिलेंडर लेने बाला कोठा गए थे, जहां गैस उपलब्ध नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने गैस

वाहन चालक को फोन किया, जिसने उन्हें झुमका तिराहे पर बुलाया सिलेंडर लेने के बाद चंद्रपाल सिंह जैसे ही सड़क पार कर अपने घर लौट रहे थे, तभी फरीदपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रक को कब्जे में ले लिया और चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के घर में मातम छा गया। उनकी पत्नी लक्ष्मी देवी और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है चंद्रपाल सिंह एक किसान थे और खेती करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके चार बच्चों की शादी हो चुकी है। उनका बड़ा बेटा सुधीर सिंह पुलिस में चयनित होकर सीतापुर में प्रशिक्षण ले रहा है, जबकि दूसरा बेटा सनी सिंह मोबाइल की दुकान चलाता है। इस दुखद घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है।

नवरात्रि पर कटिया टोला में सैमसंग मोबाइल स्टोर का भव्य उद्घाटन

अभिषेक कश्यप

उत्तर प्रदेशः कटिया टोला में नवरात्रि के पावन अवसर पर सैमसंग मोबाइल स्टोर का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता जयेश प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और फीता काटकर स्टोर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्टोर के ऑनर विनीत अवस्थी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि अब क्षेत्रवासियों को आधुनिक मोबाइल तकनीक और बेहतर सर्विस अपने ही इलाके में उपलब्ध होगी। उन्होंने ग्राहकों को आकर्षक ऑफर्स और भरोसेमंद सेवाएं देने

का भरोसा भी दिलाया। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। नवरात्रि के शुभ अवसर पर हुए इस नए स्टोर के शुभारंभ को लोगों ने खुशी के साथ स्वागत किया। कटिया टोला में खुले इस सैमसंग स्टोर से अब लोगों को मोबाइल खरीदने और सर्विस के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 380 शिकायतें, 56 का मौके पर निस्तारण

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः जनपद गाजीपुर मे जन समस्याओ के त्वरित निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील कासिमाबाद में जिलाधिकारी अविनाश कुमार, की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 ईरज राजा की उपस्थिती में तहसील सभागार मे सम्पन्न हुआ। जिसमे 98 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए मौके पर 17 का निस्तारण किया गया। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सातों तहसीलो की सूचना के अनुसार सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 380 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 56 शिकायत/प्रार्थना पत्रो का निस्तारण किया गया। इसी क्रम में तहसील सदर में उपजिलाधिकारी

की अध्यक्षता में 60 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें 08 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील जखनियां में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 83 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 07 का मौके पर निस्तारण किया गया। सेवराई तहसील में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 23 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मैके पर 03 का निस्तारण किया गया। तहसील जमानियॉ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 35 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 04 निस्तारण किया गया। तहसील सैदपुर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 23 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर 01 का निस्तारण किया गया एवं तहसील मुहम्मदाबाद में तहसीलदार की अध्यक्षता में 58 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें 16 का मौके पर निस्तारण किया गया।

जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर आम जनमानस की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए कुछ शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कराया तथा शेष शिकायतों को सम्बंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

इस अवसर पर पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि जमीनी विवाद और आपसी विवाद एक ही विषय से सम्बन्धित होते है इसलिए राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए विवादों का निस्तारण सुनिश्चित करें। तहसील के समस्त लेखपालों को निर्देशित किया गया कि शिकायतकर्ता की छोटी-छोटी समस्याएँ जिनका तत्काल निस्तारण किया जा सकता है। उसके लिए किसी व्यक्ति को परेशान न किया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य, परियोजना निदेशक दीन दयाल वर्मा, जिला विकास अधिकारी सुभाष चन्द्र सरोज, उपजिलाधिकारी कासिमाबाद, तहसीलदार कासिमाबाद, क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद एवं समस्त जनपदस्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

कांग्रेस की बैठक में घुसे प्रदर्शनकारी, बच्चों के साथ की नारेबाजी से लिंबायत में मचा सियासी हंगामा

अफजलभाई इस्माइलभाई कडीवाला

गुजरातः लिंबायत के वार्ड नंबर 25 में आज सियासत गरमा गई। अंबिका नगर और मदनपुरा इलाके में कांग्रेस पार्टी की एक मीटिंग चल रही थी। आरोप है कि उसी दौरान इखढ के कुछ कार्यकर्ता छोटे-छोटे बच्चों के साथ वहां पहुंचे और जय श्री राम के नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कांग्रेस कार्यकताओं ने इसे बच्चों का राजनीतिक इस्तेमाल बताया है। वहीं स्थानीय लोगों में चर्चा है कि क्या बच्चों को सियासी विरोध में शामिल करना सही है?

ट्रक की टक्कर से ईको कार और बग्गी हादसे में 5 लोग हुए घायल

रजनेश श्रीवास्तव/उत्तर प्रदेशः फतेहगंज पश्चिमी धनेटा फाटक पर अनियंत्रित ट्रक ने फाटक पर खड़ी ईओ कार और घोड़ा बग्गी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के दौरान बग्गी चालक समेत 5 लोग गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को एंबुलेंस के द्वारा बरेली निजी अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार की रात करीब 2 बजे धनेटा फाटक शीशगढ रोड पर अनियंत्रित ट्रक चालक ने धनेटा रेलवे फाटक बंद होने के कारण खड़ी ईको कार और घोड़ा बग्गी को टक्कर मार दी। हादसे में फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के गांव सोरहा निवासी बग्गी चालक मोबिन शाह, थाना भमोरा के गांव चकरपुर निवासी कार सवार, अंकित, विनोद, कमलेश, लवकुश गंभीर घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को एंबुलेंस के द्वारा बरेली निजी अस्पताल भेज दिया। यह सभी लोग धनेटा के पास चनेटा गांव से एक शादी समारोह से लौट रहे थे। पुलिस ने ट्रक और चालक को कब्जे में ले लिया है। थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह ने बताया घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजने के बाद ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

पार्किंग विवाद को लेकर युवक की गोली मारकर हत्या

कुणाल/दिल्लीः प्रीत विहार के एक इलाके से दिलदहला देने वाली खबर सामने आ रही है, जहाँ पार्किंग के मामूली विवाद को लेकर आरोपी गौरव शर्मा ने पंकज नमक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। जिसमे पंकज की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया है। जिसकी पुलिस अभी तलाश कर रही हैं। जानिए पूरा मामला।

दरअसल प्रीत विहार के एक माकन में पंकज नैयर का भाई पारस का रहता था। इसी माकन के एक कमरे में मृतक गौरव भी रहा करता था। दोनों के बीच रोजाना पार्किंग को लेकर कहासुनी होती रहती थी।

बार बार बम धमकियां मिलने के बाद विधानसभा अध्यक्ष को जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा को बार-बार बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिलने के मद्देनजर विधानसभा अध्यक्ष को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। दिल्ली विधानसभा सचिवालय के एक बयान में कहा है कि बजट सत्र के बाद से बम संबंधी धमकियां आने और हाल में विधानसभा की सुरक्षा में चूक के बाद, अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की सुरक्षा को बढ़ाकर जेड श्रेणी का कर दिया गया है। विधानसभा सचिवालय और अध्यक्ष के कार्यालय को 23 मार्च को शुरू हुए बजट सत्र के बाद से लगभग छह. सात धमकी भरे ईमेल मिले हैं। इसके बाद यह कदम उठाया गया है। इसके अलावा हाल में एक शख्स अपनी कार से विधानसभा गेट नंबर दो पर लगे अवरोधक तोड़ते हुए परिसर में घुस गया था और वहां अध्यक्ष के कार्यालय के पास गुलदस्ता और माला रखकर वापस लौट गया। नई जेड श्रेणी की सुरक्षा व्यवस्था के तहत, गुप्ता को एक विशेष टीम द्वारा चौबीसों घंटे व सातों दिन सुरक्षा प्रदान की जाएगी। उन्नत सुरक्षा उपायों में एक समर्पित एस्कॉर्ट कार भी शामिल है जो हर समय उनके साथ रहेगी। बयान में कहा गया है कि विधानसभा की सुरक्षा व्यवस्था को भी कड़ा करने की प्रक्रिया जारी है।

दिल्ली में पुलिसकर्मी ने जलते हुए मकान से व्यक्ति को बचाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल ने यहां आग की चपेट में आए मकान में फंसे 41 वर्षीय व्यक्ति को बचा लिया। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना 12 अप्रैल को उत्तर दिल्ली के बाहरी इलाके स्वरूप नगर में घटी। उन्होंने बताया कि पीसीआर को सूचना मिलने के बाद एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। अधिकारी के मुताबिक, आग ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया था। उन्होंने बताया कि हेड कांस्टेबल अंकित को मकान की पहली मंजिल पर एक व्यक्ति फंसा हुआ दिखा। अधिकारी के अनुसार, अंकित ने अतिरिक्त मदद का इंतजार किए बिना इमारत में प्रवेश किया और तुषार अनुराग नामक व्यक्ति को वहां से निकाल लिया। अधिकारी ने बताया कि समय पर हस्तक्षेप से पीड़ित को मकान से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि इसके तुरंत बाद, दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया। अधिकारी ने कहा कि आग लगने का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि विस्तृत रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौरव भाटिया की याचिका पर 'एक्स' को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता और भाजपा नेता गौरव भाटिया की एक याचिका पर 'एक्स' को नोटिस जारी किया। याचिका में उन्होंने आपत्तिजनक पोस्ट मामले में अदालत के पूर्व अंतरिम आदेशों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा की पीठ ने संबंधित सोशल मीडिया यूजर और प्लेटफॉर्म से जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान भाटिया की ओर से पेश अधिवक्ता ने दलील दी कि रैन्टिंग गोला नाम के एक्स यूजर ने अदालत के सितंबर 2025 के आदेश के बावजूद उनके खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट पोस्ट करना जारी रखा है। याचिका में कहा गया कि हाल ही में अपलोड की गई सामग्री में अदालत के आदेश का भी उल्लेख किया गया है, जो निर्देशों का उल्लंघन है। भाटिया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। उन्होंने आपत्तिजनक पोस्ट तत्काल हटाने की मांग की। अदालत ने दलीलें सुनने के बाद संबंधित यूजर और 'एक्स' को नोटिस जारी कर जवाब मांगा और मामले की अगली सुनवाई 22 अप्रैल को तय की।

दिल्ली और बिहार के बीच चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर रेलवे द्वारा आनंद विहार-जोगबनी और नई दिल्ली-सुपौल के बीच स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। रेलवे के अनुसार, पहली ट्रेन संख्या 04008/04007 आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी-आनंद विहार टर्मिनल साप्ताहिक आरक्षित स्पेशल के रूप में चलाई जाएगी। यह ट्रेन 18 अप्रैल से 11 जुलाई तक प्रत्येक शनिवार को आनंद विहार से जोगबनी के लिए रवाना होगी। वहीं, वापसी में 19 अप्रैल से 12 जुलाई तक प्रत्येक रविवार को जोगबनी से आनंद विहार के लिए चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04072/04071 नई दिल्ली-सुपौल जंक्शन-नई दिल्ली आरक्षित स्पेशल ट्रेन के रूप में चलाई जाएगी। यह 17 अप्रैल से 15 जुलाई तक नई दिल्ली से सुपौल के बीच प्रतिदिन संचालित होगी। वहीं, सुपौल से नई दिल्ली के लिए यह ट्रेन 18 अप्रैल से 16 जुलाई तक चलेगी।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे बना राहत का मार्ग : रोमेश चंद गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता रोमेश चंद गुप्ता ने कहा कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे आम लोगों के लिए वरदान साबित होगा और वर्षों से चली आ रही जाम व लंबी यात्रा की समस्या से राहत दिलाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के शुरू होने के बाद दिल्ली से देहरादून की यात्रा अब काफी तेज और सुगम हो गई है, जिससे यात्रियों का समय बचेगा और सफर अधिक सुविधाजनक होगा। एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के बाद लोगों में उत्साह भी देखा जा रहा है। रोमेश चंद गुप्ता के अनुसार, यह मार्ग राजधानी के अक्षरधाम क्षेत्र से शुरू होकर उत्तर प्रदेश के कई जिलों जैसे बागपत, मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर से गुजरते हुए देहरादून तक पहुंचता है। इससे क्षेत्रीय संपर्क मजबूत होगा और परिवहन व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस एक्सप्रेस-वे का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा किया गया है, जिसमें स्थानीय आवाजाही को सुगम बनाए रखने के लिए अनेक अंडरपास भी बनाए गए हैं। इससे यातायात बाधित हुए बिना लोगों की सुविधा सुनिश्चित की गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की परियोजनाएं देश के विकास और जनता की बेहतरी के लिए महत्वपूर्ण हैं।

दिल्ली हवाई अड्डे पर बड़ा हादसा टला, दो विमानों के पंख टकराए

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर गुरुवार को एक संभावित बड़ा हादसा टल गया, जब ग्राउंड मूवमेंट के दौरान दो विमानों के पंख आपस में टकरा गए। इस घटना में स्पाइसजेट और अकासा एयर के विमान शामिल थे। हालांकि टक्कर मामूली रही और किसी भी यात्री या चालक दल को नुकसान नहीं पहुंचा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्पाइसजेट के विमान का विंगटिप खड़े हुए अकासा एयर के विमान के पंख से हल्के रूप में टकरा गया। उस समय अकासा एयर की उड़ान हैदराबाद के लिए रवाना होने वाली थी, जिसे एहतियातन वापस बे पर ले जाया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया और वैकल्पिक व्यवस्था की गई। हवाई अड्डा अधिकारियों ने घटना के तुरंत बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करते हुए दोनों विमानों को सेवा से हटा दिया। तकनीकी जांच के लिए विमानों का विस्तृत निरीक्षण किया जा रहा है। इस मामले में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर इसे ग्राउंड संचालन के दौरान समन्वय में कमी से जुड़ा माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद स्पष्ट होगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इस घटना का हवाई अड्डे के सामान्य संचालन पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा और उड़ानों का आवागमन नियमित रूप से जारी है।

दिल्ली धमाके के आरोपित से जुड़ा एचआर प्रकरण, विशेष प्रकोष्ठ करेगी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी से जुड़े एक संवेदनशील प्रकरण में निजी क्षेत्र की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की एचआर अधिकारी निदा खान का नाम सामने आने के बाद जांच तेज कर दी गई है। आरोप है कि उनका संबंध लाल किला विस्फोट प्रकरण की आरोपित डॉ. शाहीन शाहिद से रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस का विशेष प्रकोष्ठ पूछताछ की तैयारी में है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, निदा खान पर कंपनी की महिला कर्मचारियों ने उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयास जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतों के आधार पर नासिक में कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और आरोपित फिलहाल फरार बताई जा रही है। जांच एजेंसियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में निदा खान के संपर्क कट्टरपंथी नेटवर्क से जुड़े होने के संकेत मिले हैं। बताया जा रहा है कि यह नेटवर्क प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा हुआ है, जिसमें महिला इकाइयों की भूमिका भी सामने आई है। मामले की जांच अब केवल कार्यस्थल उत्पीड़न तक सीमित नहीं रही है, बल्कि इसे एक संभावित संगठित साजिश के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी सहित अन्य केंद्रीय एजेंसियां भी डिजिटल साक्ष्यों और संपर्कों की गहन जांच में जुटी हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने तरणजीत सिंह संधू को दिल्ली का उपराज्यपाल बनने पर दी बधाई

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय राजनयिक तरणजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया उपराज्यपाल नियुक्त किए जाने पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' के जरिए विशेष बधाई दी है। ट्रंप ने संधू के राजनयिक कौशल की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें एक अनुभवी और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता बताया। उन्होंने अपने संदेश में विश्वास जताया कि संधू के मार्गदर्शन में दिल्ली न केवल प्रगति करेगी, बल्कि भारत और अमेरिका के बीच वैश्विक संबंध भी एक नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। किसी वैश्विक नेता द्वारा दिल्ली के उपराज्यपाल के लिए इस तरह की सार्वजनिक प्रतिक्रिया को कूटनीतिक हलकों में संधू के अंतरराष्ट्रीय कद के प्रमाण के रूप में देखा जा रहा है।

भारतीय विदेश सेवा (IFS) के 1988 बैच के अधिकारी रहे तरणजीत सिंह संधू का वाशिंगटन डीसी में भारत के राजदूत के रूप में कार्यकाल बेहद सफल रहा है। उनके नेतृत्व में भारत और अमेरिका के बीच सामरिक और रक्षा साझेदारी ने कई ऐतिहासिक मुकाम हासिल किए। केंद्र सरकार द्वारा उन्हें दिल्ली का प्रशासक नियुक्त करना एक 'मास्टरस्ट्रोक' माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली जैसी वैश्विक राजधानी को एक ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता थी, जो स्थानीय प्रशासनिक चुनौतियों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शहर की छवि को संवार सके। संधू का दशकों का कूटनीतिक अनुभव दिल्ली के विकास में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

तरणजीत सिंह संधू की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब दिल्ली प्रदूषण, बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक समन्वय जैसे गंभीर मुद्दों से जूझ रही है। एक कुशल प्रशासक के रूप में उनकी भूमिका राजधानी को 'फ्यूचर रेडी' बनाने और सौंदर्यीकरण परियोजनाओं को गति देने में अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। ट्रंप की सराहना के बाद दिल्ली की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और अब सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि संधू निर्वाचित सरकार के साथ किस तरह का तालमेल बिठाते हैं।

फिलहाल, दिल्ली को एक ऐसा सख्त और अनुभवी प्रशासक मिला है, जिसकी साख दिल्ली से लेकर व्हाइट हाउस तक फैली हुई है।

दिल्ली की सड़कों पर उतरीं 200 नई ईवी बसें, चार परियोजनाओं का भी शिलान्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को ईस्ट विनोद नगर डिपो से 200 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही, दिल्ली-रोहतक अंतरराज्यीय बस सेवा, मदनपुर खादर में नए बस डिपो और ईस्ट विनोद नगर डिपो में डीटीसी के अत्याधुनिक प्रशासनिक भवन का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा देकर दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाया जाएगा। होलम्बी कलां में बड़ा ईवी बैटरी निस्तारण केंद्र बनेगा। इन ई-बसों में 140 देवी बसें हैं। ये बसें छोटी-छोटी गलियों में जाकर परिवहन सुविधाएं देती है। इसके बाद डीटीसी बसों की संख्या 6300 हो गई है, जिसमें 4550 ईवी बसें हैं।उन्होंने कहा कि दिल्ली को ग्रीन, क्लीन और स्मार्ट बनाकर विकसित किया जाएगा। सरकार ने चार हजार करोड़ का बजट चार वर्ष में दिल्ली की जनता पर खर्च करने का मन बनाया है, क्योंकि दिल्ली वर्षों से प्रदूषण में लिप्त है। इसका खामियाजा हर परिवार भुगत रहा है। दिल्ली में कितनी सरकारें आईं और चली गईं, लेकिन किसी ने प्रदूषण को प्रभावी रूप से समयबद्ध तरीके कम करने का प्रभावी कदम नहीं उठाए। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली सरकार जरूरी फैसले कर रही है। नई ईवी नीति के मसौदे में एक तरफ लोगों को ईवी वाहन खरीदने पर सब्सिडी का प्रावधान किया है तो दूसरी तरह चार पहिया वाहनों के लिए रोड टैक्स माफ करने की योजना है।स्कूल बसों को ईवी वाहन में तब्दील करने की तैयारीमुख्यमंत्री ने कहा कि व्यवसायिक और स्कूलों की बसों को एक निश्चित समय में ईवी बसों में तब्दील करने का रोड तैयार किया गया है। इसके अलावा वर्ष 2028-29 तक ईवी बसों की संख्या बढ़ाकर 14 हजार की जाएंगी। ऐसे में ईवी को चार्ज करने के लिए जो मजबूत बुनियादी ढांचे की जरूरत है। इसके लिए सरकार ने तैयारी की है। कार्यक्रम में दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह भी मौजूद रहे।नए डिपो में 30 चार्जिंग स्टेशन बनाए गएमदनपुर खादर नए बस डिपो में 30 चार्जिंग स्टेशन बनाए हैं, जहां प्रतिदिन 120 ईवी बसें चार्ज हो सकेंगी। इस डिपो में तीन बस-वे, दो यात्री शेड और एक साथ छह बसों की पार्किंग की व्यवस्था है। अभी प्रतिदिन 22 बसों का परिचालन होगा। इसके तहत इस डिपो से सफदरजंग टर्मिनल तक रूट नंबर 465 की तीन बसें और रूट संख्या डी-022 की 14 बसें शामिल हैं।

इसके अलावा रूट संख्या डी-8802 पर नेहरू प्लेस के लिए पांच बसें चलेंगी।

डीयू कुलपति ने हंसराज कॉलेज के छात्रों से किया संवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि समय और जरूरत के अनुसार परिवर्तन जरूरी है और शिक्षा परिवर्तन का सबसे बड़ा उपकरण है। देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए इनोवेशन, रिसर्च और बिजनेस डेवलपमेंट पर काम होना चाहिए।

प्रो. सिंह ने यह बात गुरुवार को वाइस रीगल लॉज के काउंसिल रूम में आयोजित ÷कॉफी विद वाइस-चांसलर÷ के दूसरे अध्याय में हंसराज कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान विद्यार्थियों के प्रश्नों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कही। इस अवसर पर कॉलेज के विद्यार्थियों ने कुलपति से डीयू की व्यवस्था एवं उनके निजी जीवन को लेकर भी प्रश्न किए, जिनका कुलपति ने खुलकर उत्तर दिया।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि यह पहली वह भाग्यशाली पीढ़ी है, जो विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सीधे तौर पर जुड़ी है। इस पीढ़ी की जिम्मेदारियां और अपेक्षाएं बहुत अधिक हैं। अगले 20-25 साल भारत का स्वर्णिम इतिहास लिखने के हैं और सभी को उसमें अपनी-अपनी भूमिका तय करनी है। सरकार अपने स्तर पर सभी कार्य कर रही है।

एक विद्यार्थी ने विश्वविद्यालय के पहले डीयू साहित्य महोत्सव के आयोजन पर खुशी जताते हुए कुलपति से प्रश्न किया कि आपको यह विचार कहां से आया? कुलपति प्रो. सिंह ने उत्तर देते हुए कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में सभी तरह के विभाग हैं। ऐसे में हमने सोचा कि अगर विश्वविद्यालय ऐसा आयोजन करे तो उसका प्रभाव बहुत व्यापक होगा और विद्यार्थियों को इससे काफी अच्छे अनुभव प्राप्त होंगे। इसके परिणाम काफी अच्छे रहे हैं, साहित्य महोत्सव का आयोजन अब प्रतिवर्ष किया जाएगा और इसमें कुछ और चीजें भी जोड़ी जाएंगी।

एनईपी 2020 को लेकर एक विद्यार्थी के सवाल पर कुलपति ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को बेहतर इंसान बनाना है। ऐसे में परिवर्तन जरूरी हैं। शिक्षा में जब कोई चीज बदलती है तो उसे विद्यार्थी केंद्रित और विद्यार्थियों के हित में होना चाहिए। बदलते वक्त के साथ तकनीक और अनुसंधान को बढ़ावा देने की जरूरत है।

स्नातक में चौथे वर्ष को लेकर पूछे गए प्रश्न पर कुलपति ने कहा कि आज अकादमिक और कॉर्पोरेट सैक्टर में रिसर्च माइंडसेट चाहिए इसलिए इसमें रिसर्च पर जोर दिया गया है। इससे कॉर्पोरेट और अकादमिक में भी रास्ते खुलते हैं। यह शुरुआती दौर है, भविष्य में इसके काफी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

इस कार्यक्रम का संचालन डीयू दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी ने किया। उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को सीधे कुलपति से संवाद का मौका मिले और वे अपनी बात खुल कर उनके सामने रख सकें। इस कार्यक्रम के पहले सत्र में मिरांडा हाउस कॉलेज की 10 छात्राओं ने भाग लिया था। इस बार दूसरे सत्र में हंसराज कॉलेज के 13 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में भाग लेने के बाद विद्यार्थियों ने कहा कि उन्हें पहली बार अपने विचार एवं समस्याएं निजी तौर पर सीधे कुलपति के साथ साझा करने का अवसर मिला है। विद्यार्थियों ने कहा कि क्लासरूम से निकाल कर सीधे कुलपति के साथ निसंकोच अपनी बात रखना उनके लिए अनूठा अनुभव था। जिस प्रकार कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने उनके साथ खुले माहौल में बातचीत की उससे वे काफी प्रभावित हुए।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को मिली जेड-कैटेगरी सुरक्षा, धमकियों के बाद पुलिस का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को दिल्ली पुलिस की ओर से जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। दिल्ली पुलिस की सुरक्षा यूनिट ने उन्हें सुरक्षा प्रदान की है। विजेंद्र गुप्ता को पहले धमकी मिल चुकी थी।

उल्लेखनीय है कि बीती छह अप्रैल को दोपहर के समय विधानसभा परिसर में घुसकर कार सवार ने उनकी कार में एक गुलदस्ता रख दिया था। उनके मेल पर विधानसभा को बम से उड़ाने की कई बार धमकियां भी मिल चुकी थीं। यह कदम उनकी (विजेंद्र गुप्ता) सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

जेड-श्रेणी की सुरक्षा मिलने के बाद अब गुप्ता को 24 घंटे विशेष सुरक्षा टीम और एक अलग एस्कॉर्ट गाड़ी मिलेगी। 23 मार्च को बजट सत्र शुरू होने के बाद से सचिवालय और स्पीकर के कार्यालय को छह से सात धमकी भरे ईमेल मिल चुके हैं।

दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में सेंध

एक अन्य घटना में एक व्यक्ति बीते दिनों बाउंड्री गेट तोड़कर अपनी गाड़ी लेकर विधानसभा परिसर में घुस गया था। उसने स्पीकर के कार्यालय के पास गुलदस्ता और माला रखी और वहां से फरार हो गया। फिलहाल सभी सदस्यों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा एजेंसियां मिलकर विधानसभा परिसर की सुरक्षा बढ़ा रही हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, परिसर में सुरक्षा मजबूत करने के लिए एंट्री गेटों पर ज्यादा जवान तैनात किए जाएंगे, मोबाइल गश्ती गाड़ियां लगाई जाएंगी और हाइड्रोलिक रोड ब्लॉकर लगाए जाएंगे। आगे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एक एकीकृत कमान संरचना और बहु-स्तरीय सुरक्षा ग्रिड भी बनाया जाएगा।

केजरीवाल ने लखनऊ के विकास नगर स्थित झुग्गी बस्ती में लगी आग पर जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को लखनऊ के विकास नगर स्थित झुग्गी बस्ती में लगी आग पर दुख व्यक्त किया। अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए लिखा कि लखनऊ के विकास नगर स्थित झुग्गी बस्ती में लगी भीषण आग में अपना सब कुछ खो देने वाले पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहन संवेदनाएं। उन्होंने कहा कि इन गरीब परिवारों के सिर से सिर्फ छत नहीं गई है, बल्कि उनके जीवनभर की जमा-पूंजी और रोजगार के साधन आग में जलकर खाक हो गए हैं। केजरीवाल ने सरकार से अपील की है कि पीड़ित परिवारों के लिए जल्द से जल्द उचित राहत, रोजगार एवं पुनर्वास की व्यवस्था की जाए। उल्लेखनीय है कि, लखनऊ के विकास नगर की झुग्गी बस्ती में बुधवार शाम में आग लगने की घटना सामने आई। जिसमें 200 से ज्यादा झिग्गियां जल कर राख हो गई।

मंत्री सिरसा ने किया डीकेवीआईबी कर्मचारियों के वित्तीय उन्नयन से जुड़े मुद्दों का समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उद्योग, खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में दिल्ली खादी और ग्राम उद्योग बोर्ड (डीकेवीआईबी) के कर्मचारियों से मुलाकात की। इसके दौरान उन्होंने कर्मचारियों के 32 साल पुराने वित्तीय उन्नयन से जुड़े मुद्दे का समाधान किया, जो सीधे उनके पदोन्नति से जुड़ा हुआ है। इस फैसले से डीकेवीआईबी के रिटायर्ड कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा, जो लंबे समय से इस फैसले का इंतजार कर रहे थे। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'जो मामला पिछली कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकारों में दशकों तक लटका रहा, उसे मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में आज हमने सुलझाकर कर्मचारियों को उनका हक दिलाने का काम किया है।' उन्होंने कहा कि किसी का हक न मारा जाए और सबको उसका सही सम्मान मिले, यही हमारी सरकार का असली मकसद है। जनसेवा की असली भावना के साथ हमारी सरकार काम कर रही है।

सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के लिए जनसुनवाई, समाधान के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए डेम्स कमेटी द्वारा साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न समस्याएं रखीं, जिन पर अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर समाधान के निर्देश दिए गए। कमेटी के अध्यक्ष संदीप कपूर और उपाध्यक्ष धर्मवीर ने बैठक में मौजूद रहकर कर्मचारियों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने बताया कि वर्ष 1998 से 2000 तक के कर्मचारियों की लंबित सूची जारी कर दी गई है, जिससे संबंधित कर्मचारियों को राहत मिलेगी। संदीप कपूर ने कहा कि सफाई विभाग के कर्मचारी हर बुधवार दोपहर 2 बजे जनसुनवाई में पहुंचकर अपनी समस्याएं सीधे समिति के समक्ष रख सकते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

राघव चड्ढा पर आप का हमला, 'एहसान फरामोश' कहकर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने अपने ही राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें 'एहसान फरामोश' करार दिया है। पार्टी ने उन पर भारतीय जनता पार्टी से नजदीकी बढ़ाने का आरोप लगाया है और संकेत दिए हैं कि उनके खिलाफ जल्द बड़ा संगठनात्मक कदम उठाया जा सकता है। पार्टी प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने तीखा हमला करते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व मंर पार्टी ने एक सामान्य पृष्ठभूमि से आए कार्यकर्ता को संसद तक पहुंचाया, लेकिन अब वही नेता पार्टी के साथ विश्वासघात कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह व्यवहार ऽपीठ में छुरा घोंपनेऽ जैसा है और बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। दरअसल, इसी महीने की शुरुआत में राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता के पद से हटा दिया गया था, जिसके बाद से पार्टी और उनके बीच मतभेद खुलकर सामने आने लगे। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज हो गई कि पार्टी नेतृत्व उनके रुख से असंतुष्ट है, खासकर उस समय जब केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर अन्य नेता आक्रामक थे, लेकिन चड्ढा अपेक्षाकृत शांत नजर आए।

मतदाता सूची संशोधन के दबाव में शिक्षक परेशान : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया है कि राजधानी में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के चलते नगर निगम के हजारों शिक्षकों पर दोहरी जिम्मेदारी का बोझ पड़ रहा है, जिससे वे मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर शिक्षकों को विद्यालयों में पढ़ाई की जिम्मेदारी निभानी पड़ रही है, वहीं दूसरी ओर घर-घर जाकर मतदाता सूची संशोधन का कार्य भी करना पड़ रहा है। इस अतिरिक्त दबाव के कारण शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है और शिक्षकों के अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। देवेंद्र यादव के अनुसार, इस प्रक्रिया से जुड़े बूथ स्तर अधिकारियों पर कार्य समय पर पूरा करने का अत्यधिक दबाव है, जिससे वे मानसिक रूप से प्रताड़ित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि विभिन्न राज्यों में इस तरह के दबाव के कारण कई अधिकारियों की मृत्यु तक हो चुकी है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों को अवकाश के दिनों में भी कार्य करने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जबकि इसके बदले उन्हें कोई वैकल्पिक अवकाश नहीं दिया जा रहा। शिक्षक संगठनों में इस मुद्दे को लेकर असंतोष बढ़ रहा है और वे सरकार के आदेशों का विरोध कर रहे हैं।

निगम की ऑनलाइन सेवाएं ठप, दलालों के भरोसे आम उपभोक्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 16 अप्रैल (वेब वार्ता)। दिल्ली नगर निगम की ऑनलाइन सेवाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि अधिकतर समय वेबसाइट या पोर्टल ठीक से काम नहीं करते, जिससे आम लोगों को जरूरी सेवाओं का लाभ नहीं मिल पाता। वहीं, दूसरी ओर दलालों के जरिए वही काम आसानी से हो जाने के आरोप भी सामने आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निगम की ऑनलाइन व्यवस्था केवल कागजों पर पारदर्शी दिखाई देती है, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत है। यदि कोई व्यक्ति खुद आवेदन करने की कोशिश करता है तो उसे तकनीकी त्रुटियों, शुल्क जमा न होने या बार-बार आवेदन खारिज होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

आरोप यह भी है कि निगम कार्यालयों में मौजूद कर्मचारी अप्रत्यक्ष रूप से लोगों को बाहर बैठे दलालों के पास जाने की सलाह देते हैं। ये दलाल निर्धारित समय और प्रक्रिया के अनुसार वही आवेदन सफलतापूर्वक जमा करा देते हैं, जो आम नागरिकों के लिए असंभव जैसा हो जाता है।

उपभोक्ताओं के अनुसार, जहां किसी सेवा की सरकारी फीस लगभग एक हजार रुपये होती है, वहीं दलाल उसी काम के लिए 15 से 20 हजार रुपये तक वसूलते हैं। मजबूरी में लोग इस अतिरिक्त खर्च को वहन करने को विवश हो जाते हैं, क्योंकि बिना दलाल के आवेदन बार-बार खारिज हो जाता है या प्रक्रिया पूरी ही नहीं हो पाती।

कुछ समय पहले केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा शाहदरा उत्तरी क्षेत्र के एक निगम अधिकारी की गिरफ्तारी के बावजूद हालात में विशेष सुधार नहीं हुआ है। लोगों का कहना है कि ऑनलाइन सेवाएं आज भी ÷नियंत्रित÷ प्रतीत होती हैं—जब चाहें तब पोर्टल काम करता है और जब चाहें ठप हो जाता है।

विशेष रूप से पिछड़े इलाकों के नागरिकों को अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जहां डिजिटल साक्षरता भी सीमित है। ऐसे में ऑनलाइन व्यवस्था उनके लिए सुविधा के बजाय नई परेशानी बन गई है।

हालांकि, निगम प्रशासन और

जनप्रतिनिधि समय-समय पर पारदर्शिता और सुधार के दावे करते रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों पर सवाल खड़े करती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायत करने पर भी कोई ठोस सुनवाई नहीं होती और समस्या जस की तस बनी हुई है।

पत्रकार की मौत पर बढ़ा बवाल, 15 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः जनपद गोंडा में पत्रकार के हितो को लेकर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के बैनर तले आज. गुरुवार को मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार द्विवेदी व जिलाध्यक्ष प्रदीप तिवारी के नेतृत्व मे जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया !बताते चले कि हाई टेंशन लाइन का तार टूटने से हुई पत्रकार की मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है।

संगठन ने अपने पत्र में बिजली विभाग की लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण बताया है और इसे प्रशासनिक विफलता करार दिया है।ज्ञापन मे 7 सूत्री मांग कि गई जिसमे मृतक पत्रकार के परिवार को ?1 करोड़ मुआवजा दिया जाय परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। जिले की जर्जर बिजली लाइनों को अंडरग्राउंड कराया जाए दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए घटना की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारों को दंडित किया जाए जांच टीम से पावर कॉपोरेशन के अधिकारियों को हटाकर निष्पक्ष जांच कराई जाए पत्रकारों के आयुष्मान कार्ड बनवाकर स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

जनपद स्तर पर पत्रकारों के साथ मासिक बैठक कर समस्याओं का समाधान किया जाए

सूचना विभाग द्वारा पत्रकारों के लिए कैंप/व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

समाचार प्रकाशित होने के बाद समाचार पत्रों का कटिंग कराकर संबंधित विभाग को भेजकर कार्यवाही कराना व सम्मान दिया जाए जिलाध्यक्ष प्रदीप तिवारी ने

साफ ,साफ चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन गांधीवादी तरीके से धरना-प्रदर्शन और आंदोलन जिलाधिकारी कार्यलय पर किया जायेगा मंडल अध्यक्ष अनिल द्विवेदी ने बताया कि पत्रकार हितो को लेकर किसी प्रकार का समझौता मान्य नहीं होगा । ज्ञापन देने वालों मे मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार द्विवेदी . जिलाध्यक्ष प्रदीप तिवारी.. तहसील अध्यक्ष कर्नलगंज श्रीनाथ रस्तोगी . तहसीलअध्यक्ष मनकापुर राकेश दत्त राम पांडे, तहसील अध्यक्ष तरपफगंज योगेश पांडे , दीपककौशल, रामकुमारकौशल, जयदीप शुक्ला, शिवकुमारपांडे, अखिलेश त्रिपाठी, मुन्ना लालपांडे, पंडित बागीश तिवारी डा अरुण सिंह. हेमंत पाठक. ज्ञानेंद्र चौधरी, राज शुक्ला, मोहनलाल चौहान, जोगिंदर प्रसाददुबे, राजकुमार तिवारी, मोहनलाल चौहान, आशीष श्रीवास्तव, मुन्ना लाल पांडे, विजय बिहारी विश्वकर्मा, शोएब अख्तर, मनोज कुमार मिश्रा, सुनील कुमार शुक्ला, गुरबचन शर्मा, कृष्ण शर्मा, आत्माराम शुक्ला, पंकज पांडे, विपिन तिवारी, अतुल यादव, आशीष श्रीवास्तव, अशोक कुमार पाठक, श्री प्रकाश शुक्ला सहित सैकड़ो पत्रकार मौजूद रहे।

वहीं ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष प्रदीप तिवारी ने साफ-साफ विद्युत विभाग के अधिकारियों को चेतावनी दी है 15 दिन के अंदर विद्युत विभाग की चार्जर व्यवस्था सुधर नहीं हुआ तो धरना प्रदर्शन किया जाएगा और संबंधित अधिकारियों के दफ्तर में ताला लगा दिया जाएगा अधिकारियों को बैठने नहीं दिया जाएगा किसी भी दशा में क्योंकि हमारी बहुत बड़ी क्षति हुई है उस क्षति का भरपाई हम पत्रकार साथी कभी नहीं कर सकते हैं ऐसी घटना फिर दोबारा न होने पाए इसलिए विद्युत विभाग की अधिकारियों को चेतावनी दी गई है।

गैस सिलेंडर के लिए जंग जारी, काम-धंधा छोड़ लाइन में खड़े दिखे लोग

लिखित पंत

उत्तराखंडः उत्तराखंड के सीमांत कस्बे गंगोलीहाट में इन दिनों घरेलू गैस सिलेंडर पाना किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं रह गया है। क्षेत्र में गैस की किल्लत इस कदर बढ़ गई है कि आम जनता के सब्र का बांध अब टूटने लगा है। सुबह की पहली किरण निकलने से पहले ही, जब शहर सो रहा होता है, तब गंगोलीहाट की जनता गैस की लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतजार कर रही होती है। ताजा हालात ये हैं कि लोग सुबह 5 बजे से ही गैस वितरण केंद्रों के बाहर डेरा डाल रहे हैं। कतारें इतनी लंबी हैं कि सड़क के एक छोर से दूसरा छोर नजर नहीं आ रहा। हैरानी की बात यह है कि घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि शाम तक चूल्हा जल पाएगा या नहीं।

अव्यवस्था का आलम काम-धंधा छोड़ लाइन में खड़े लोग

गैस की इस किल्लत ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। मजदूरी करने वाले लोग अपना काम छोड़ रहे हैं और घर की महिलाएं अपना सारा कामकाज छोड़ लाइनों में खड़ी होने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि:"गंगोलीहाट में गैस की सप्लाई को लेकर मचे इस घमासान पर जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। क्या जनता की इस परेशानी का कोई समाधान होगा या हमें यूं ही सड़कों पर सुबह 5 बजे से धक्के खाने होंगे?

जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल के 10वीं टॉपर्स को बधाई दी गई

दिनेश गुप्ता

बिहारः जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल के 10वीं के टॉपर्स को हार्दिक बधाई। सत्यम कुमार को विशेष बधाई - 97.4% अंकों के साथ स्कूल टॉप करने पर। आपकी मेहनत, लगन और अनुशासन ने यह मुकाम दिलाया है। आपने न सिर्फ अपने माता-पिता बल्कि पूरे स्कूल और नवादा जिले का नाम रोशन किया है। अन्य टॉपर्स को भी बधाई, दीपा कुमारी - 93.8%

सलोनी भारती - 92.8%, रवि प्रकाश - 92.4%, राज नंदनी - 92% आप सभी बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो। ऐसे ही मेहनत करते रहें और जीवन में नए कीर्तिमान स्थापित करें।

इमैनुएल मिशन स्कूल में दंत स्वास्थ्य शिविर, 365 मरीजों को मिला नि:शुल्क लाभ

प्रशांत

राजस्थानः कोटपुतली में 18 अप्रैल 2026 मौखिक स्वास्थ्य माह के अवसर पर इमैनुएल मिशन सेकेंडरी स्कूल, कोटपुतली में एक निःशुल्क दंत स्वच्छता एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर एकलव्य डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल, कोटपुतली के पीरियडॉन्टोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आरिफ सिद्दीकी के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

इस शिविर में कुल 365 मरीजों (छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों) की दंत जांच की गई। डॉक्टरों की टीम ने सभी को मौखिक स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए सही ब्रशिंग तकनीक और दांतों की देखभाल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस अभियान में डॉ. प्रिया सोनी, डॉ. ईशांत अग्रवाल, डॉ. आयुषी भारद्वाज, डॉ. दृष्टि महापात्र, डॉ. आर्यन सिंह, आयुषी जैन एवं योगेश ने सक्रिय योगदान दिया।

विद्यालय प्रबंधन ने पूरी टीम के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए उनके समर्पण, समय और प्रयासों की सराहना की। विशेष रूप से एकलव्य डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल, कोटपुतली के उप-प्रधानाचार्य डॉ. कमल गर्ग का आभार व्यक्त किया गया, जिनकी प्रेरणा, मार्गदर्शन एवं सहयोग से यह सामाजिक सेवा कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।विद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की आशा व्यक्त की।

सर्वत्र शिक्षा समिति कार्यालय में मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती, शिक्षा और संविधान पर हुआ विचार-विमर्श

रमेश कुमार

हरियाणाः सर्वत्र शिक्षा समिति के फतेहाबाद कार्यालय में आज भारत रत्न और भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने बाबासाहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्वत्र शिक्षा समिति के राष्ट्रीय परियोजना सलाहकार एवं जनहित ट्रस्ट के चेयरमैन रमेश शाक्य ने की। इस अवसर पर सर्वत्र शिक्षा समिति फतेहाबाद के जिला परियोजना नियंत्रण अधिकारी साधु बरोका, जनहित ट्रस्ट के ज्वाइंट सेक्रेटरी विकास सुथार, सोमबीर कुमार, विक्रम कुमार सहित संस्था के अन्य कई सदस्य विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रमेश शाक्य ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया।

उन्होंने बाबासाहेब के मूल मंत्र 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ही वह सबसे ताकतवर हथियार है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है। समाज के हर वर्ग, विशेषकर वंचित और शोषित समाज के उत्थान के लिए शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। सर्वत्र शिक्षा समिति भी बाबासाहेब के इसी विजन को 'संस्कार पाठशाला' के माध्यम से धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है, ताकि हर बच्चे को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। जिला परियोजना नियंत्रण अधिकारी साधु बरोका और ज्वाइंट सेक्रेटरी विकास सुथार ने भारतीय संविधान में बाबासाहेब के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर जी ने देश को एक ऐसा मजबूत और लचीला संविधान दिया है, जो हर नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है। हमारे संविधान की बदौलत ही आज समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को भी आगे बढ? के समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। अंत में सभी सदस्यों ने यह प्रण लिया कि वे बाबासाहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और समाज में शिक्षा का उजियारा फैलाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

जनगणना कर्मियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

संजय कुमार वर्मा

बिहारः नारदीगंज नवादा इंटर विद्यालय नारदीगंज में भारत की जनगणना कार्य में लगे जनगणना कर्मियों का आयोजित द्वितीय व तृतीय चरण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को सम्पन्न हो गया। प्रशिक्षक मास्टर ट्रेनर अवधेश कुमार के अलावा सहयोगी प्रशिक्षक राकेश कुमार, रवि रंजन कुमार,पंकज कुमार के माध्यम से जनगणना कार्य करने के लिए विस्तार से जानकारी देकर सभी जनगणना कर्मियों को दक्ष किया गया। कहा गया आगामी दो मई से प्रगणक के माध्यम से मकान सूचीकरण आनलाइन जनगणना करना है। जो 31 मई 2026 को आधी रात तक किया जायेगा। जब आप गांव में जाएंगे तो जनगणना के दौरान 34 प्रश्न गृहस्वामी से पूछताछ करना है। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रशिक्षक ने सभी प्रगणक और पर्यवेक्षकों को जनगणना मकान सूचीकरण के लिए पूर्वाभ्यास कराया। प्रत्येक प्रगणक को पांच से दस मकान का सूचीकरण मार्कडिल कराए,ताकि क्षेत्र में जाने के बाद कार्य करने में परेशानी नहीं हो। इसके अलावा नजरि नक्शा का नमूना (खाका) भी प्रगणक के माध्यम बनाकर देखा गया। सभी प्रगणक और पर्यवेक्षकों को प्रश्न पूछने के तौर तरीकों से सम्बंधित प्रश्न को बारीकी से जानकारी दी गई। फील्ड प्रशिक्षण भी दिया गया। यह भारत सरकार का अति महत्वपूर्ण कार्य है। मौके पर जनगणना कर्मियों में विनीता कुमारी,अर्चना शर्मा,रश्मि वर्मा, बबिता कुमारी,अशोक कुमार समेत अन्य प्रशिक्षण प्राप्त की।

बीमार 7 माह के बच्चे की मौत पर अस्पताल में हंगामा

अमर दीप

उत्तर प्रदेशः फरुर्खाबाद जनपद के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई। 7 महीने के एक बीमार बच्चे की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाया है। वहीं, अस्पताल प्रशासन ने इन आरोपों को सिरे से नकारते हुए कहा है कि बच्चे को बेहद गंभीर हालत में लाया गया था और प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था।

बुखार के बाद बिगड़ी थी हालत

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नवाबगंज थाना क्षेत्र के गनीपुर जोगपुर निवासी भंवर पाल के 7 माह के बेटे हंसराज को पिछले दो दिनों से तेज बुखार था। शुरूआत में परिजनों ने नवाबगंज में ही उसका स्थानीय स्तर पर इलाज कराया। जब मासूम की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ और स्थिति बिगड़ने लगी, तो शुक्रवार शाम उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया।

अस्पताल प्रशासन और डॉक्टर का पक्ष

इमरजेंसी में ड्यूटी पर तैनात डॉ. अभिषेक चतुर्वेदी ने पुलिस को बताया कि जब बच्चे को लाया गया, तब उसकी स्थिति अत्यंत नाजुक थी। बच्चे का ऑक्सीजन लेवल काफी गिर चुका था और उसे सांस लेने में तकलीफ सहित कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें थीं। उसे तत्काल ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया और हालत की गंभीरता को देखते हुए जल्द से जल्द हायर सेंटर ले जाने की सलाह देते हुए रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों का दावा है कि रेफर किए जाने के बावजूद परिजन लगभग एक घंटे तक बच्चे को लेकर नहीं गए। बाद में वे उसे एक निजी नर्सिंग होम ले गए, जहां इलाज के दौरान मासूम ने दम तोड़ दिया। इमरजेंसी में बच्चे का पूरा प्राथमिक उपचार किया गया था।

शव लेकर अस्पताल गेट पर बैठे परिजन, पुलिस ने कराया शांत

मासूम की मौत से व्यथित मां बबली और पिता भंवर पाल शव को लेकर लोहिया अस्पताल के गेट पर बैठ गए और हंगामा शुरू कर दिया। उनका सीधा आरोप था कि अस्पताल में उचित उपचार न मिलने के कारण उनके बच्चे की जान गई है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों की आउटसोर्सिंग एजेन्सी/संविदाकारों की बैठक सम्पन्न

दीपक यादव

उत्तर प्रदेशः गौतमबुद्धनगर जनपद में शासन की गाइडलाइंस का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने एवं औद्योगिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों की आउटसोर्सिंग एजेंसी/ संविदाकारों के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आउटसोर्सिंग एजेंसी/ संविदाकार उद्योग को चलाने तथा लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में सभी आउटसोर्सिंग एजेंसी /संविदाकारों की जिम्मेदारी है कि वे अपने श्रमिकों इस प्रकार से प्रशिक्षित करें कि अनुशासन एवं शांति बनाए रखें।

उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी संविदाकार शासन की गाइडलाइंस का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अगर कोई भी एजेंसी द्वारा या एजेंसी के एम्पलॉई/ श्रमिक द्वारा उपद्रवी व्यवहार किया जाएगा तो उसकी जिम्मेदारी एजेंसी की भी होगी तथा उस एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करते हुए एजेंसी का लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जा सकती है ।

उन्होंने राज्य सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन का उल्लेख करते हुए बताया कि अकुशल श्रमिक के लिए 13,690, अर्धकुशल श्रमिक के लिए 15,059 तथा कुशल श्रमिक के लिए 16,868 रुपए प्रतिमाह वेतन निर्धारित किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संविदाकार इन वेतन मानकों का पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित करें एवं श्रमिक के बैंक खातों में पूर्ण वेतन हस्तांतरित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि उद्योग, श्रमिक एवं नियोजक तीनों एक-दूसरे के पूरक हैं। उद्योगों का सुचारु संचालन रोजगार के अवसरों को सुरक्षित रखता है, वहीं नियोजकों की स्थिरता से श्रमिकों का भविष्य भी सुनिश्चित होता है। यदि औद्योगिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव सभी पक्षों के साथ-साथ प्रदेश के समग्र विकास पर पड़ता है।

उन्होंने सभी से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें और औद्योगिक शांति बनाए रखते हुए आपसी सहयोग एवं विश्वास के साथ कार्य करें।

जिलाधिकारी ने यह भी आश्वस्त किया कि राज्य सरकार श्रमिकों एवं नियोजकों दोनों के हितों की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और किसी भी समस्या के समाधान हेतु प्रशासन तत्परता से कार्य करेगा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व अतुल कुमार, डीडी फैक्ट्री बृजेश, संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के संविदाकार उपस्थित रहे।

अवैध पिस्टल व कारतूस सहित युवक हुआ गिरफ्तार

भारत बुनकर

राजस्थानः चित्तौड़गढ़ कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक युवक को अवैध पिस्टल एवं दो जिन्दा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री मनीष त्रिपाठी ने बताया कि वांछित अपराधी व अवैध हथियारो की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान की पालना में एएसपी सरिता सिंह व डीएसपी निंबाहेड़ा बद्रीलाल राव के निकटतम सुपरवीजन में मुकेश कुमार आर.पी.एस.(प्रो.) तथा थानाधिकारी राम सुमेर मीणा के निर्देशन में एएसआई सूरज कुमार मय हैड कानि. हरविन्दर सिंह, कानि शिशपाल, प्रमोद कुमार, औंकार की टीम के द्वारा सरहद निम्बाहेड़ा में गुरुवार को एएसआई सूरज कुमार को मुखबीर खास से मिली सूचना के अनुसार राहगीर सुनील, पिता प्रहलाद साल्वी, आयु 22 वर्ष, निवासी गादोला, थाना कोतवाली निम्बाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़ की नियामानुसार तलाशी ली गयी तो उसके कब्जे से एक पिस्टल तथा 02 जिन्दा कारतुस जप्त कर मुल्जिम सुनिल को गिरफ्तार किया जाकर थाना कोतवाली निम्बाहेड़ा पर आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज कार्यवाही जारी है।

पत्रकार की मौत पर बढ़ा बवाल, 15 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः जनपद गोंडा में पत्रकार के हितो को लेकर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के बैनर तले आज. गुरुवार को मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार द्विवेदी व जिलाध्यक्ष प्रदीप तिवारी के नेतृत्व मे जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया!बताते चले कि हाई टेंशन लाइन का तार टूटने से हुई पत्रकार की मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है।

संगठन ने अपने पत्र में बिजली विभाग की लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण बताया है और इसे प्रशासनिक विफलता करार दिया है।ज्ञापन मे 7 सूत्री मांग कि गई जिसमे मृतक पत्रकार के परिवार को ?1 करोड़ मुआवजा दिया जाय परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। जिले की जर्जर बिजली लाइनों को अंडरग्राउंड कराया जाए दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए घटना की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारों को दंडित किया जाए जांच टीम से पावर कॉर्पोरेशन के अधिकारियों को हटाकर निष्पक्ष जांच कराई जाए पत्रकारों के आयुष्मान कार्ड बनवाकर स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

जनपद स्तर पर पत्रकारों के साथ मासिक बैठक कर समस्याओं का समाधान किया जाए

सूचना विभाग द्वारा पत्रकारों के लिए कैंप/व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

समाचार प्रकाशित होने के बाद समाचार पत्रों का कटिंग कराकर संबंधित विभाग को भेजकर कार्यवाही कराना व सम्मान दिया जाए जिलाध्यक्ष प्रदीप तिवारी ने

साफ ,साफ चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन गांधीवादी तरीके से धरना-प्रदर्शन और आंदोलन जिलाधिकारी कार्यलय पर किया जायेगा मंडल अध्यक्ष अनिल द्विवेदी ने बताया कि पत्रकार हितो को लेकर किसी प्रकार का समझौता मान्य नहीं होगा । ज्ञापन देने वालों मे मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार द्विवेदी . जिलाध्यक्ष प्रदीप तिवारी.. तहसील अध्यक्ष कर्नलगंज श्रीनाथ रस्तोगी . तहसीलअध्यक्ष मनकापुर राकेश दत्त राम पांडे, तहसील अध्यक्ष तरपफगंज योगेश पांडे , दीपककौशल, रामकुमारकौशल, जयदीप शुक्ला, शिवकुमारपांडे, अखिलेश त्रिपाठी, मुन्ना लालपांडे, पंडित बागीश तिवारी डा अरुण सिंह. हेमंत पाठक. ज्ञानेंद्र चौधरी, राज शुक्ला, मोहनलाल चौहान, जोगिंदर प्रसाददुबे, राजकुमार तिवारी, मोहनलाल चौहान, आशीष श्रीवास्तव, मुन्ना लाल पांडे, विजय बिहारी विश्वकर्मा, शोएब अख्तर, मनोज कुमार मिश्रा, सुनील कुमार शुक्ला, गुरबचन शर्मा, कृष्ण शर्मा, आत्माराम शुक्ला, पंकज पांडे, विपिन तिवारी, अतुल यादव, आशीष श्रीवास्तव, अशोक कुमार पाठक, श्री प्रकाश शुक्ला सहित सैकड़ो पत्रकार मौजूद रहे।

वहीं ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष प्रदीप तिवारी ने साफ-साफ विद्युत विभाग के अधिकारियों को चेतावनी दी है 15 दिन के अंदर विद्युत विभाग की चार्जर व्यवस्था सुधर नहीं हुआ तो धरना प्रदर्शन किया जाएगा और संबंधित अधिकारियों के दफ्तर में ताला लगा दिया जाएगा अधिकारियों को बैठने नहीं दिया जाएगा किसी भी दशा में क्योंकि हमारी बहुत बड़ी क्षति हुई है उस क्षति का भरपाई हम पत्रकार साथी कभी नहीं कर सकते हैं ऐसी घटना फिर दोबारा न होने पाए इसलिए विद्युत विभाग की अधिकारियों को चेतावनी दी गई है।

गैस सिलेंडर के लिए जंग जारी, काम-धंधा छोड़ लाइन में खड़े दिखे लोग

लिखित पंत

उत्तराखंडः उत्तराखंड के सीमांत कस्बे गंगोलीहाट में इन दिनों घरेलू गैस सिलेंडर पाना किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं रह गया है। क्षेत्र में गैस की किल्लत इस कदर बढ़ गई है कि आम जनता के सब्र का बांध अब टूटने लगा है। सुबह की पहली किरण निकलने से पहले ही, जब शहर सो रहा होता है, तब गंगोलीहाट की जनता गैस की लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतजार कर रही होती है। ताजा हालात ये हैं कि लोग सुबह 5 बजे से ही गैस वितरण केंद्रों के बाहर डेरा डाल रहे हैं। कतारें इतनी लंबी हैं कि सड़क के एक छोर से दूसरा छोर नजर नहीं आ रहा। हैरानी की बात यह है कि घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि शाम तक चूल्हा जल पाएगा या नहीं।

अव्यवस्था का आलम काम-धंधा छोड़ लाइन में खड़े लोग

गैस की इस किल्लत ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। मजदूरी करने वाले लोग अपना काम छोड़ रहे हैं और घर की महिलाएं अपना सारा कामकाज छोड़ लाइनों में खड़ी होने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि:"गंगोलीहाट में गैस की सप्लाई को लेकर मचे इस घमासान पर जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। क्या जनता की इस परेशानी का कोई समाधान होगा या हमें यूं ही सड़कों पर सुबह 5 बजे से धक्के खाने होंगे?

जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल के 10वीं टॉपर्स को बधाई दी गई

दिनेश गुप्ता

बिहारः जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल के 10वीं के टॉपर्स को हार्दिक बधाई। सत्यम कुमार को विशेष बधाई - 97.4% अंकों के साथ स्कूल टॉप करने पर। आपकी मेहनत, लगन और अनुशासन ने यह मुकाम दिलाया है। आपने न सिर्फ अपने माता-पिता बल्कि पूरे स्कूल और नवादा जिले का नाम रोशन किया है। अन्य टॉपर्स को भी बधाई, दीपा कुमारी - 93.8%

सलोनी भारती - 92.8%, रवि प्रकाश - 92.4%, राज नंदनी - 92% आप सभी बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो। ऐसे ही मेहनत करते रहें और जीवन में नए कीर्तिमान स्थापित करें।

इमैनुएल मिशन स्कूल में दंत स्वास्थ्य शिविर, 365 मरीजों को मिला निःशुल्क लाभ

प्रशांत

राजस्थानः कोटपुतली में 18 अप्रैल 2026 मौखिक स्वास्थ्य माह के अवसर पर इमैनुएल मिशन सेकेंडरी स्कूल, कोटपुतली में एक निःशुल्क दंत स्वच्छता एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर एकलव्य डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल, कोटपुतली के पीरियडॉन्टोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आरिफ सिद्दीकी के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

इस शिविर में कुल 365 मरीजों (छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों) की दंत जांच की गई। डॉक्टरों की टीम ने सभी को मौखिक स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए सही ब्रशिंग तकनीक और दांतों की देखभाल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस अभियान में डॉ. प्रिया सोनी, डॉ. ईशांत अग्रवाल, डॉ. आयुषी भारद्वाज, डॉ. दृष्टि महापात्र, डॉ. आर्यन सिंह, आयुषी जैन एवं योगेश ने सक्रिय योगदान दिया।

विद्यालय प्रबंधन ने पूरी टीम के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए उनके समर्पण, समय और प्रयासों की सराहना की। विशेष रूप से एकलव्य डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल, कोटपुतली के उप-प्रधानाचार्य डॉ. कमल गर्ग का आभार व्यक्त किया गया, जिनकी प्रेरणा, मार्गदर्शन एवं सहयोग से यह सामाजिक सेवा कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।विद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की आशा व्यक्त की।

सर्वत्र शिक्षा समिति कार्यालय में मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती, शिक्षा और संविधान पर हुआ विचार-विमर्श

रमेश कुमार

हरियाणाः सर्वत्र शिक्षा समिति के फतेहाबाद कार्यालय में आज भारत रत्न और भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने बाबासाहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्वत्र शिक्षा समिति के राष्ट्रीय परियोजना सलाहकार एवं जनहित ट्रस्ट के चेयरमैन रमेश शाक्य ने की। इस अवसर पर सर्वत्र शिक्षा समिति फतेहाबाद के जिला परियोजना नियंत्रण अधिकारी साधु बरोका, जनहित ट्रस्ट के ज्वाइंट सेक्रेटरी विकास सुथार, सोमबीर कुमार, विक्रम कुमार सहित संस्था के अन्य कई सदस्य विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रमेश शाक्य ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया।

उन्होंने बाबासाहेब के मूल मंत्र 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ही वह सबसे ताकतवर हथियार है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है। समाज के हर वर्ग, विशेषकर वंचित और शोषित समाज के उत्थान के लिए शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। सर्वत्र शिक्षा समिति भी बाबासाहेब के इसी विजन को 'संस्कार पाठशाला' के माध्यम से धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है, ताकि हर बच्चे को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। जिला परियोजना नियंत्रण अधिकारी साधु बरोका और ज्वाइंट सेक्रेटरी विकास सुथार ने भारतीय संविधान में बाबासाहेब के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर जी ने देश को एक ऐसा मजबूत और लचीला संविधान दिया है, जो हर नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है। हमारे संविधान की बदौलत ही आज समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को भी आगे बढ? के समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। अंत में सभी सदस्यों ने यह प्रण लिया कि वे बाबासाहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और समाज में शिक्षा का उजियारा फैलाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

जनगणना कर्मियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

संजय कुमार वर्मा

बिहारः नारदीगंज नवादा इंटर विद्यालय नारदीगंज में भारत की जनगणना कार्य में लगे जनगणना कर्मियों का आयोजित द्वितीय व तृतीय चरण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को सम्पन्न हो गया। प्रशिक्षक मास्टर ट्रेनर अवधेश कुमार के अलावा सहयोगी प्रशिक्षक राकेश कुमार, रवि रंजन कुमार,पंकज कुमार के माध्यम से जनगणना कार्य करने के लिए विस्तार से जानकारी देकर सभी जनगणना कर्मियों को दक्ष किया गया। कहा गया आगामी दो मई से प्रगणक के माध्यम से मकान सूचीकरण आनलाइन जनगणना करना है। जो 31 मई 2026 को आधी रात तक किया जायेगा। जब आप गांव में जाएंगे तो जनगणना के दौरान 34 प्रश्न गृहस्वामी से पूछताछ करना है। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रशिक्षक ने सभी प्रगणक और पर्यवेक्षकों को जनगणना मकान सूचीकरण के लिए पूर्वाभ्यास कराया। प्रत्येक प्रगणक को पांच से दस मकान का सूचीकरण मार्कडिल कराए,ताकि क्षेत्र में जाने के बाद कार्य करने में परेशानी नहीं हो। इसके अलावा नजरि नक्शा का नमूना (खाका) भी प्रगणक के माध्यम बनाकर देखा गया। सभी प्रगणक और पर्यवेक्षकों को प्रश्न पूछने के तौर तरीकों से सम्बंधित प्रश्न को बारीकी से जानकारी दी गई। फील्ड प्रशिक्षण भी दिया गया। यह भारत सरकार का अति महत्वपूर्ण कार्य है। मौके पर जनगणना कर्मियों में विनीता कुमारी,अर्चना शर्मा,रश्मि वर्मा, बबिता कुमारी,अशोक कुमार समेत अन्य प्रशिक्षण प्राप्त की।

बीमार 7 माह के बच्चे की मौत पर अस्पताल में हंगामा

अमर दीप

उत्तर प्रदेशः फरुर्खाबाद जनपद के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई। 7 महीने के एक बीमार बच्चे की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाया है। वहीं, अस्पताल प्रशासन ने इन आरोपों को सिरे से नकारते हुए कहा है कि बच्चे को बेहद गंभीर हालत में लाया गया था और प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था।

बुखार के बाद बिगड़ी थी हालत

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नवाबगंज थाना क्षेत्र के गनीपुर जोगपुर निवासी भंवर पाल के 7 माह के बेटे हंसराज को पिछले दो दिनों से तेज बुखार था। शुरूआत में परिजनों ने नवाबगंज में ही उसका स्थानीय स्तर पर इलाज कराया। जब मासूम की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ और स्थिति बिगड़ने लगी, तो शुक्रवार शाम उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया।

अस्पताल प्रशासन और डॉक्टर का पक्ष

इमरजेंसी में ड्यूटी पर तैनात डॉ. अभिषेक चतुर्वेदी ने पुलिस को बताया कि जब बच्चे को लाया गया, तब उसकी स्थिति अत्यंत नाजुक थी। बच्चे का ऑक्सीजन लेवल काफी गिर चुका था और उसे सांस लेने में तकलीफ सहित कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें थीं। उसे तत्काल ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया और हालत की गंभीरता को देखते हुए जल्द से जल्द हायर सेंटर ले जाने की सलाह देते हुए रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों का दावा है कि रेफर किए जाने के बावजूद परिजन लगभग एक घंटे तक बच्चे को लेकर नहीं गए। बाद में वे उसे एक निजी नर्सिंग होम ले गए, जहां इलाज के दौरान मासूम ने दम तोड़ दिया। इमरजेंसी में बच्चे का पूरा प्राथमिक उपचार किया गया था।

शव लेकर अस्पताल गेट पर बैठे परिजन, पुलिस ने कराया शांत

मासूम की मौत से व्यथित मां बबली और पिता भंवर पाल शव को लेकर लोहिया अस्पताल के गेट पर बैठ गए और हंगामा शुरू कर दिया। उनका सीधा आरोप था कि अस्पताल में उचित उपचार न मिलने के कारण उनके बच्चे की जान गई है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों की आउटसोर्सिंग एजेन्सी/संविदाकारों की बैठक सम्पन्न

दीपक यादव

उत्तर प्रदेशः गौतमबुद्धनगर जनपद में शासन की गाइडलाइंस का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने एवं औद्योगिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों की आउटसोर्सिंग एजेंसी/ संविदाकारों के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आउटसोर्सिंग एजेंसी/ संविदाकार उद्योग को चलाने तथा लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में सभी आउटसोर्सिंग एजेंसी /संविदाकारों की जिम्मेदारी है कि वे अपने श्रमिकों इस प्रकार से प्रशिक्षित करें कि अनुशासन एवं शांति बनाए रखें।

उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी संविदाकार शासन की गाइडलाइंस का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अगर कोई भी एजेंसी द्वारा या एजेंसी के एम्पलॉई/ श्रमिक द्वारा उपद्रवी व्यवहार किया जाएगा तो उसकी जिम्मेदारी एजेंसी की भी होगी तथा उस एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करते हुए एजेंसी का लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जा सकती है ।

उन्होंने राज्य सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन का उल्लेख करते हुए बताया कि अकुशल श्रमिक के लिए 13,690, अर्धकुशल श्रमिक के लिए 15,059 तथा कुशल श्रमिक के लिए 16,868 रुपए प्रतिमाह वेतन निर्धारित किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संविदाकार इन वेतन मानकों का पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित करें एवं श्रमिक के बैंक खातों में पूर्ण वेतन हस्तांतरित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि उद्योग, श्रमिक एवं नियोजक तीनों एक-दूसरे के पूरक हैं। उद्योगों का सुचारु संचालन रोजगार के अवसरों को सुरक्षित रखता है, वहीं नियोजकों की स्थिरता से श्रमिकों का भविष्य भी सुनिश्चित होता है। यदि औद्योगिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव सभी पक्षों के साथ-साथ प्रदेश के समग्र विकास पर पड़ता है।

उन्होंने सभी से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें और औद्योगिक शांति बनाए रखते हुए आपसी सहयोग एवं विश्वास के साथ कार्य करें।

जिलाधिकारी ने यह भी आश्वस्त किया कि राज्य सरकार श्रमिकों एवं नियोजकों दोनों के हितों की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और किसी भी समस्या के समाधान हेतु प्रशासन तत्परता से कार्य करेगा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व अतुल कुमार, डीडी फैक्ट्री बृजेश, संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के संविदाकार उपस्थित रहे।

अवैध पिस्टल व कारतूस सहित युवक हुआ गिरफ्तार

भारत बुनकर

राजस्थानः चित्तौड़गढ़ कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक युवक को अवैध पिस्टल एवं दो जिन्दा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री मनीष त्रिपाठी ने बताया कि वांछित अपराधी व अवैध हथियारो की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान की पालना में एएसपी सरिता सिंह व डीएसपी निंबाहेड़ा बद्रीलाल राव के निकटतम सुपरवीजन में मुकेश कुमार आर.पी.एस.(प्रो.) तथा थानाधिकारी राम सुमेर मीणा के निर्देशन में एएसआई सूरज कुमार मय हैड कानि. हरविन्दर सिंह, कानि शिशपाल, प्रमोद कुमार, औंकार की टीम के द्वारा सरहद निम्बाहेड़ा में गुरुवार को एएसआई सूरज कुमार को मुखबीर खास से मिली सूचना के अनुसार राहगीर सुनील, पिता प्रहलाद साल्वी, आयु 22 वर्ष, निवासी गादोला, थाना कोतवाली निम्बाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़ की नियामानुसार तलाशी ली गयी तो उसके कब्जे से एक पिस्टल तथा 02 जिन्दा कारतुस जप्त कर मुल्जिम सुनिल को गिरफ्तार किया जाकर थाना कोतवाली निम्बाहेड़ा पर आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज कार्यवाही जारी है।

संपादकीय

नारी शक्ति वंदन शंका व संग्राम

विश्व का सबसे बड़े लोकतंत्र भारत वर्तमान परिपेक्ष में एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रहा है,जहाँ सामाजिक परिवर्तन और राजनीतिक रणनीति एक-दूसरे में गुंथकर नई दिशा तय कर रहे हैं। ह्लनारी शक्ति वंदनह्व का उभरता विमर्श,संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र और इसके इर्द-गिर्द तेज होती राजनीतिक हलचल इस बात का संकेत है कि देश की आधी आबादी अब केवल चर्चा का विषय नहीं,बल्कि सत्ता-समीकरण का केंद्र बन चुकी है।यह वह काल है, जहाँ नारी शक्ति का प्रश्न भावनात्मक अपील से आगे बढ़कर ठोस राजनीतिक और संवैधानिक निर्णयों की कसौटी पर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक विज्ञान भवन में दिए गए वक्तव्यों ने इस बहस को नई गति दी है।केन्द्र सरकार इसे ऐतिहासिक निर्णय की दिशा में निर्णायक कदम बता रही है,वही कांग्रेस व विपक्षी राजनीतिक दल इसे समय-प्रबंधन और राजनीतिक लाभ के नजरिये से देख रहा है।परिणाम स्वरूप यहीं से सत्ता और विपक्ष के बीच वह टकराव स्पष्ट रूप से उभरता है,जो भारतीय लोकतंत्र की पहचान भी और उसकी शक्ति भी है।भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस पूरे विमर्श को महिला सशक्तिकरण की दीर्घकालिक नीति का स्वाभाविक विस्तार मानते हैं।उनका तर्क है कि पिछले वर्षों में महिलाओं को आर्थिक,सामाजिक और स्वास्थ्य के स्तर पर मजबूत करने के लिए जो योजनाएं लागू की गईं,वे अब राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में परिणत होने जा रही हैं।जनधन योजना के माध्यम से बैंकिंग पहुँच, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन,स्वयं सहायता समूहों के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण और ह्ललखपति दीदीह्व जैसी पहलों को इस परिवर्तन की पृष्ठभूमि के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।उनका यह तर्क दिया जा रहा है कि जब आधार तैयार हो चुका है,तब राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाना स्वाभाविक अगला कदम है।वही इसके विपरीत कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस पूरी प्रक्रिया को अधूरा और प्रश्नों से घिरा हुआ मानते हैं।उनका कहना है कि यदि महिलाओं को वास्तविक सशक्तिकरण देना है,तो आरक्षण के भीतर भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए,ताकि पिछड़े वर्गों,दलितों और आदिवासी समुदायों की महिलाओं को भी समान अवसर मिल सके।इसके साथ ही वे इस बात पर भी सवाल उठाते हैं कि क्रियान्वयन को भविष्य की समयसीमा से क्यों जोड़ा गया है।विपक्ष के अनुसार,यह देरी कहीं न कहीं इस मुद्दे को चुनावी लाभ के लिए उपयोग करने की रणनीति को दशार्ती है।

चंबल से संदेश: हिंसा से संवाद तक का अद्भुत उदाहरण

चंबल का संकट हमेशा से जटिल रहा है। वहाँ के गिरोह खुद को डाकू नही बल्कि ओबागी मानते थे। 1960 में जब कुख्यात मान सिंह के पुत्र तहसीलदार सिंह ने नैनी जेल की कालकोठरी से आचार्य विनोबा भावे को पत्र लिखा, तो वह केवल एक अपराधी की पुकार नहीं थी, बल्कि तंत्र से हारे हुए एक व्यक्ति का संवाद की ओर बढ़ा हाथ था। चंबल की भौगोलिक विषमता और सामंती शोषण ने जिन लोगों को हथियार उठाने पर मजबूर किया, उनके भीतर कहीं न कहीं न्याय की तीव्र ललक जीवित थी। पत्र पढ़ते ही विनोबा ने निर्णय लिया–चंबल जाएंगे बागियों से मिलेंगे।

निमिषा सिंह

चंबल–एक ऐसा नाम जो दशकों तक खौफ खून और खुरदरी घाटियों का पर्याय बना रहा। इतिहास के पन्नों में यह क्षेत्र उस महान मानवीय प्रयोग के लिए भी जाना जाता है जहाँ प्रतिशोध की आग को संवाद के शीतल जल से शांत किया गया था। 1960 से 1970 के दशक के बीच हुए चंबल के बागियों का आत्मसमर्पण महज एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं थीं बल्कि इस बात का जीवंत साक्ष्य थीं कि संवाद की शक्ति सबसे दुर्जेय किलों को भी भेद सकती है और यदि न्याय में सुधार की गुंजाइश हो, तो दुर्दांत से दुर्दांत अपराधी भी मुख्यधारा का हिस्सा बन सकता है। चंबल का संकट हमेशा से जटिल रहा है। वहाँ के गिरोह खुद को डाकू नही बल्कि ओबागी मानते थे। 1960 में जब कुख्यात मान सिंह के पुत्र तहसीलदार सिंह ने नैनी जेल की कालकोठरी से आचार्य विनोबा भावे को पत्र लिखा, तो वह केवल एक अपराधी की पुकार नहीं थी, बल्कि तंत्र से हारे हुए एक व्यक्ति का संवाद की ओर बढ़ा हाथ था। चंबल की भौगोलिक विषमता और सामंती शोषण ने जिन लोगों को हथियार उठाने पर मजबूर किया, उनके भीतर कहीं न कहीं न्याय की तीव्र ललक जीवित थी। पत्र पढ़ते ही विनोबा ने निर्णय लिया–चंबल जाएंगे बागियों से मिलेंगे। विनोबा भावे ने पैदल यात्रा कर उन दुर्गम घाटियों में प्रवेश किया जहाँ पुलिस के पैर डगमगाते थे। उन्होंने बदला नहीं बल्कि बदलाव की बात की। उनके प्रभाव में आकर 20 बागियों ने हथियार डाले, जो आधुनिक भारत के इतिहास में अहिंसा का एक अभूतपूर्व प्रयोग था। इस तरह चंबल में हथियार डालने की प्रक्रिया शुरू हुई। बागियों ने धीरे-धीरे अपने हथियार छोड़े और समाज ने उन्हें स्वीकारना शुरू किया। यह केवल अपराधियों का आत्मसमर्पण नहीं था बल्कि भारत में सामाजिक सुधार पुनर्वास और अहिंसक परिवर्तन की एक मिसाल बन गई।

दूसरे चरण की पटकथा 1971 में लिखी गई, जब मशहूर डाकू माधो सिंह ने वेश बदलकर जयप्रकाश नारायण (जेपी) से आत्मसमर्पण के लिए संपर्क किया। जेपी के लिए यह अग्निपरीक्षा थी। जेपी इस बात को भली भांति जानते थे कि दमन से केवल नए विद्रोही पैदा होंगे, लेकिन सहानुभूति से एक संस्कृति को बदला जा सकता है। शुरूआती दौर में पुलिस महकमा इस गांधीवादी दृष्टिकोण को लेकर संशय में था। अधिकारियों का मानना था कि अपराधियों के साथ सख्ती ही एकमात्र रास्ता है। हालांकि जब मोहर सिंह और माधो सिंह जैसे इनामी डाकुओं ने जेपी के चरणों में हथियार रखे, तो राज्य तंत्र को भी समझ आया कि जो काम हजारों गोलियां नहीं कर पाईं, वह करुणा के एक स्पर्श ने कर दिखाया। 14 अप्रैल 1972, चंबल के बीहड़ों में ऐतिहासिक क्षण आया। मोहर सिंह और माधो सिंह जैसे इनामी डाकु ने अपने सैकड़ो साथियों के साथ, जौरा तहसील के धोरेरा गांव के आश्रम में जयप्रकाश नारायण की उपस्थिति में महात्मा गांधी के चित्र के सामने अपने हथियार डाल दिए।

इस शुरूआत के बाद सैकड़ों बागियों ने आत्मसमर्पण किया। यह दृश्य अद्भुत और प्रेरक था–अहिंसा, प्रेम और करुणा के माध्यम से आत्मशक्ति का जीवंत उदाहरण। इस ऐतिहासिक आत्मसमर्पण में जयप्रकाश नारायण और एस.एन. सुब्बाराव की निर्णायक भूमिका रही। जयप्रकाश नारायण का वह गांधीवादी विश्वास–अपराध से घृणा करो अपराधी से नहींचंबल की धरती पर साकार हुआ। कोई बल प्रयोग नहीं, केवल संवाद, समझ और विश्वास की शक्ति ने घाटियों में शांति की लहर बहा दी।

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान की सरकारों के बीच का समन्वय इस अभियान की प्रशासनिक रीढ़ बना। यह सुनिश्चित किया गया कि आत्मसमर्पण करने वालों के साथ मानवीय व्यवहार हो और उन्हे मृत्युदंड न मिले। सरकार ने बाकियों के परिवारों के देखभाल करने और उनके बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने का वादा किया और सभी बागियों को आत्मसमर्पण के बाद मुंगावली और लखीमपुर खीरी जैसी जगहों पर ह्वनवजीवन केंद्रह्व के रूप में खुली जेल में रखा गया। मकसद उन्हे सजा देना नही बल्कि उन्हें सुधारना था। 8-10 साल की जेल की सजा काटकर जब बागी जेल की सलाखों से बाहर आए तो उन्हें असली चुनौती का सामना करना पड़ा। बाहर की दुनिया जिसे कभी वे भय और हथियारों के नजरिए से जानते थे अब उनके लिए एक नई तरह की जंग थी। बीहड़ों में गुजारे गए दिन जहां वह स्वतंत्रता और डर के बीच झूलते थे अब समाज की नजरों और पूर्वाग्रहों के बीच उन्हें खुद को साबित करना था। हर कदम पर सवाल थे हर नजर में संदेह था लेकिन सरकारी मदद और सामाजिक कार्यकताओं के प्रयासों से उनका पुनर्वास संभव हो पाया। प्रख्यात गांधीवादी राजगोपाल पीवी ने इन डाकुओं के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें मुख्यधारा में वापस लाने का पुल बनाया। उनके प्रयासों के तहत आत्मसमर्पण करने वाले बागियों का पुनर्वास सुनिश्चित किया गया ताकि वे समाज में सम्मानजनक जीवन जी सकें। उन्हें कौशल प्रशिक्षण, रोजगार और सामाजिक समर्थन प्रदान कर एक नई शुरूआत का अवसर दिया गया। सरकार द्वारा उन्हे घर और कृषि योग्य जमीन आवंटित की गई। जेल से लौटने के बाद कई पूर्व डाकुओं (जैसे मोहर सिंह, मलखान सिंह) ने सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। चुनाव लड़े और पंचायत या स्थानीय निकायों में पदों पर रहे। राजगोपाल पीवी का कहना है असली विजय तब हुई जब समाज ने इन पूर्व बागियों को अपनाया। जिन परिवारों ने हिंसा झेली थी उन्होंने प्रतिशोध के बजाय करुणा और क्षमा को चुना।

जौरा–वह ऐतिहासिक घाटियाँ, जहाँ दशकों पहले चंबल के बागियों ने अपने हथियार डाल कर आत्मसमर्पण किया था। 14 अप्रैल को बागी आत्मसमर्पण की 54वीं वर्षगांठ के अवसर पर मुरैना जिले के जौरा स्थित महात्मा गांधी सेवा आश्रम में बागी समर्पण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रख्यात गांधीवादी और एकता परिषद के अध्यक्ष राजगोपाल पी वी ने समर्पण दिवस को याद करते हुए कहा कि आज से 54 वर्ष पूर्व चंबल के बीहड़ों में एक ऐसा चमत्कार हुआ जिसने पूरी दुनिया को हृदय परिवर्तन की शक्ति से परिचित कराया। पुनर्वास का यह मॉडल आज केरल के कन्नूर जैसे क्षेत्रों के लिए प्रेरणा बना है जहाँ संवाद के माध्यम से राजनीतिक हिंसा को कम किया गया। राजगोपाल पी.वी. ने कहा कि जौरा अब सिर्फ इतिहास की गवाही नहीं देगा बल्कि यह युवा और समाज के लिए अहिंसा संवाद और करुणा की जीवंत पाठशाला बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस परिवर्तन की कहानी में महिलाओं की भूमिका निर्णायक होगी–वे घर से लेकर वैश्विक मंच तक शांति का संदेश फैलाएँगी। इस अवसर पर आयोजित सुब्बाराव स्मृति व्याख्यान में सुप्रसिद्ध समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर ने व्याख्यान में महात्मा गांधी और डॉ. बी.आर. अंबेडकर के व्यक्तित्व और विचारों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यदि डॉ. अंबेडकर गांधीजी के साथ स्वतंत्रता संग्राम में जेल गए होते, तो वे गांधी के स्वाभाविक उत्तराधिकारी बन सकते थे।

कोविड 19: जख्मों पर मरहम है सुप्रीम कोर्ट का फैसला

मुस्ताअली बोहरा

ईजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग के बीच अहम खबर दबकर रह गई। ये खबर जुड़ी है सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले से जो कोविड-19 को लेकर दिया गया है। कुछ दिनों पहले ही याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों में ह्लदोष तय किए बिना मुआवजा देने की नीतिह्व तैयार की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जब कोई टीकाकरण कार्यक्रम राज्य द्वारा संचालित सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल के रूप में चलाया जाता है, तो सरकार उन परिवारों के प्रति अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती जो टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर दुष्प्रभावों का आरोप लगाते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि सरकारी आंकड़े स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद कुछ मौतें हुई हैं, इसलिए प्रभावित परिवारों को बिना किसी राहत व्यवस्था के नहीं छोड़ा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन के अधिकार) को केवल गलती या लापरवाही के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर प्रतिकूल प्रभावों के लिए ह्लनो-फॉल्ट मुआवजा नीतिह्व तैयार करे। यह आदेश रचना गांगू बनाम भारत संघ समेत कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिन्हें उन परिवारों ने दायर किया था जिन्होंने टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का आरोप लगाया था। अदालत ने कहा कि महामारी के दौरान चलाया गया टीकाकरण कार्यक्रम राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी का हिस्सा था और इससे कई लोगों की जान बची। लेकिन यदि सरकारी डेटा यह दिखाता है कि कुछ लोगों की मौत या गंभीर दुष्प्रभाव हुए हैं, तो राज्य इससे पूरी तरह अलग नहीं हो सकता। कोर्ट में याचिकाकताओं ने अंतरराष्ट्रीय शोधों का हवाला देते हुए कहा था कि एस्ट्राजेनेका प्लेटफॉर्म (जिसका भारतीय संस्करण कोविशील्ड है) से दुर्लभ रक्त के थक्के बनने जैसी समस्याओं के मामले सामने आए हैं और इन जोखिमों के बारे में पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बड़े पैमाने पर चलने वाले टीकाकरण कार्यक्रमों में वैज्ञानिक रूप से यह साबित करना कि नुकसान किस कारण हुआ, अक्सर जटिल होता है। ऐसे में केवल लापरवाही साबित करने पर आधारित कानूनी उपाय पर्याप्त नहीं होते, क्योंकि इससे प्रभावित परिवारों पर भारी बोझ पड़ता है और परिणाम असंगत हो सकते हैं। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि यूके, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे कई देशों में वैक्सीन से जुड़े दुष्प्रभावों के लिए नो-फॉल्ट मुआवजा योजना मौजूद है, जिससे बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता मिल जाती है। मालूम हो कि केंद्र सरकार ने सन 2022 में कोर्ट में दाखिल किए गए जवाबी हलफनामे में कहा था कि टीकाकरण स्वैच्छिक था और लोगों ने जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगवाया था, इसलिए सरकार मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं है। सरकार के अनुसार लोगों ने संभावित जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगवाया था। पाठकों को याद होगा जब भी कोविड वैक्सीन के विपरीत प्रभाव के कारण मौतों की खबर सामने आ रही थी तब सरकार की ओर से कभी जिम तो कभी डांस को मौत का कारण बता दिया जाता था। या फिर कभी किसी मृतक की पुरानी बीमारी जैसे हार्ट डिसीस, या टीबी या ऐसी ही किसी बीमारी की वजह से मौत होना बता दिया जाता था।

पाठकों को बता दें कि एम्स दिल्ली के पैथोलॉजी और फोरेंसिक मेडिसिन विभाग ने मई 2023 से अप्रैल 2024 तक स्टडी की थी। यह स्टडी इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित भी हुई है। इसमें हत्या, आत्महत्या और नशे की वजह से मौतों को छोड़कर अचानक होने वाली मौतों पर रिसर्च किया गया। 19-45 साल और 46-65 साल के लोगों की मौतों के डेढ़ सौ से ज्यादा मामलों की जांच हुई। अध्ययन में पाया गया कि युवाओं में दो तिहाई मौतों की वजह दिल की बीमारियां थी। इन मौतों में अधिकांश मामलों में एथेरोस्क्लेरोटिक कोरोनरी आर्टरी डिजीज पाई गई, मतलब दिल की नसों में 70 प्रतिशत से अधिक ब्लॉकेज। इसके अलावा युवाओं की मौत के एक तिहाई मामलों में सांस से जुड़ी बीमारियां जैसे न्यूमोनिया, टीबी को पाया गया। बीस फीसदी मामलों में मौतों की कोई स्पष्ट वजह नहीं मिल सकी। एम्स की स्टडी में बताया गया है कि इन मौतों के मामलों में औसत उम्र सिर्फ 30.5 साल थी। इसमें सबसे ज्यादा मामले 30-40 साल की उम्र के 50 प्रतिशत और 20-30 साल की उम्र के 40 प्रतिशत लोगों के थे। आधे मामलों में जब दिल की टिश्यू की बारीक जाँच (हिस्टोपैथोलॉजी) की गई, तो उसमें दिल में कुछ हल्के-मामूली बदलाव दिखे जैसे दिल की मांसपेशियाँ थोड़ी मोटी हो जाना, धमनियों में चर्बी की पतली परत जमना या दिल के छोटे-छोटे हिस्सों में खून की हल्की कमी के निशान का मिलना।

न्यायपालिका को गरियाते केजरीवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली उच्च न्यायालय की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के बीच हितों के टकराव को लेकर कानूनी लड़ाई और तीखी बहस चर्चा में है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अदालत में गुरुवार को हुई संक्षिप्त सुनवाई में केजरीवाल के उस हलफनामे को रिकॉर्ड पर ले लिया गया है, जिसमें उन्होंने हितों के टकराव का मुद्दा उठाया था.

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के बीच हुआ संवाद न्यायिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। कथित आबकारी घोटाला मामले में 21 मार्च 2024 को प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। मई से सितंबर 2024 के बीच उन्हें अंतरिम जमानत मिली और अंततः रिहाई हुई। लगभग दो साल बाद फरवरी 2026 में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सबूतों की कमी के कारण अरविंद केजरीवाल को तमाम आरोपों से बरी कर दिया। लेकिन प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई इस फैसले से सहमत नहीं हैं। उनका मानना है कि अदालत ने सबूतों का सही मूल्यांकन नहीं किया, इसलिए उन्होंने इस आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। लेकिन हाईकोर्ट में जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच के समक्ष मामला जाने से श्री केजरीवाल ने असंतोष दिखाया। अरविंद केजरीवाल अपनी पैरवी खुद कर रहे हैं और इस सोमवार उन्होंने जस्टिस शर्मा के सामने ही यह मांग रखी कि वे खुद को इस मुकदमे अलग करें।

अदालत में अरविंद केजरीवाल ने तर्क दिया कि जस्टिस शर्मा ने ऐसे कार्यक्रमों में हिस्सा लिया है जो भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठनों द्वारा आयोजित किए गए थे, जिससे उनके मन में न्याय मिलने को लेकर आशंका पैदा होती है कि उन्हें निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिलने का डर है। श्री केजरीवाल ने कहा कि कानून के अनुसार केवल पूर्वाग्रह की उचित आशंका ही किसी जज के केस से हटने के लिए पर्याप्त आधार है। उन्होंने जज के रिक्यूजल यानी खुद को मामले से अलग करने के सिद्धांत पर सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का जिक्र किया जिसके अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह जरूरी नहीं है कि कोई जज पक्षपाती हो, लेकिन अगर पार्टियों के मन में कोई वाजिब शक है तो यह रिक्यूजल का मामला बनता है। इस बारे में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश स्वर्णकांता शर्मा ने फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा, मैंने खुद को सुनवाई से अलग रखने यानी रिक्यूजल से जुड़े कानून के बारे में बहुत कुछ सीखा। मेरी जिंदगी में पहली बार किसी ने मुझसे खुद को सुनवाई से अलग रखने के लिए कहा है। लेकिन मैंने इसके बारे में बहुत कुछ सीखा। मुझे उम्मीद है कि मैं एक अच्छा फैसला दे पाऊंगी।

अब गुरुवार को अरविंद केजरीवाल ने एक और नया हलफनामा अदालत में दाखिल किया है, जिसमें साफ कहा गया है कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के दोनों बच्चे केंद्रीय सरकारी पैनलों में हैं, यानी वरिष्ठ अधिवक्ता और मोदी सरकार के सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता के अधीन काम कर रहे हैं। तुषार मेहता उन्हें मामले सौंपते हैं। ऐसी स्थिति में माननीय जज के लिए तुषार मेहता के खिलाफ कोई आदेश पारित करना कठिन होगा। इसलिए अन्य कारणों के साथ-साथ, माननीय न्यायाधीश को इस मामले से स्वयं को अलग कर तेना चाहिए। हलफनामे में दावा किया गया है कि चूंकि केंद्र सरकार इस मामले में एक पक्ष है, इसलिए इससे निष्पक्ष प्रभावित हो सकती है। याचिका में कहा गया है कि म होना चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी हिए। जज साहिबा के करीबी सदस्य उस पक्ष (केंद्र सरकार के साथ पेशेवर रूप से जुड़े हों जिससे संबंधित मामला सुना जा रहा है, तो यह उचित निष्पक्षता के सिद्धांत के खिलाफ है।

गुरूवार को लगभग 5 मिनट तक चली इस सुनवाई में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि फैसला पहले ही सुरक्षित रखा जा चुका है. उन्होंने कहा, हम इस हलफनामे को रिकॉर्ड पर ले रहे हैं, लेकिन इस पर अब कोई नई बहस नहीं होगी. मैं इस मामले को अब दोबारा नहीं खोलूंगी. इसका मतलब है कि कोर्ट अब सीधे अपना फैसला सुनाएगी.

अब इस मामले में आगे क्या होता है और किस तरह दिल्ली हाईकोर्ट में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सुनवाई होती है, क्या जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा इस मामले की सुनवाई करेंगी या श्री केजरीवाल की मांग सुनते हुए अलग हो जाएंगी, यह देखना दिलचस्प होगा। मगर इतना तय है कि अब यह मामला कानूनी और राजनैतिक पहलू से बढ़कर भारतीय लोकतंत्र में संस्थाओं के बीच संतुलन की परीक्षा बन चुका है। इस मामले ने न्यायपालिका, कार्यपालिका के बीच शक्ति-संतुलन, जांच एजेंसियों के राजनैतिक इस्तेमाल और विधिक प्रक्रिया की शुचिता और सक्रियता से जुड़े गंभीर प्रश्नों को जन्म दिया है। इस मामले का अंतिम परिणाम चाहे जो भी हो, इतना तय है कि यह आने वाले समय में कई महत्वपूर्ण कानूनी और संवैधानिक बहसों को दिशा देगा और भावी सुनवाइयों के लिए मिसाल भी बनेगा। दरअसल स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान केवल चुनावों या सरकारों तक सीमित नहीं होती है, बल्कि न्यायिक स्वतंत्रता और संस्थागत पारदर्शिता के पैमाने पर भी लोकतंत्र को परखा जाता है। भारतीय न्याय व्यवस्था में समय-समय पर ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनसे राजनैतिक, संवैधानिक और संस्थागत संतुलन की परिभाषा नए सिरे से तय हुई है। साथ ही न्यायपालिका किस तरह हरेक नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की रक्षक है, इसकी भी मिसालें सामने आई हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 1980 के दशक की शुरूआत में, सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस पी.एन. भगवती ने पहली बार एक पोस्टकार्ड या साधारण पत्र को रिट याचिका के रूप में स्वीकार किया था। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि गरीब, अशिक्षित या वंचित लोग, जो अदालत तक नहीं पहुंच सकते, वे सिर्फ एक पोस्टकार्ड लिखकर अपनी समस्याओं या अन्याय को सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा सकें और उन्हें न्याय मिल सके। इस प्रक्रिया ने न्यायपालिका के दरवाजे आम आदमी के लिए खोल दिए, जिसे बाद में एपिस्टोलरी जूरिस्डिक्शन कहा गया। एपिस्टोलरी जूरिस्डिक्शन भारतीय न्यायपालिका, विशेषकर सर्वोच्च न्यायालय की वह शक्ति है, जिसके तहत न्यायालय किसी पीड़ित या जनहितैषी व्यक्ति द्वारा लिखे गए एक साधारण पत्र, टेलीग्राम या पोस्टकार्डको रिट याचिका के रूप में स्वीकार कर कार्यवाही शुरू कर सकता है।जस्टिस भगवती के इस फैसले ने यह साबित किया कि न्याय प्रक्रिया केवल कानून की किताबों में दर्ज परिभाषाओं और सिद्धांतों से बंधी नहीं होती है, समय और परिस्थितियों के अनुरूप कभी ऐसे फैसले भी लेने पड़ते हैं, जो आज से पहले कभी नहीं हुए।

राष्ट्रहित सर्वोपरि होगा, तो राष्ट्र सुरक्षित होगा

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर सबसे युवा देश जिसकी 65 फीसदी आबादी उसकी सबसे मूल्यवान संपत्ति है वह है भारत !जहां दुनियाँ की युवा आबादी का पांचवा हिस्सा है जो एक जनसांख्यिकीय लाभांश पैदा करने की ताकत रखता है, इतिहास गवाह है कि आज तक दुनियाँ में जितने भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, चाहे वे सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक रहे हों, उनके मुख्य आधार युवा ही रहे हैं। भारत में भी युवाओं का एक समृद्ध इतिहास है। प्राचीनकाल में आदिगुरु शंकराचार्य से लेकर गौतम बुद्ध और महावीर स्वामी ने अपनी युवावस्था में ही धर्म और समाज सुधार का बीड़ा उठाया था।पुनर्जागरण काल में राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती के साथ विवेकानंद जैसे युवा विचारक ने धर्म और समाज सुधार आंदोलन का नेतृत्व किया। इतिहास ने युवाओं की शक्ति का प्रभाव देखा है। उदाहरण के तौर पर भारत की आजादी में अनेक युवाओं ने अपना योगदान दिया और कई युवाओं ने बलिदान तक दिया। इसके परिणामस्वरूप हमारा देश ब्रिटिश सरकार को भागने में कामयाब हुआ। युवाओं ने इस प्रकार अनेक ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। इसलिए आज का युवा भी विजन 2047, विजन 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की देश की अर्थव्यवस्था के महत्वकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जो कार्यबल के साथ साथ बाजार की उपलब्धि करा सकता है।नवाचार, नवोन्मेष, स्टार्टअप, उद्यमशीलता, विविधता की संस्कृति को चला रहे हैं ऐसी मुल्यवान ताकत युवाओं में हमें राष्ट्र हित से जुड़े मुद्दों की समझ विकसित करने, उनकी चिंताओं जिज्ञासाओं को समझकर उनको उत्साहवर्धन करने की तात्कालिक खास जरूरत है जो सर्वोपरि राष्ट्र सेवा है, क्योंकि यदि राष्ट्रहित सर्वोपरि होगा तो हमारा राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, अन्तर्राष्ट्रीय बाधाओं सहित अनेक मुद्दों और विषयों में सुरक्षित होगा।

साथियों बात अगर हम युवाओं को उत्साहवर्धन की करें तो आज अभिभावकों, शिक्षकों, बुद्धिजीवियों, राजनीतिक नेताओं से लेकर हर उस जानकार व्यक्तित्व का कर्तव्य है कि युवाओं में राष्ट्रहित की भावना को तेजी से विकसित करें युवाओं में यह भाव पैदा करना होगा कि घर से महत्वपूर्ण समाज, उस से महत्वपूर्ण गांव, शहर, राष्ट्र है। इसलिए राष्ट्र हित की भावना सबसे पहले युवाओं में जागृत कराना जरूरी हैं। क्योंकि, युवा राष्ट्र का संरचनात्मक और कार्यात्मक ढांचा है। हर राष्ट्र की सफलता का आधार उसकी युवा पीढ़ी और उनकी उपलब्धियाँ होती हैं। राष्ट्र का भविष्य युवाओं के सर्वांगीण विकास में निहित है। इसलिए युवा राष्ट्र निर्माण में सर्वोच्च भूमिका निभाते हैं, इसके साथ ही देश का प्रत्येक नागरिक अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट और सर्वोच्च विकास के लिए प्रयासरत रहे। वास्तव में यही राष्ट्रहित है। जाति, धर्म और क्षेत्रीयता की संकीर्ण मानसिकता से उपर उठकर देश के प्रति गर्व की एक गहरी भावना महसूस करना ही राष्ट्रवाद है।

साथियो बात अगर हम भारत के सबसे कम उम्र वाली आबादी होने की करें तो, भारत के 1.35 बिलियन लोग इसे दुनियाँ का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश बनाते हैं, लेकिन औसतन 29 वर्ष की आयु के साथ, यह विश्वस्तर पर सबसे कम उम्र की आबादी में से एक है। जैसे ही युवा नागरिकों का यह विशाल संसाधन कार्यबल में प्रवेश करता है, यह एक जनसांख्यिकीय लाभांश बना सकता है।संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष द्वारा जनसांख्यिकीय लाभांश को जनसंख्या की आयु संरचना में बदलाव के परिणामस्वरूप आर्थिक विकास के रूप में परिभाषित किया जाता है, मुख्यतः जब कामकाजी उम्र की आबादी आश्रितों की संख्या से बड़ी होती है।

साथियों बात अगर हम युवाओं में राष्ट्रहित, राष्ट्रीयता भावना जगाने की करें तो, पहला कार्य व्यक्ति निर्माण का है और राष्ट्रीय संस्कार व्यक्ति में बनेंगे तो निश्चित तौर से वह निज हित से ऊपर राष्ट्र हित को प्राथमिकता देगा। देश के हर वर्ग के युवा राष्ट्रहित को सर्वोपरि समझे तभी हम एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर पाएंगे। युवाओं को हमरे पूर्वजों से प्रेरणा लेनी चाहिए संस्कृति को समझना होगा। युवा संगठन से ऑनलाइन जुड़कर भी देश को मजबूती दे सकते हैं।राष्ट्र से बड़ा कोई संगठन नहीं है और राष्ट्रीय भाव से बड़ी विचारधारा नहीं हो सकती। इसलिए आज नौजवानों में राष्ट्रीयता की भावना को जगाने की जरूरत है।

साथियों बात अगर हम बच्चों, युवाओं में राष्ट्रहित राष्ट्रवाद को गहराई से समझाने की करें तो, प्रत्येक नागरिक के लिए अपने राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता प्रदर्शन करना अनिवार्य है क्योंकि हमारा देश अर्थात हमारी जन्मभूमि हमारी मां ही तो होती है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

कर्मचारियों के हितों की रक्षा का संकल्प दिलाया

मेरठ। राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय कर्मचारी महासंघ का वार्षिक अधिवेशन हुआ। प्रदेश अध्यक्ष सतीश चंद्र त्यागी ने संगठन की एकता, कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर अतिथियों के रूप में राज्य सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी और राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री शिवबरन यादव ने भी संबोधित किया। उन्होंने कर्मचारियों से संगठनात्मक मजबूती बनाए रखने की अपील की। अध्यक्षता सतीश चंद्र त्यागी ने की। अधिवेशन में इलाहाबाद से आए गौतम त्रिपाठी एवं कार्यकारी अध्यक्ष डीपी सिंह गौर ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन प्रदीप कमलेश त्रिपाठी ने किया। अधिवेशन में मेरठ से मनोज प्रजापति, नन्नू राम, सुनील शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

स्कूल के पास से किशोरी लापता

गोरखपुर , एजेंसी। थाना क्षेत्र में किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। किशोरी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी किशोरी के पिता ने तहरीर में बताया कि पुत्री खोराबार क्षेत्र के एक स्कूल में कक्षा 10 की छात्रा है। शनिवार को वह रोज की तरह घर से स्कूल गई थी। आरोप है कि स्कूल के गेट के पास पहले से मौजूद दो युवक उसे बहला-फुसलाकर भगा ले गए। घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सुधांशु सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बूथों पर मतदाता सूची देखने पहुंचे कम लोग

राजपुर , एजेंसी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होने के बाद अब लोग खुद का और परिजन का नाम देखने बूथ पर पहुंच रहे हैं। हालांकि इनकी संख्या बहुत कम है। राजपुर के जूनियर हाईस्कूल, प्राइमरी पाठशाला व भारतीय विद्यापीठ इंटर कॉलेज के बूथों पर बीएलओ पहुंचे। करीमनगर के बूथ पर बीएलओ बैठे कुछ लोग ही नाम देखने पहुंचे। बूथ संख्या 358 में अशोक, मिलानी देवी, रज्जन सिंह, शालिनी, वैभव व प्रशांत ने मतदाता सूची में नाम देखा। तहसीलदार राकेश चंद्रा ने बताया कि मतदाता सूची प्रकाशन के बाद अभी खामियों की शिकायत नहीं मिल रही है। फिर भी त्रुटियां मिलने पर फार्म-8 भरकर सुधार कराने का विकल्प है। किसी का नाम छूट गया है तो फॉर्म-6 भरकर उसके साथ घोषणा-पत्र व आवश्यक दस्तावेज समेत आवेदन किया जा सकता है।

इको पार्क का सुंदरीकरण कर बढ़ाएं सुविधाएं

गोरखपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को देखते हुए रविवार को नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने एकला बंधे पर विकसित हो रहे राप्ती इको पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने पार्क के सुंदरीकरण और सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने बांध के डिवाइडर पर रेलिंग व ट्री-गार्ड लगाकर छायादार पौधे लगाने का निर्देश दिया। साथ ही बंधे पर तिरंगा लगाने के कार्य में तेजी लाने और उसके रखरखाव का जिम्मा संबंधित ठेकेदार को दो वर्षों के लिए देने को कहा। उन्होंने 'बिफोर और आफ्टर' के फोटोग्राफ्स व फ्लेक्स लगवाने के लिए अधिशासी अभियंता अशोक भाटी को निर्देशित किया। इको पार्क को और आकर्षक बनाने के लिए आर्टिफिशियल तालाब का निर्माण, बच्चों के लिए बोटिंग की सुविधा, झूले व अन्य मनोरंजन उपकरण लगाने के भी निर्देश दिए गए। इसके अलावा पार्क में विभिन्न स्थानों पर लॉन विकसित करने, पौधरोपण, वेस्ट वंडर और मार्बल की मूर्तियां स्थापित करने की योजना पर भी जोर दिया गया। यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए एकला बांध की सड़क पर आवश्यक साइनेज लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही पार्क के प्रवेश द्वार का निर्माण कर उसके सामने मार्बल के बने दो शेरों की मूर्तियां स्थापित करने की बात कही गई।

दूसरी ग्राम पंचायत के नाम गोपालपुर मतदाता सूची में दर्ज

पुखरायां, एजेंसी। विकास खंड मलासा की गोपालपुर ग्रामपंचायत में बूथ संख्या 271 में एसआईआर के बाद भी मतदाता सूची में दूसरे गांव के मुस्लिम परिवार के चार लोगों के नाम आ रहे हैं। वहींस गांव में आज भी मुस्लिम समाज का कोई परिवार नहीं रहता है। प्रधान दीपेंद्र यादव ने बताया कि मतदाता सूची में दिलशाद अहमद, मैविश, रिमशा, जीनत के नाम दर्ज हैं। जिनको मतदाता सूची से हटाए जाने के लिए कई बार बीएलओ से कहा लेकिन नाम नहीं हटे। गांव के मनमोहन सिंह, जिलेदार सिंह ने बताया कि एसआईआर का कोई मतलब ही नहीं रहा। पता नहीं कहा किस-किस का नाम दर्ज है। बीएलओ रमा देवी ने बताया कि यह नाम कैसे दर्ज हो गए उनको जानकारी नहीं है। एसडीएम देवेंद्र सिंह ने बताया कि जब फार्म भरा गया होगा तभी नाम जोड़े गए होंगे। बिना फोटो, आईडी के साथ आवेदन के नाम जुड़ नहीं सकते हैं। शिकायत दिए जाने पर फार्म 7 भरकर मतदाता सूची से नाम हटा दिए जाएंगे।

खाता खुलवाइए...हर माह मिलेंगे दो हजार रुपये-

झांसा देकर खुलवाए म्यूल खाते- 3 गिरफ्तार

गोरखपुर , एजेंसी। आरोपियों ने झांसे में आए असद का खाता इंडियन ओवरसीज बैंक में खुलवा दिया। आरोपियों ने खाते से जुड़े एटीएम कार्ड, पासबुक और चेकबुक अपने पास रख लिए। शुरुआत में उन्हें कुछ हजार रुपये दिए गए लेकिन बाद में भुगतान बंद कर दिया गया। कुछ समय बाद बैंक से सूचना मिली कि उनके खाते में साइबर अपराध से जुड़े भारी लेनदेन हुए हैं। जांच कराने पर लगभग तीन करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन की पुष्टि हुई।

तिवारीपुर पुलिस ने सरकारी योजनाओं के लाभ का झांसा देकर बैंक खाता खुलवाने और फिर उनके जरिये साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में म्यूल खातों के जरिये करीब तीन करोड़ रुपये के लेनदेन की पुष्टि हुई है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तिवारीपुर थाना क्षेत्र के जाफरा बाजार निवासी समसुल हक उर्फ शब्बू उर्फ रेयान, दाउदचक घोसीपुर निवासी सारिक अनवर और पिपरापुर निवासी सारिम के रूप में हुई। जाफरा बाजार निवासी असद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह डिलीवरी बॉय का काम करते थे।

इसमें उन्हें सात से आठ हजार रुपये ही मिलते थे। आरोप लगाया कि वर्ष 2025 की शुरुआत में उनकी मुलाकात समसुल हक, सारिक और सारिम से हुई थी। तीनों ने उन्हें गरीब कल्याण योजना के लाभ का झांसा

देकर बताया कि बैंक खाता खुलवाने पर हर महीने दो हजार रुपये सरकार की ओर से मिलेंगे।

आरोपियों ने झांसे में आए असद का खाता इंडियन ओवरसीज बैंक में खुलवा दिया। आरोपियों ने खाते से जुड़े एटीएम कार्ड, पासबुक और चेकबुक अपने पास रख लिए। शुरुआत में उन्हें कुछ हजार रुपये दिए गए लेकिन बाद में भुगतान बंद कर दिया गया। कुछ समय बाद बैंक से सूचना मिली कि उनके खाते में साइबर अपराध से जुड़े भारी लेनदेन हुए हैं। जांच कराने पर लगभग तीन करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन की पुष्टि हुई।

पीड़ित ने विरोध किया तो आरोपियों ने उन्हें धमकाया। इसके बाद उन्होंने तिवारीपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी गिरोह के रूप में काम कर रहे थे और लोगों को लालच देकर उनके नाम पर खाते खुलवाकर साइबर ठगी की रकम का लेनदेन करते थे।

रोडवेज बस की टक्कर से महिला की मौत, मासूम बच्ची जख्मी

पादरी बाजार (गोरखपुर)। शाहपुर इलाके में मेडिकल कॉलेज रोड स्थित राधिका कॉम्प्लेक्स के पास रविवार सुबह लगभग 11 बजे रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। हादसे में महिला की एक वर्षीय मासूम बेटी गंभीर रूप से जख्मी हो गई, वहीं बाइक चला रहे महिला के ससुर को मामूली चोटें आईं।

महिला बेटी का इलाज कराने अपने ससुर के साथ गोरखपुर शहर आई थी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल बच्ची को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, वहीं महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस ने बस चालक को हिरासत में ले लिया है।जानकारी के अनुसार, कुशीनगर जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सिसवा शुकुल निवासी राम प्रताप सिंह रविवार सुबह अपनी पोती का इलाज कराने के लिए बाइक से बहू स्वाति सिंह (28) और एक वर्षीय पोती क्रियांश को लेकर डॉक्टर केपी कुशवाहा के पास गए थे। लगभग 11 बजे डॉक्टर को दिखाने के बाद वे तीनों बाइक से मेडिकल कॉलेज रोड से असुरन होते हुए कप्तानगंज लौट रहे थे। जब वे राधिका कॉम्प्लेक्स के पास पहुंचे, तभी पीछे से आई रोडवेज बस ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे स्वाति सड़क पर गिर गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उनकी मासूम बेटी दूर गिरने के कारण गंभीर रूप से जख्मी हो गई। महिला के पति रणजीत सिंह विदेश में हैं। थाना प्रभारी चंद्रभान सिंह ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है।

लखनऊ में 100 वर्ष से अधिक के सिर्फ 180 मतदाता ग्रामीण इलाकों में लोकतंत्र के बुजुर्ग प्रहरी ज्यादा

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में 100 वर्ष से अधिक के सिर्फ 180 मतदाता हैं। ग्रामीण इलाकों में लोकतंत्र के बुजुर्ग प्रहरी ज्यादा हैं। 54 शतायु मतदाताओं के साथ बीकेटी विधानसभा अव्वल है।

एसआईआर के बाद राजधानी लखनऊ की प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में 100 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं यानी लोकतंत्र के बुजुर्ग प्रहरियों की मौजूदगी अलग ही तस्वीर पेश करती है। आंकड़ों के मुताबिक, जिले में कुल 180 शतायु मतदाता हैं। शहर के मुकाबले इनकी संख्या ग्रामीण और बाहरी विधानसभा क्षेत्रों में अधिक है। सबसे अधिक 54 शतायु मतदाता बीकेटी में हैं। इसके बाद मलिहाबाद (35) और सरोजनीनगर (30) का स्थान आता है। मोहनलालगंज में 17 मतदाता शतायु हैं। ये सभी क्षेत्र ग्रामीण या अर्ध-शहरी हैं, जहां सामाजिक जुड़ाव और पारंपरिक जीवनशैली अब भी मजबूत मानी जाती है। इसके उलट शहर के प्रमुख इलाकों में इन बुजुर्ग प्रहरियों की संख्या काफी सीमित है। लखनऊ पश्चिम में सिर्फ चार, कैंट में छह और सेंट्रल में सात मतदाता ही 100 वर्ष से अधिक आयु के हैं। लखनऊ उत्तर (12) और लखनऊ पूर्व (15) में भी यह संख्या बहुत अधिक नहीं है।

शहर में कम बुजुर्ग आबादी के कई कारण : जानकारों का मानना है कि शहरी क्षेत्रों में बदलती जीवनशैली, छोटे होते परिवार और पलायन जैसे कारणों से बुजुर्ग आबादी का अनुपात कम नजर आता है। वहीं, ग्रामीण इलाकों में लोग मूल स्थान से जुड़े रहते हैं। इससे वहां शतायु मतदाताओं की संख्या अपेक्षाकृत अधिक रहती है।

खास बात यह है कि संख्या कम होने के बावजूद यह वर्ग लोकतंत्र के लिए बेहद अहम है। एक सदी से ज्यादा जीवन का अनुभव रखने वाले ये वोटर न केवल कई मतदान प्रक्रिया के साक्षी रहे हैं, बल्कि लोकतांत्रिक परंपराओं को जीवित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ताइक्कांडो बेल्ट प्रमोशन टेस्ट में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

कानपुर , एजेंसी। सिविल लाइंस स्थित बिशप वेस्टकॉट स्कूल प्रांगण में रविवार को कानपुर ताइक्कांडो एसोसिएशन की ओर से कलर बेल्ट प्रमोशन टेस्ट हुआ। खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन नई बेल्ट अपने नाम की। प्रतियोगिता में व्हाइट बेल्ट वर्ग में प्रत्यूष रावत प्रथम, सिद्धार्थ राठौर द्वितीय रहे।

येलो बेल्ट वर्ग में मायरा साहब, विवान ठाकुर, अतीश कोहली व इवेंका पाठक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ग्रीन बेल्ट वर्ग में मोहिनी समीर, अभिषेक कटियार, आराध्य शर्मा व श्लोक सिंह प्रथम स्थान पर रहे। ग्रीन बेल्ट प्रथम वर्ग में अंजनेय राय ने प्रथम स्थान हासिल किया। ब्लू बेल्ट वर्ग में गौरी सचान ने पहला स्थान प्राप्त किया जबकि ब्लू बेल्ट प्रथम वर्ग में अर्पित राजपूत अव्वल रहे।

रेड बेल्ट वर्ग में आयुष बॉथम ने प्रथम स्थान अपने नाम किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एमआर जयपुरिया के वाइस चेयरमैन देवांग राज त्याल, विशिष्ट अतिथि ताशू कौशिक्र, एमआर जयपुरिया के डायरेक्टर ईशू कौशिक, एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश दीक्षित, अविनाश चंद्र द्विवेदी, रामगोपाल बाजपेई, विद्यालय की प्रधानाचार्य नैंसी एलिस कच्छप, एग्जामिनर के रूप में वकील अहमद व धर्मेश कुमार उपस्थित रहे। संचालन खेल प्रशिक्षक सोनाली बिष्ट ने किया।

पांच लाख छात्रों को मिलेगा सीधा फायदा

प्रदेश के एससी-एसटी छात्रों को अगले महीने मिलेगा 60 फीसदी केंद्रांश

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में छात्रवृत्ति एवं शुल्क भरपाई योजना के तहत अनुसूचित जाति व जनजाति के छात्रों को केंद्रांश की राशि अगले माह मिलने की संभावना है। पांच लाख से ज्यादा छात्रों के खातों में अब तक केंद्रांश नहीं पहुंचा है। इससे छात्रों को दिक्कतों का सामना भी करना पड़ रहा है। प्रदेश में ढाई लाख रुपये तक सालाना आमदनी वाले एससी-एसटी परिवारों के विद्यार्थियों को शुल्क की भरपाई के साथ छात्रवृत्ति का भुगतान किया जाता है। इस वर्ग के विद्यार्थियों को होने वाले भुगतान का 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार और शेष 40 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार देती है। राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के खातों में 40 फीसदी हिस्सा भेज दिया है, लेकिन अभी काफी विद्यार्थी बचे हैं, जिनके खातों में केंद्रांश नहीं पहुंचा है।समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष में जिन विद्यार्थियों के खातों में अभी तक केंद्रांश नहीं पहुंचा है, वो 15 मई तक पहुंचने की उम्मीद है। जब राज्य सरकार भुगतान करती है, तो वही डाटा ऑटो फेच होकर केंद्र के पोर्टल पर चला जाता है।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के छात्रों ने शोध पत्रों में बताए पत्रकारिता के विभिन्न आयाम

कानपुर , एजेंसी। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के बैनर तले आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के दूसरे और अंतिम तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इसमें विभाग के 150 छात्र-छात्राओं ने अपने शोध पत्र पढ़े। इनमें डिजिटिलाइजेशन, एआई का इस्तेमाल, पत्रकारिता के विभिन्न आयाम, ग्राउंड रिपोर्टिंग की स्थिति समेत अन्य पहलुओं को उकेरा गया। तकनीकी सत्रों के विशेषज्ञों ने कहा कि पत्रकारिता और जनसंचार का भविष्य उज्जवल है।पत्रकारिता के गौरवमयी 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर दो दिनों तक चले संवाद में देश दुनिया के शिक्षाविद, विषय विशेषज्ञ, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं पत्रकारों ने पत्रकारिता के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। दूसरे दिन की शुरुआत छात्र छात्राओं के शोध पत्र की प्रस्तुति से हुई। चार सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र में ऑनलाइन माध्यम से 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने पत्रकारिता से जुड़े विषयों का शोध पत्र वाचन किया। ऑफलाइन माध्यम से 100 से अधिक स्नातक व परास्नातक, शोध छात्रों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। विमर्श सत्र के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार दिनेश पाठक ने कहा कि हर पांच साल में

पत्रकारिता बदलती है। कार्यक्रम में यूक्रेन से ऑनलाइन माध्यम से जुड़े ताराश शेव्यचेन्को कीव, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय यूक्रेन से प्रो. यूरी ने हिंदी की अलख के संबंध में बताया। मुख्य वक्ता बीबीएयू लखनऊ के प्रोफेसर गोविंद पांडेय ने बताया कि कैसे कानपुर के जुगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता में हिंदी की अलख जलाई।समापन सत्र में मुख्य अतिथि माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. जगदीश उपासने ने कहा कि छात्रों को ज्यादा से ज्यादा पढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सदस्य सचिव डॉ. ओम जी उपाध्याय भी जुड़े। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएसजेएमयू के प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने की। इस अवसर पर प्रोफेसर राममोहन पाठक, अरुण भगत, पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. दिवाकर अवस्थी, डॉ. योगेंद्र कुमार पांडे, डॉ. जीतेंद्र डबराल, डॉ. ओम शंकर गुप्ता, डॉ. रश्मि गौतम आदि मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय कफ सिरप तस्करी गैंग से जुड़े थे बाप-बेटे , सोनभद्र से पकड़ी थी बड़ी खेप ; प्रयागराज से कनेक्शन

सोनभद्र, एजेंसी। 18 अक्तूबर 2025 को थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र में दो कंटेनर ट्रकों में लदी सिरप की 1,19,675 शीशियां बरामद की गई थी। इसमें एक कंटेनर पर लदी सिरप की 59,675 शीशियों की तस्करी संस्कार और उसके पिता विनोद के जरिये की जा रही थी।

कफ सिरप तस्करी करने वाले प्रयागराज के अतरसुइया थाना क्षेत्र के उदितगंज की मंडी, बलुआ घाट निवासी विनोद कुमार वर्मा और उसके पुत्र संस्कार वर्मा को सोनभद्र एसआईटी ने रविवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया। आरोपी प्रयागराज में ओम साईं फार्मास्यूटिकल के नाम से फर्म खोलकर कफ सिरप की तस्करी करते थे। एएसपी मुख्यालय अनिल कुमार ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में गाजियाबाद के मेरठ रोड पर बनाए गए डिपो के जरिये बड़े पैमाने पर कफ सिरप बांग्लादेश बॉर्डर (अगरतला, त्रिपुरा) भेजे जाने की जानकारी मिली है।

सोनभद्र में 18 अक्तूबर 2025 की रात कफ सिरप लदे जिन दो ट्रकों को पकड़ा गया था उसमें एक पर लदा माल प्रयागराज की दवा फर्म ओम साईं फार्मास्यूटिकल का था। गाजियाबाद में कार्रवाई के दौरान भी इस फर्म की कई पर्चियां बरामद की गई थीं। आरोपियों को दोपहर बाद न्यायालय में पेश किया गया जहां से दोनों को जिला कारागार गुरमा भेज दिया गया। पकड़े गए दोनों तस्कर सरगना शुभम के करीबी बताए जा रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय कफ सिरप तस्करी ग्रुप से जुड़े थे दोनों : एएसपी मुख्यालय अनिल ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि संस्कार वर्मा और उसका पिता विनोद दिल्ली स्थित वान्या इंटरप्राइजेज से कोडीनयुक्त एस्कफ कफ सिरप की बड़ी खेप हासिल करते थे और उसे अवैध रूप से अन्य राज्यों में डायवर्ट करते थे।

तस्करी का किसी को पता न चलने पाए इसके लिए सिरप को नमकीन/चिप्स की पर्ची के आधार पर कंटेनरों में छिपाकर बांग्लादेश सीमा (अगरतल्ला, त्रिपुरा) की ओर भेजा जाता था। एएसपी का दावा है कि पिता-पुत्रों से जुड़ा कफ सिरप तस्करी का यह नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय होकर नशे के रूप में प्रयोग के लिए कोडीनयुक्त कफ सिरप की आपूर्ति कर रहा था।

सोनभद्र में पकड़ी गई थी 59,675 शीशियां : एएसपी ने बताया कि 18 अक्तूबर 2025 को थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र में दो कंटेनर ट्रकों में लदी सिरप की 1,19,675 शीशियां बरामद की गई थी। इसमें एक कंटेनर पर लदी सिरप की 59,675 शीशियों की तस्करी संस्कार और उसके पिता विनोद के जरिये की जा रही थी। एसआईटी प्रभारी सदानंद राय की अगुवाई वाली टीम रविवार की तड़के प्रयागराज पहुंची। वहां अतरसुइया पुलिस से सहयोग लेते हुए दोनों को को गिरफ्तार किया गया। दोपहर में उन्हें सोनभद्र लाया गया। पूछताछ के बाद चालान कर दिया गया।

अब तक ईडी नहीं कर सका कार्रवाई : करीब 2000 करोड़ रुपये की कोडीनयुक्त कफ सिरप की तस्करी करने वाले आरोपियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अभी तक कोई कार्रवाई नहीं कर सका है। प्रदेश पुलिस द्वारा मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल समेत अन्य की करीब 500 करोड़ रुपये कीमत की संपत्तियों को जब्त किया गया, जबकि ईडी जांच के बाद भी आगे की कार्रवाई नहीं कर पाई। सूत्रों की मानें तो तस्करी में लिप्त आरोपियों की संपत्तियों का ब्योरा जुटाने के बाद भी ईडी ने उनके खिलाफ एक्शन नहीं लिया। वहीं दवा कंपनियों से जवाब-तलब करने के बाद भी कार्रवाई नहीं की।

वहीं दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में कोडीनयुक्त कफ सिरप बनाने वाली एक दवा कंपनी के खिलाफ ईडी की जम्मू यूनिट ने संपत्तियों को जब्त किया, लेकिन यूपी में मामला ठंडा बस्ते में चला गया।

ईडी के अधिकारियों ने बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह की आलीशान कोठी को जब्त करने के दावे भी किए थे, लेकिन आलोक की पत्नी से पूछताछ के बाद भी मामला आगे नहीं बढ़ा।

जांच अधिकारी का तबादला : इस प्रकरण की जांच करने वाले ईडी के डिप्टी डायरेक्टर का बीते दिनों हैदराबाद तबादला हो गया। अभी तक किसी अन्य डिप्टी डायरेक्टर को जांच का जिम्मा नहीं सौंपा गया है। माना जा रहा है कि लखनऊ जोनल कार्यालय के नए ज्वाइंट डायरेक्टर राकेश कुमार सुमन के पदभार ग्रहण करने के बाद ही किसी अन्य अधिकारी को इस प्रकरण की जांच सौंपी जाएगी। इस प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं होने से विभाग में तमाम चर्चाएं हो रही हैं।

पुणे हवाई अड्डे के रनवे पर लड़ाकू विमान की हार्ड लैंडिंग, विमान परिचालन घंटों रहा ठप

पुणे (एजेंसी)। पुणे हवाई अड्डे पर शुक्रवार देर रात भारतीय वायुसेना के एक लड़ाकू विमान के साथ हुई तकनीकी दुर्घटना के बाद रनवे को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। यह घटना रात करीब 10:25 बजे उस समय हुई जब लैंडिंग के दौरान लड़ाकू विमान का लैंडिंग गियर अचानक फेल हो गया। विमान की रनवे पर हार्ड लैंडिंग हुई, जिससे वह बीच रास्ते में ही रुक गया और पूरा रनवे ब्लॉक हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए हवाई अड्डा प्रशासन और वायुसेना ने रनवे को साफ करने और परिचालन बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू कर दिया है। भारतीय वायुसेना ने इस मामले पर आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस तकनीकी खराबी के बावजूद चालक दल (एयरक्रू) पूरी तरह सुरक्षित है और किसी भी नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वायुसेना के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने प्रारंभिक अनुमान जताया कि रनवे को पूरी तरह साफ करने और उड़ानों का सामान्य आवागमन फिर से शुरू करने में कम से कम 4 से 5 घंटे का समय लग सकता है। इस आकस्मिक घटना का असर हवाई यातायात पर व्यापक रूप से देखने को मिला। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, पुणे आने वाली कम से कम आठ उड़ानों को सूरत, गोवा, नवी मुंबई, चेन्नई और कोयंबटूर जैसे नजदीकी हवाई अड्डों की ओर डायवर्ट करना पड़ा। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने स्थिति की पुष्टि करते हुए कहा कि वे हवाई अड्डा निदेशक और वायुसेना के अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में हैं ताकि यात्रियों की परेशानी को जल्द से जल्द दूर किया जा सके। सभी संबंधित एयरलाइंस को इस स्थिति की सूचना दे दी गई है। रनवे बंद होने के कारण शनिवार सुबह की कई महत्वपूर्ण उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। रद्द होने वाली उड़ानों में चेन्नई, दिल्ली और बेंगलुरु से आने वाली इंडिगो और अकासा एयर की सेवाएं शामिल थीं। साथ ही पुणे से बेंगलुरु, वडोदरा और दिल्ली जाने वाली उड़ानों को भी निरस्त करना पड़ा। रनवे की बहाली की प्रक्रिया जारी रहने के कारण यात्रियों को भारी देरी और रूट में बदलाव का सामना करना पड़ रहा है, जिससे हवाई अड्डे पर यात्रियों की भारी भीड़ और अफरा-तफरी का माहौल देखा गया। प्रशासन ने यात्रियों को अपनी उड़ानों की स्थिति जांचने के बाद ही हवाई अड्डे आने की सलाह दी है।

पकड़ा गया नोएडा श्रमिक आंदोलन हिंसा का मास्टरमाइंड, पुलिस ने तमिलनाडु से आदित्य आनंद को दबोचा

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के औद्योगिक क्षेत्र नोएडा में श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए नोएडा पुलिस और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की संयुक्त टीम ने मुख्य साजिशकर्ता (मास्टरमाइंड) तीसरे आरोपी आदित्य आनंद को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर एक लाख रूपये का इनाम घोषित था और वह घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। शनिवार को पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि, यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देशन और अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के पर्यवेक्षण में की गई। जांच में सामने आया था कि श्रमिक धरना-प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ गतिविधियों और हिंसा को अंजाम देने में आदित्य आनंद की अहम भूमिका थी। उसे इस पूरे प्रकरण का मुख्य मास्टरमाइंड माना गया। घटना के संबंध में नोएडा फेस दो थाना में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार ठिकाने बदल रहा था, जिसके चलते पुलिस ने उसकी तलाश में कई राज्यों में दबिश दी। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और अन्य तकनीकी साधनों का भी सहारा लिया गया। पुलिस को बड़ी सफलता तब मिली जब शनिवार को आरोपी को तमिलनाडु के तिरुचापल्ली रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले गौतमबुद्धनगर न्यायालय, द्वारा उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्लू) भी जारी किया गया था। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस गिरफ्तारी से श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के पूरे नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है और अन्य संलिप्त आरोपियों पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी।

सिंगरौली में दिनदहाड़े बैंक डकैती... 5 हथियारबंद बदमाश 15 करोड़ का सोना ले भागे

सिंगरौली (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के सिंगरौली में दिनदहाड़े बैंक डकैती का मामला सामने आया है। सिगरौली के बैढ़न स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में शुक्रवार दोपहर 5 हथियारबंद बदमाश घुसे। फायरिंग कर करीब 9-10 किलो सोना और 20 लाख कैश लेकर फरार हो गए। सोने की कीमत करीब 15 करोड़ आंकी गई है। जानकारी के मुताबिक, लूटा गया सोना ग्राहकों का था, जिसे बैंक ने गिरवी रखकर लोन जारी किया था। सोना एक ही लॉकर में रखा गया था, इसी लॉकर को बदमाशों ने निशाना बनाया। आरोपी पिट्ठू बैग के साथ एक बड़ा कपड़े का थैला लेकर आए थे। उसी थैले में सारा माल भरकर फरार हो गए। चश्मदीद ने बताया कि जब वह अपनी पत्नी के साथ बैंक में काम करा रहे थे, तभी अचानक दो हथियारबंद बदमाश अंदर दाखिल हुए। उन्होंने तुरंत बैंक कर्मचारियों को बंधक बना लिया। इसके कुछ ही मिनटों बाद तीन और हथियारबंद साथी अंदर पहुंचे। पूरे बैंक को अपने कब्जे में ले लिया। बदमाशों ने वहां मौजूद ग्राहकों और कर्मचारियों पर बंदूक तान दी, जिससे बैंक परिसर में चीख-पुकार मच गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर रात करीब 10:45 बजे डीजीपी कैलाश मकवाना सिंगरौली पहुंचे। इसके पहले रीवा रेंज के आईजी साकेत प्रसाद पांडे मौके पर पहुंचे। उनके साथ रीवा से फोरेंसिक टीम भी जांच के लिए आई है।

कुल्लू जिला के मणिकर्ण में लैंडस्लाइड... मलबा और चट्टानें सड़क से गुजर रही गाड़ी पर गिरीं

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला के मणिकर्ण में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इसका मलबा और चट्टानें सड़क से गुजर रही गाड़ी पर गिरीं, इससे कई गाड़ी चकनाचूर हो गई। गनीमत यह रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। लैंडस्लाइड की यह घटना बरशैणी घट्टीगढ़ पॉइंट की है। बताया जा रहा है कि पहाड़ी से पहले थोड़ा मलबा गिरा। इसके बाद ड्राइवर गाड़ी से बाहर भागा। देखते ही देखते बड़ी-बड़ी चट्टानें भी गाड़ी पर गिरने लगी। बता दें कि, प्रदेश में अप्रैल में सामान्य से 52 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। इससे कई जगह लैंडस्लाइड की घटनाएं देखने को मिल रही हैं। बीती रात में भी राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश हुई। सलापड़ में सबसे ज्यादा 21.0 मिमी, सलूणी 18.3 मिमी, कुकुमसैरी 14.4, सांगला 7.8, कल्पा 5.2, सराहन 3.0, भरमौर 2.0, सियोबाग 1.8 और जोगेंद्रनगर में 1.0 मिलीमीटर बारिश हुई।

महिला आरक्षण के दांव को नाकाम करेगी कांग्रेस, पीएम को पत्र लिखकर पुराना बिल लागू करने की करेंगे मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण को लेकर राजनीति तेज हो गई है। केंद्र की मोदी सरकार ने जहां महिला आरक्षण बिल लाकर विपक्ष को घेरने की कोशिश की थी वहीं अब कांग्रेस ने एक नया दांव चल दिया है। पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर पुरान महिला आरक्षण बिल लागू कराने की मांग का निर्णय लिया है।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर भावी रणनीति तैयार करने के लिए विपक्षी गठबंधन के प्रमुख नेताओं ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी समेत गठबंधन के तमाम बड़े चेहरे शामिल हुए। बैठक का मुख्य एजेंडा सरकार की घेराबंदी करना और महिला आरक्षण को बिना किसी अतिरिक्त शर्त के लागू करवाने पर जोर देना रहा। सूत्रों के अनुसार, विपक्षी नेताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि वे प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर पुराने महिला आरक्षण प्रावधानों को तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग करेंगे। विपक्ष का सीधा आरोप है कि सरकार इस विधेयक की आड़ में 'परिसीमन' जैसे पैंतरे अपनाकर देश के राजनीतिक संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर रही है।

देशभर में कांफ्रेंस कर जनता को बताएंगे हकीकत

बैठक में यह भी तय किया गया कि गठबंधन के नेता देशभर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए जनता के बीच जाएंगे और यह संदेश देंगे कि वे आरक्षण के पक्ष में तो हैं, लेकिन इसके साथ जुड़े किसी भी गुप्त राजनीतिक एजेंडे का विरोध करते हैं। इससे पहले सदन में चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर ओबीसी समाज के साथ धोखाधड़ी कर रही है। उन्होंने याद दिलाया कि 2010 में कांग्रेस नेतृत्व ने राज्यसभा में इस बिल को पारित कराया था, लेकिन तब लोकसभा में आम सहमति नहीं बन सकी थी। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार अब 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन की बात क्यों कर रही है, जबकि इसमें ओबीसी वर्ग के सटीक आंकड़े मौजूद नहीं हैं। विपक्ष का कहना है कि सरकार नई जातीय

File Photo

जनगणना से घबरा रही है क्योंकि उससे पिछड़े वर्गों की वास्तविक संख्या सामने आ जाएगी। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने और परिसीमन के जरिए राज्यों के प्रतिनिधित्व के साथ छेड़छाड़ करने की योजना है, जो लोकतांत्रिक ढांचे के लिए ठीक नहीं है। विपक्ष ने स्पष्ट किया है कि जब तक सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलता, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर देशव्यापी सियासी बयानबाजी और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

राहुल गांधी को राहत देते हुए बोला कोर्ट- फिलहाल दर्ज नहीं होगी एफआईआर

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कथित दोहरी नागरिकता से जुड़े मामले में फिलहाल बड़ी राहत मिल गई है। दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने उनके खिलाफ दर्ज की जाने वाली एफआईआर पर अस्थायी रोक लगा दी है। कोर्ट ने अपने ही पूर्व आदेश को स्थगित करते हुए कहा कि संबंधित पक्ष को बिना नोटिस दिए एफआईआर का निर्देश देना उचित नहीं था। जानकारी अनुसार शनिवार को हाईकोर्ट की वेबसाइट पर जारी आदेश में कहा गया है, कि विपक्षी पक्ष को पहले नोटिस दिया जाना चाहिए। इसी के साथ अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तारीख तय की है। दरअसल, एक दिन पहले ही ओपन कोर्ट में हाईकोर्ट ने

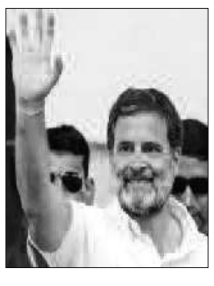

कथित दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह इस मामले की जांच स्वयं करे या फिर किसी केंद्रीय एजेंसी को सौंपे। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि आरोपों की सच्चाई जांच का विषय है। इससे पहले यह मामला लखनऊ की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में पहुंचा था, जहां राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया गया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा, जहां भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने निचली अदालत के 28 जनवरी 2026 के आदेश को चुनौती दी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर जांच की जानी चाहिए। फिलहाल हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद राहुल गांधी को अस्थायी राहत मिल गई है।

अभिषेक बनर्जी की अमित शाह को खुली चुनौती... मतगणना के दिन कोलकाता में मौजूद रहें

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल काफी गर्माया हुआ है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खुली चुनौती देकर कहा कि अगर उनमें हिम्मत हैं, तब वे 4 मई, यानी मतगणना के दिन कोलकाता में मौजूद रहें। उन्होंने यह बयान पूर्वी मेदिनीपुर जिले के भगवानपुर में चुनावी रैली के दौरान दिया।

टीएमसी महासचिव बनर्जी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस फिर सत्ता में वापसी करेगी और ममता जी चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगी। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह चुनाव से पहले टीएमसी कार्यकर्ताओं को डराने और धमकाने की कोशिश में जुटी है। उनके अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री की ओर से संदेश दिया जा रहा है कि तृणमूल कार्यकर्ता घर से बाहर न निकलें, अन्यथा उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। इस पर पलटवार कर अभिषेक ने कहा कि बंगाल की जनता को डराने की हिम्मत किसी में नहीं है।

उन्होंने इशारों-इशारों में कहा कि उनके पास ब्लॉक और पंचायत स्तर तक की एक सूची तैयार है, जिसके आधार पर ÷मूलधन और ब्याज सहित हिसाब चुकता÷ होगा। इस बयान को राजनीतिक जवाबी कार्रवाई के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरी ओर, भाजपा पहले ही आरोप लगा चुकी है कि टीएमसी के शासन में उसके कई कार्यकर्ताओं की हत्या हुई और उन्हें लगातार प्रताड़ित किया गया। अभिषेक ने इस चुनाव को 'दिल्ली की सत्ता बनाम बंगाल के लोग' की लड़ाई बताया। उन्होंने कहा कि एक ओर केंद्र की शक्तिशाली सरकार और उसके संसाधन हैं, जबकि दूसरी तरफ बंगाल के करोड़ों लोग और एक साधारण महिला ममता जी खड़ी हैं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह बंगालियों को 'बांग्लादेशी' कहकर और उनके खान-पान पर टिप्पणी करके उनका अपमान कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार की लोकप्रिय योजनाओं, विशेषकर 'लक्ष्मी भंडार' का उल्लेख कर भरोसा दिलाया कि टीएमसी सरकार बनने पर ये योजनाएं जारी रहेंगी। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने वोट के जरिए इन आरोपों का जवाब दें। कुल मिलाकर, चुनाव से पहले दोनों प्रमुख दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

स्टालिन ने परिसीमन बिल को बताया काला कानून, बिल के गिरने को बताया देश की जीत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 17 अप्रैल को लोकसभा में संविधान (एक सौ इकतीसवां संशोधन) विधेयक, 2026 की विफलता का जश्न मनाकर परिसीमन नामक काले कानून के खिलाफ जीत बताया। उन्होंने विधेयक को हराने में अहम भूमिका निभाने के लिए इंडिया गठबंधन के सांसदों को धन्यवाद दिया। सीएम स्टालिन ने कहा कि राज्य सरकार और विपक्षी नेताओं ने करीब एक साल पहले ही मुद्दे का अनुमान लगा लिया था और प्रस्तावित कानून की प्रतियां जलाने सहित विरोध प्रदर्शनों का एक समन्वित अभियान चलाया था, जिससे सार्वजनिक रूप से और संसद के भीतर भी प्रतिरोध पैदा करने में मदद मिली।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए वीडियो में स्टालिन ने कहा कि मैं आपके सामने खुशी और नई ऊर्जा के साथ खड़ा हूं। परिसीमन नामक काले कानून के खिलाफ हमारा संघर्ष सफल हुआ है। एक साल पहले ही खतरे का अनुमान लगाकर हम सभी ने इस जीत को हासिल करने के लिए सभी आवश्यक कार्य शुरू कर दिए थे। मुख्यमंत्रियों और विपक्षी नेताओं की समन्वय बैठक से शुरू करते हुए, हमारी पार्टी ने परसों काला झंडा उठाया और काले कानून की एक प्रति जलाई। मैंने कहा था, आग को फैलने दो, और यह संसद में भी फैल गई है।

उन्होंने तमिलनाडु की जनता, विशेषकर महिलाओं को, विधेयक को महिला आरक्षण के बहाने लागू करने के धोखे भरे प्रयास का विरोध करने का श्रेय दिया और विपक्षी दलों के उन सभी सांसदों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने विधेयक का विरोध करने के लिए एकजुट होकर काम किया। सीएम स्टालिन ने विधेयक की विफलता को देश को विभाजित करने के प्रयासों पर करारा प्रहार और विपक्षी दलों के बीच बढ़ती एकता का प्रदर्शन बताया। उन्होंने इस घटना को भाजपा की देशव्यापी विफलताओं की महज शुरुआत कहा। उन्होंने कहा कि 12 वर्षों में पहली बार प्रधानमंत्री मोदी की सरकार द्वारा लाया गया संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल हुआ है। ये बस शुरुआत है। यह भाजपा की देशव्यापी विफलताओं की शुरुआत है। यह विपक्षी दलों की एकता की शुरुआत है। मैं लगातार कहता रहा हूं कि अगर हम एकजुट हो जाएं, तब जीत निश्चित है।

पीयूष गोयल का हमला, तमिलनाडु में स्टालिन के भ्रष्टाचार और परिवारवाद की हार होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार पर भ्रष्टाचार और परिवारवाद का आरोप लगाकर विश्वास जाहिर किया कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 4 मई को अगली सरकार तमिलनाडू में बनाएगा। ऊटी दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि 4 मई को तमिलनाडु की जनता की सेवा के लिए नई सरकार बनेगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य में रिश्वतखोरी व्यापक हुई है, अगर आज तमिलनाडु में युवा लड़के-लड़कियां सरकारी नौकरी चाहते हैं, तब उन्हें रिश्वत देनी पड़ती है। यह जनता को स्वीकार्य नहीं है, और वे कभी भी इसतहर के व्यक्ति को स्वीकार नहीं करने वाले हैं, जो तमिल संस्कृति विरोधी, तमिल महिलाओं विरोधी हो और रिश्वतखोरी को बढ़ावा देता हो। हम उदयनिधि स्टालिन को डीएमके के भावी मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में स्वीकार नहीं करते। उन्होंने कहा कि यह एक-परिवार का शासन भ्रष्टाचार और कुप्रशासन से भरा है और इसका अंत होगा। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (एआईएडीएमके), भाजपा, पीएमके, एएमएमके और अन्य सहयोगियों के नेतृत्व वाला एनडीए एक परिवार की तरह जनता की सेवा के लिए काम कर रहा है। चुनाव परिणाम को लेकर आश्वस्त केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि जीत निश्चित है। जीत हमारी होगी। लोग डीएमके के कुशासन और भ्रष्टाचार को नहीं भूलने वाले है।

बंगाल चुनाव में प्रचार करने उतरी असम बीजेपी की पूरी टीम... 50 सदस्यीय दल की कमान सीएम सरमा के पास

सीएम सरमा ने कूच बिहार, कालचीनी और फांसिदेवा विधानसभा में किया जोरदार प्रचार

कोलकाता (एजेंसी)। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले प्रचार करने के लिए असम राज्य भाजपा का 50 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 16 अप्रैल को बंगाल पहुंचा। बंगाल में चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। असम प्रतिनिधिमंडल पश्चिम बंगाल के कई निर्वाचन क्षेत्रों में व्यापक प्रचार अभियान चलाने की योजना बना रहा है।

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पश्चिम बंगाल पहुंच चुके हैं और एक ही दिन में कूच बिहार, कालचीनी और फांसिदेवा विधानसभा क्षेत्रों में तीन विशाल जनसभाओं को संबोधित करने वाले है। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका, जयंता मल्लबारुआ, रणजीत कुमार दास, बिमल बोरा, डॉ. रानोज पेगू, रूपेश गोवाला, कृपानाथ मल्लाह, राजदीप रॉय, कृष्णेंदु पॉल, कौशिक राय, सांसद परिमल सुकलाबैद्य, कई विधायक और राज्य के वरिष्ठ नेता सहित कई प्रमुख नेता चुनाव प्रचार का नेतृत्व करने के लिए विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में तैनात किए गए हैं। चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों के व्यापक संदर्भ में बंगाल चुनाव भाजपा के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। इतना ही नहीं कई राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मीडिया आउटलेट्स ने असम में एनडीए की जीत और पश्चिम बंगाल में भाजपा के बढ़ते समर्थन का संकेत दिया है। पार्टी प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने बताया कि एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक लोकसभा में 207 मतों से पारित हो चुका है। राज्य भाजपा अध्यक्ष और दरांग-उदलगुरी से सांसद दिलीप सैकिया ने केंद्र सरकार के संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए संवैधानिक रूप से एक तिहाई (33प्रतिशत) आरक्षण सुनिश्चित करने के निर्णय का समर्थन करते हुए इस महिलाओं को सशक्त बनाने और नारी शक्ति के उद्देश्य को आगे बढ़ाने वाला कदम बताया।

पीजीटीआई को मिला वैश्विक अनुभव का साथ, रचना बहादुर बनीं सलाहकार

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) ने रचना बहादुर को संगठन का सलाहकार नियुक्त करने की घोषणा की है। इस नियुक्ति को भारतीय पेशेवर गोल्फ के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। रचना बहादुर के पास बैंकिंग, संचालन और जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। वर्तमान में वह सिंक्रोनी फाइनेंशियल की भारत इकाई में वरिष्ठ उपाध्यक्ष और देश प्रमुख के रूप में कार्य कर रही हैं, जहां वह रणनीतिक विकास, डिजिटल परिवर्तन और संचालन उत्कृष्टता को नई दिशा दे रही हैं।

रचना बहादुर इससे पहले गोल्डमैन सैक्स, जेपीमॉर्गन चेस और मॉर्गन स्टैनली जैसी वैश्विक वित्तीय संस्थाओं में वरिष्ठ पदों पर अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। अमेरिका, एशिया और यूरोप में 18 वर्षों से अधिक के अंतरराष्ट्रीय अनुभव के चलते वह संगठन को एक व्यापक वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करेंगी। उनकी कार्यशैली लोगों के विश्वास, कल्याण और सहयोगात्मक वातावरण पर आधारित है, जो पीजीटीआई के भविष्य के विजन के अनुरूप है। इस अवसर पर पीजीटीआई के अध्यक्ष कपिल देव ने कहा कि रचना बहादुर का अनुभव और नेतृत्व संगठन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा भारतीय गोल्फ को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा। गौरतलब है कि प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया देश में पुरुष पेशेवर गोल्फ का आधिकारिक संचालन निकाय है, जिसे इंटरनेशनल गोल्फ फेडरेशन और इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ पीजीए टूर से मान्यता प्राप्त है। इसके टूनामेंट विश्व गोल्फ रैंकिंग अंक प्रदान करते हैं और इसका रणनीतिक गठजोड़ डीपी वर्ल्ड टूर के साथ है।

दिल्ली एनसीआर में फिर बिगड़ी हवा, AQI 226 पर ग्रैप-1 लागू

नई दिल्ली/एजेंसी। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में वायु प्रदूषण एक बार फिर चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ताजा आंकड़ों के अनुसार दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 226 दर्ज किया गया है, जो खराब श्रेणी में आता है। हालात को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) का पहला चरण पूरे दिल्ली एनसीआर में तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है।

आयोग की उप समिति ने शुक्रवार को स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की, जिसमें मौजूदा प्रदूषण स्तर के साथ साथ भारतीय मौसम विभाग और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूवार्नुमानों का विश्लेषण किया गया। समीक्षा में पाया गया कि धीमी हवा और प्रदूषकों के कम फैलाव जैसी प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों के कारण वायु गुणवत्ता लगातार खराब बनी हुई है। एजेंसियों ने आशंका जताई है कि अगले दो दिनों तक अदकखराब श्रेणी में ही रह सकता है। इन परिस्थितियों को देखते हुए ग्रैप-1 के तहत 31 उपाय लागू किए गए हैं। निर्माण और विध्वंस गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखते हुए धूल नियंत्रण को अनिवार्य किया गया है। 500 वर्ग मीटर से बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए पंजीकरण और धूल नियंत्रण मानकों का पालन जरूरी होगा। निर्माण स्थलों पर एंटी-स्मॉग गन के इस्तेमाल और मलबे के सही प्रबंधन के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा सड़कों की मशीनीकृत सफाई और पानी के छिड़काव को बढ़ाने, खुले में कचरा और बायोमास जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा उल्लंघन पर जुमार्ना लगाने की बात कही गई है। यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस तैनाती बढ़ाने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुराने डीजल और पेट्रोल वाहनों पर पहले से लागू प्रतिबंधों को भी सख्ती से लागू किया जाएगा।

औद्योगिक क्षेत्र में भी सख्ती बढ़ाई गई है। नियमों का पालन न करने वाली इकाइयों पर कार्रवाई, स्वीकृत ईंधन का उपयोग सुनिश्चित करना और थर्मल पावर प्लांट्स में उत्सर्जन मानकों का पालन करवाना शामिल है। डीजल जनरेटर सेटों के उपयोग को हतोत्साहित करने और बिजली आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। होटल और रेस्टोरेंट में कोयला या लकड़ी के इस्तेमाल पर भी रोक को सख्ती से लागू किया जाएगा। जनसहभागिता पर भी जोर दिया गया है। ग्रीन दिल्ली और समीर जैसे प्लेटफॉर्म्स के जरिए शिकायतों के त्वरित निपटान के निर्देश दिए गए हैं। लोगों से कार पूलिंग अपनाने और अनावश्यक वाहन उपयोग से बचने की अपील की गई है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी एजेंसियां इन उपायों को सख्ती से लागू करें और लगातार निगरानी रखें। यदि प्रदूषण स्तर और बढ़ता है, तो ग्रैप के अगले चरण लागू किए जा सकते हैं, जिनमें और कड़े प्रतिबंध शामिल होंगे। राजधानी में बढ़ता प्रदूषण एक बार फिर संकेत दे रहा है कि मौसमी बदलाव और मानवीय गतिविधियां मिलकर समस्या को गंभीर बना रही हैं। फिलहाल ग्रैप-1 के जरिए स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश शुरू हो गई है, लेकिन आने वाले दिनों में इसकी प्रभावशीलता साफ होगी।

अब नहीं होगी तेल, एलपीजी और फर्टिलाइजर की कोई कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। होर्मुज स्ट्रेट के पूरी तरह खुलने से भारतीय तेल कंपनियों के साथ-साथ आयातकों और निर्यातकों के चेहरे खिल गए हैं। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था और उसी दिन ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया था। इससे हाहाकार मच गया था क्योंकि दुनिया का 20 फीसदी तेल और करीब एक तिहाई गैस इसी रास्ते से गुजरती है। लेकिन इसके खुलने से अब दुनिया ने राहत की सांस ली है। भारत आ रहे 41 जहाज अब होर्मुज स्ट्रेट को पार करने को तैयार हैं। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक इन जहाजों में कच्चा तेल, एलपीजी, फर्टिलाइजर और एलएनजी भरा है। इन जहाजों में 26 विदेशी और 15 भारतीय हैं। इनमें से एक दर्जन से अधिक जहाजों में फर्टिलाइजर भरा है जो कि भारत के लिए बहुत जरूरी है। देश में खरीफ की बुवाई अगले कुछ महीनों में शुरू होने वाली है। भारतीय जहाजों में 10 में कच्चा तेल, चार में एलपीजी और तीन में एलएनजी है। होर्मुज स्ट्रेट के खुलने की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमत में भी भारी गिरावट आई है।

कच्चे तेल में भारी गिरावट: शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 9 फीसदी से ज्यादा गिरावट के साथ 90.38 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 11.5 फीसदी गिरावट के साथ 87.9 डॉलर तक आ गया था। अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 11.45 फीसदी गिरावट के साथ 83.85 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। कारोबार के दौरान यह 80 डॉलर तक गिर गया था। पिछले 9 कारोबारी दिनों में इसमें 30 फीसदी से अधिक गिरावट आई है। जानकारों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमत में गिरावट से फ्रेट रेट्स में भी कमी आएगी। इससे सभी सेक्टर्स को फायदा होगा। निर्यातकों को उम्मीद है कि होर्मुज स्ट्रेट में जल्दी ही स्थिति सामान्य हो जाएगी। अमृतसर की कंपनी डीआरआरके फूड्स के एमडी अमित मारवाह ने उम्मीद जताई कि पश्चिम एशिया से डिमांड बढ़ेगी। उनकी कंपनी का 18,000 टन बासमती चावल भारतीय बंदरगाहों पर फंसा हुआ है जो अब आगे बढ़ सकता है।

होर्मुज से भारत आने को तैयार हैं 41 जहाज

होर्मुज के पार जहाजों का इंतजार: होर्मुज स्ट्रेट के पार 41 जहाज कर रहे हैं भारत आने का इंतजार इनमें से कुल 15 जहाज भारतीय हैं जबकि 26 जहाज विदेशी हैं इनमें से एक दर्जन से अधिक जहाजों में फर्टिलाइजर भरा हुआ है भारतीय जहाजों में 10 में क्रूड, 4 में एलपीजी और तीन में स्न्न्ल है

क्या होगा फायदा?: मारवाह ने कहा, 'हम पश्चिम एशिया से बल्क डिमांड की उम्मीद कर रहे हैं। कच्चे तेल की कीमत में गिरावट से फ्रेट रेट में कमी आने की उम्मीद है।' कंपनी जेद्दा पोर्ट तक सामान पहुंचाने के लिए हर कंटेनर पर 700 डॉलर दे रही थी लेकिन ईरान युद्ध के कारण यह चार से पांच गुना तक बढ़ गया था। निर्यातकों के संगठन फियो के डायरेक्टर जनरल अजय सहाय ने कहा, 'हम न केवल पश्चिम एशिया को सामान भेज पाएंगे, बल्कि यूरोप सामान भेजने के लिए भी रूट शॉर्ट हो जाएगा।' होर्मुज स्ट्रेट खुलने से हम न केवल पश्चिम एशिया को सामान भेज पाएंगे, बल्कि यूरोप सामान भेजने के लिए भी रूट शॉर्ट हो जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि करीब दो दर्जन जहाज मिडिल ईस्ट जाने के लिए भारतीय बंदरगाहों पर खड़े हैं। एक सरकारी बंदरगाह के अधिकारी ने कहा कि अगले कुछ दिनों में तस्वीर साफ हो जाएगी जब ज्यादा जहाज होर्मुज से गुजरेंगे।

11 लाख करोड़ का फायदा, 24 घंटे में क्रिप्टो बाजार की लंबी उड़ान

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी में शुक्रवार शाम गजब की तेजी आई। देखते ही देखते रात 8 :30

बजे ग्लोबल मार्केट कैप बढ़कर 2.63 ट्रिलियन डॉलर हो गया। पिछले 24 घंटे में इसमें 4.70 प्रतिशत की तेजी आ गई। वहीं लगभग सभी क्रिप्टो हरे निशान पर पहुंच गईं। इस दौरान पाई नेटवर्क कॉइन ने लंबी छलांग मारी और बिटकॉइन को पीछे छोड़ दिया। रात 8 :30 बजे बिटकॉइन करीब 77772 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। पिछले 24 घंटे में इसमें करीब 5 फीसदी की तेजी आई है। काफी दिनों बाद बिटकॉइन इस स्तर पर पहुंचा है। वहीं पाई नेटवर्क कॉइन 0.1808 डॉलर पर था। 24 घंटे में यह करीब 6.70 प्रतिशत उछल गया है। ऐसे में पिछले 24 घंटे में तेजी के मामले में पाई नेटवर्क कॉइन ने बिटकॉइन को पीछे छोड़ दिया है। 24 घंटे बिटकॉइन के अलावा और भी दूसरी क्रिप्टो में जबरदस्त तेजी आई है। इथेरियम 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 2445 डॉलर पर पहुंच गया है। रिपल ने भी 5 फीसदी से ज्यादा की छलांग लगाई और यह 1.49 डॉलर पर आ गया। सोलाना 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ करीब 90 डॉलर पर है। डॉजकॉइन में भी 5 फीसदी की तेजी आई और यह 0.1010 डॉलर पर पहुंच गया। कार्डानो में 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। इस बढ़त के साथ यह 0.2650 डॉलर के पार चला गया। स्टेलर में 8 फीसदी से ज्यादा, केंटन में 2 फीसदी से ज्यादा, लाइटकॉइन में करीब 3 फीसदी और शिबा इनु में करीब 6 फीसदी की तेजी आई। क्रिप्टोकरेंसी में जबरदस्त तेजी के बाद भी कई क्रिप्टो में 24 घंटे में गिरावट आई। ट्रॉन करीब 0.66 फीसदी गिरकर 0.3247 डॉलर पर आ गई। निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न देने वाली क्रिप्टो में भी मामूली गिरावट आई। वर्ल्डकॉइन 2 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गई। क्रिप्टो मार्केट में पिछले कुछ समय से लगातार तेजी आई है। इससे फीयर एंड ग्रीड इंडेक्स ने भी लंबी छलांग लगाई है। यह अभी 64 पर है। कल यानी गुरुवार को यह 56 और पिछले हफ्ते 49 था। इसमें लगातार आ रही तेजी इस बात का संकेत है कि क्रिप्टोकरेंसी में निवेशकों का भरोसा बढ़ रहा है।

केंद्रीय कर्मचारियों ने आठवें वेतन आयोग के आगे रखी डिमांड

मुंबई, एजेंसी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों ने आठवें वेतन आयोग के सामने अपनी सैलरी, पेंशन और काम करने की शर्तों में बड़े बदलाव की मांग रखी है। उन्होंने सुझाव दिया है कि न्यूनतम बेसिक सैलरी को बढ़ाकर 69,000 रुपये किया जाए। फिटमेंट फैक्टर 3.83 रखा जाए और जैसे ही महंगाई भत्ता 25 प्रतिशत तक पहुंचे, उसे बेसिक पे में शामिल करने की पुरानी व्यवस्था फिर से शुरू की जाए। इससे पहले सातवें वेतन आयोग ने 2.57 का फिटमेंट फैक्टर लागू किया था, जिससे न्यूनतम बेसिक सैलरी 7,000 रुपये से बढ़कर 17,990 रुपये हो गई थी। श्वत्र के मुताबिक, नैशनल काउंसिल–जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी के कर्मचारियों की ओर से 14 अप्रैल को आठवें वेतन आयोग को एक ज्ञापन सौंपा गया। इसमें सिर्फ सैलरी बढ़ाने की बात नहीं है, बल्कि पदों के ढांचे को सुधारने, सालाना इंक्रीमेंट बढ़ाने और सभी पेंशनभोगियों को एक जैसा लाभ देने की भी मांग की गई है। इसमें इंक्रीमेंट की दर को 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 6 प्रतिशत करने का सुझाव दिया गया है। सैलरी के अलावा, कर्मचारी संगठनों ने पे–मैट्रिक्स को भी आसान बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि ऊंचे और नीचे पदों के बीच के कई स्तरों को आपस में मिला देना चाहिए। इसका मकसद प्रमोशन में होने वाली देरी को कम करना और करियर की राह में आने वाली रुकावटों को खत्म करना है। सरकार से ऐसी नीतियां बनाने को कहा गया है जो कर्मचारियों के परिवार के लिए मददगार हों।

10 प्रतिशत बैंक लोन और चुकाया, अब 90 प्रतिशत से ज्यादा लोन चुकता, कर्ज-मुक्त होने की तैयारी में है कंपनी

मुंबई, एजेंसी। ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर ने शुक्रवार को बताया है कि कर्ज घटाने से जुड़ी अपनी मौजूदा योजना के तहत उसने कंसोर्शियम लेंडर्स के साथ अपने ज्वाइंट सेटलमेंट एग्रीमेंट के मुताबिक बकाया बैंक कर्ज का करीब 10 पर्सेंट और चुका दिया है। पीसी ज्वैलर लिमिटेड ने बताया है कि इस हालिया कर्ज कटौती के बाद सेटलमेंट एग्रीमेंट होने से लेकर अब तक उसने अपने बकाया बैंक कर्ज का 90 पर्सेंट से ज्यादा चुका दिया है। पीसी ज्वैलर के शेयर शुक्रवार को 9.58 रुपये पर बंद हुए हैं। पीसी ज्वैलर बोनस शेयर देने के साथ ही अपने शेयरों का बंटवारा भी कर चुकी है। ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर लिमिटेड ने बताया है कि मौजूदा प्रगति कर्ज–मुक्त होने का दर्जा हासिल करने के उसके लक्ष्य के मुताबिक है। पीसी ज्वैलर ने कहा है कि वह अपनी फाइनेंशियल रिस्ट्रक्चरिंग प्रोसेस पूरा करने की दिशा में बढ़ रही है। ज्वैलरी कंपनी ने कहा है कि वह निकट भविष्य में कर्ज–मुक्त पोजिशन हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। पीसी ज्वैलर ने पिछले हफ्ते बताया था कि मार्च 2026 तिमाही में उसके स्टैंडअलोन रेवेन्यू में सालाना आधार पर 32 पर्सेंट का उछाल आया है। वित्त वर्ष 2026 के लिए कंपनी ने कहा था कि उसका रेवेन्यू सालाना आधार पर 49 पर्सेंट बढ़ा है। ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर लिमिटेड अपने शेयर का बंटवारा कर चुकी है। यानी, कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1–1 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा।

दिग्गज अर्थशास्त्री की चेतावनी

भारत 1990 के दशक जैसा कमजोर नहीं, लेकिन अब मंडरा रहा है बड़ा खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके असर को लेकर जाने-माने अर्थशास्त्री स्वामीनाथन अय्यर ने बड़ी चेतावनी दी है। उनका मानना है कि भारत फिलहाल इस संकट का सामना करने में सक्षम है, लेकिन आने वाले समय में महंगाई का दूसरा चरण देश को परेशान कर सकता है। अय्यर के अनुसार अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें करीब 33 प्रतिशत और डीजल 25 प्रतिशत तक बढ़ चुकी हैं। इससे आम जनता, ट्रांसपोर्ट और मैन्युफैक्चरिंग लागत पर सीधा असर पड़ रहा है। अमेरिका में मिड-टर्म चुनाव नजदीक हैं। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप पर राजनीतिक दबाव बढ़ेगा। अय्यर ने उम्मीद जताई है कि एक या दो हफ्ते में इस संकट का कोई समाधान निकल सकता है। वहीं दूसरी ओर शुक्रवार को ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने का ऐलान किया है। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा है कि लेबनान संघर्ष विराम के बाद अब होर्मुज पूरी तरह से सभी व्यापारिक जहाजों के लिए खोल दिया गया है। अय्यर ने कहा कि 1973-74 के संकट में तेल की कीमतें 4 गुना बढ़ी थीं, जबकि अभी यह बढ़ोतरी केवल 50 प्रतिशत के आसपास है। उनके मुताबिक भारत अब 1990 के दशक जैसा कमजोर नहीं है। भारत ने कोविड और वैश्विक मंदी जैसी आपदाओं का बिना किसी बाहरी मदद के सामना किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर युद्ध 3-4 महीने और खिंचता है, तो स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है। भारत विशेष रूप के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर है, जहां आपूर्ति बाधित होने का खतरा है। अय्यर ने कहा कि भले ही युद्ध कल रुक जाए, लेकिन कुछ नुकसान पहले ही हो चुके हैं जो आने वाले समय में दिखेंगे। खाद की कीमतें बढ़ने से सरकार को फसलों का समर्थन मूल्य पड़ेगा, जिससे अनाज महंगा होगा। एल्युमीनियम और गैस पर निर्भर रहने वाले छोटे उद्योगों (जैसे सिरेमिक और केमिकल) की लागत बढ़ जाएगी। महंगाई दर के 4 प्रतिशत के लक्ष्य को पार कर 5 से 6 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। चुनावों के बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है। अय्यर के मुताबिक सरकार इस झटके से निपटने के लिए 1 प्रतिशत से 1.5 प्रतिशत अतिरिक्त खर्च कर सकती है। ऐसे में एक साल के लिए फिस्कल डेफिसिट 5.5 प्रतिशत तक जा सकता है।

इस बार भी अक्षय तृतीया के मौके पर सोना खरीदने का उत्साह दिखा

नई दिल्ली, एजेंसी। हर साल की तरह इस बार भी आम लोगों में अक्षय तृतीया के मौके पर सोना खरीदने का उत्साह दिख रहा है। हालांकि, अब सोना सिर्फ ज्वेलरी तक सीमित नहीं रह गया है। इसके अलावा भी कई विकल्प हैं जिसके जरिए सोने की खरीदारी कर सकेंगे। इनमें तीन विकल्प- डिजिटल गोल्ड, गोल्ड इटीएफ और सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड हैं। ऐसे में अब सवाल है कि सोना की किस तरीके से खरीदारी करना ज्यादा अच्छा है। डिजिटल गोल्ड, गोल्ड इटीएफ और सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की बात करें तो इन तीनों विकल्पों का संबंध सोने की कीमत से होता है लेकिन इनके काम करने का तरीका अलग-अलग है। डिजिटल गोल्ड आसानी से मोबाइल ऐप के जरिए खरीदा और बेचा जा सकता है, जिससे छोटे निवेशक भी इसमें आसानी से शुरुआत कर सकते हैं। वहीं गोल्ड उन लोगों के लिए बेहतर हैं जिनके पास डिमैट अकाउंट है और जो शेयर बाजार की समझ रखते हैं। अगर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की बात करें तो इसमें सरकार की गारंटी के साथ-साथ ब्याज का भी फायदा मिलता है। बता दें कि बेहद कम पैसे में भी डिजिटल गोल्ड में निवेश किया जा सकता है। डिजिटल गोल्ड को आप कभी भी बेच सकते हैं, जबकि इटीएफ शेयर बाजार में ट्रेड होते हैं। वहीं सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में लॉक-इन पीरियड होता है। टैक्स के लिहाज से भी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सबसे आगे हैं। बता दें कि भारत में फिजिकल गोल्ड का भावनात्मक महत्व आज भी बना हुआ है लेकिन अब लोग डिजिटल और वित्तीय विकल्पों को भी अपनाने लगे हैं। बहरहाल, शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 5,700 रुपये टूटकर 2.53 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई जबकि सोना 1.56 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 5,700 रुपये यानी 2.2 प्रतिशत टूटकर 2,53,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई। सर्राफा संघ ने कहा कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 1,600 रुपये यानी 1.01 प्रतिशत टूटकर 1,56,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) पर रहा।

35वीं बार डिविडेंड देने जा रही है कंपनी, इस बार होगा हर शेयर पर 320 प्रतिशत का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। डिविडेंड देने वाली कंपनियों के शेयरों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है। निवेशकों को डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी शेयर बाजार में 35वीं बार एक्स–डिविडेंड ट्रेड करने जा रहा है। इस बार कंपनी ने योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 320 प्रतिशत का डिविडेंड देने का ऐलान किया है। शेयर बाजारों को दी जानकारी में बताया है कि 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 16 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। यानी हर एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 320 प्रतिशत का फायदा होगा। बता दें, इससे पहले पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने एक शेयर पर 8 रुपये का डिविडेंड दिया था। शेयर सबसे पहली बार 2001 में एक्स–डिविडेंड ट्रेड किए थे। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 2 रुपये का डिविडेंड मिला था। इसके बाद कंपनी ने 6 साल के बाद 2007 में निवेशकों को डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 4.5 रुपये का डिविडेंड दिया था। बता दें, आखिरी बार यह स्टॉक 30 जनवरी 2026 को एक्स–डिविडेंड ट्रेड किया था। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 8 रुपये का फायदा हुआ था। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर बीएसई में यह स्टॉक 2.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 1744.90 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक महीने में शेयरों का भाव 19.37 प्रतिशत बढ़ा है।

पेट्रोल 78.05, डीजल 82.64 रुपये में, 10 प्रतिशत तक गिरा तेल का रेट, आधी रात को कम हुआ दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिली थी। लेकिन इसके बाद भी घरेलू बाजार में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पुरानी कीमतों को ही बरकरार रखा है। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का रेट 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल का रेट 87.67 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। बता दें, बीते दिनों शेल इंडिया और नायरा ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया था। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 78.05 रुपये और डीजल 82.64 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। जोकि अन्य शहरों की तुलना में काफी कम है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ग्लोबल शिपिंग कार्गो के लिए खोलने का संकेत दिया है। इसी वजह से कल क्रूड ऑयल का रेट इटरनेशनल मार्केट में 10 प्रतिशत की गिरावट के बाद 90 डॉलर के नीचे आ गया। शेल इंडिया ने 7.41 रुपये पेट्रोल और 25.01 रुपये डीजल का बढ़ाया रेट प्राइवेट तेल बेचने वाली कंपनी शेल इंडिया ने 1 अप्रैल को पेट्रोल के रेट में 7.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल के रेट में 25.01 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया था। इससे पहले नायरा ने मार्च के महीने में पेट्रोल और डीजल के रेट को बढ़ाया था। तब नायरा ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 5 रुपये तक का इजाफा किया था। 1 अप्रैल को इंडियन ऑयल ने पेट्रोल के रेट में 11 रुपये प्रति लीटर का इजाफा कर दिया था।

मुंबई का मोतीलाल नगर बनेगा '15-मिनट सिटी', फ्री मिलेंगे 1600 वर्ग फुट के मकान

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के गोरेगांव (पश्चिम) स्थित मोतीलाल नगर पुनर्विकास परियोजना का मास्टर प्लान आज शुक्रवार को महाराष्ट्र गृहनिर्माण क्षेत्र

विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और सीईओ संजय जायसवाल ने प्रस्तुत किया। मुंबई बोर्ड द्वारा लागू की जा रही 143 एकड़ में फैली यह परियोजना भारत की अब तक की सबसे बड़ी शहरी पुनर्विकास पहल मानी जा रही है। इस विशाल परियोजना को अडानी ग्रुप द्वारा कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट एजेंसी मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा। सरकार ने म्हाडा को इस प्रोजेक्ट के लिए विशेष नियोजन प्राधिकरण का दर्जा दिया है। म्हाडा ने लक्ष्य रखा है कि ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट मिलने के अगले 7 वर्षों के भीतर इस प्रोजेक्ट को पूरा कर लिया जाएगा। इस पुनर्विकास की सबसे बड़ी विशेषता पुनर्वास घरों का आकार है, जो मुंबई के इतिहास में अभूतपूर्व है।

3702 पात्र परिवारों को करीब 1600 वर्ग फुट के बड़े और आधुनिक घर मुफ्त मिलेंगे।

लगभग 1600 झुग्गीवासियों को नियमों के तहत 300 वर्ग फुट के घर मिलेंगे। मास्टर प्लान के अनुसार, मोतीलाल नगर को एक आधुनिक टाउनशिप के रूप में विकसित किया जाएगा जहां '15-मिनट सिटी' का कॉन्सेप्ट लागू होगा।

सुबह ट्रैक्टर, शाम को आटा चक्की... इस महिला ने 40 साल की उम्र में दिखाया दम, रोजाना हजारों की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले की एक महिला ने खेती-किसानी से जुड़ी पुरानी रूढ़ियों को तोड़कर सफलता की एक नई इबारत लिखी है। अक्सर खेतों में बुवाई से लेकर कटाई तक का कठिन काम करने के बावजूद महिलाओं को किसान के रूप में पहचान नहीं मिलती, लेकिन कल्पना मिश्रा ने इस सोच को बदल दिया है। कौशांबी जिले के छिमिरछा गांव की रहने वाली 40 वर्षीय कल्पना हर सुबह अपने ट्रैक्टर का स्टीयरिंग संभालती हैं और थ्रेशर के साथ खेतों में फसलों की कटाई के लिए निकल पड़ती हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक शाम को वह गांव वालों के लिए आटा चक्की चलाती हैं। इससे उन्हें अतिरिक्त इनकम होती है।

कितनी होती है कमाई?

कल्पना दिन भर खेतों में ट्रैक्टर चलाकर 3000 से 4000 रुपये तक कमा लेती हैं। काम खत्म कर जब वह शाम को घर लौटती हैं, तो वह गांव वालों के लिए आटा चक्की चलाती हैं। खास बात यह है कि उन्होंने सरकारी मदद से उसी ट्रैक्टर इंजन का उपयोग कर आटा चक्की भी सेटअप किया है, जिससे उनकी अतिरिक्त आय होती है। कल्पना के परिवार में पांच सदस्य हैं। उनके पति अस्थायी

रूप से डेटा एंट्री का काम करते हैं। परिवार की सीमित आय के बावजूद वह अपने तीनों बच्चों की पढ़ाई का खर्च खुद उठाती हैं। कल्पना ने उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत 5 लाख रुपये का लोन लिया। इस रकम से उन्होंने एक ट्रैक्टर खरीदा और आटा चक्की लगाई। आज यह ट्रैक्टर और कारोबार गांव में उनकी पहचान बन चुका है। कल्पना बताती हैं कि उनके दूर-दराज के गांव में महिलाओं के पास घर के काम के अलावा कमाई का कोई साधन नहीं था। इस स्थिति को बदलने के लिए उन्होंने 'जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह' का गठन किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला मिशन प्रबंधक दिव्यांश सिंह के अनुसार, कल्पना ने आटा चक्की चलाने का प्रशिक्षण लिया और उद्योग विभाग के माध्यम से लोन प्राप्त किया। इस योजना के तहत सूक्ष्म उद्योगों के लिए 10 से 25 लाख रुपये तक का लोन 25 प्रतिशत सब्सिडी के साथ मिलता है। कल्पना के इस साहसिक कदम ने गांव की अन्य महिलाओं को भी जागरूक किया है। अब गांव की कई अन्य महिलाएं भी सूक्ष्म उद्योगों में रुचि दिखा रही हैं और प्रशिक्षण ले रही हैं। कल्पना की यह कहानी ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई है।

8 ग्राम सोना देने की घोषणा करने वाले थलापति विजय की नेटवर्थ 620 करोड़

मुंबई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। इस चुनाव में अभिनेता से नेता बने थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) भी मैदान में है। उन्होंने चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया है। इसमें उन्होंने जनता से कई वादे किए हैं। इनमें महिलाओं को 8 ग्राम सोना देने का भी वादा शामिल है। फिल्मी दुनिया से राजनीति में आए थलापति विजय का असली नाम जोसफ विजय चंद्रशेखर है। विजय तमिलनाडु की पेरम्बूर और तिरुचि ईस्ट सीटों से चुनाव लड़कर अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने पेरम्बूर सीट के लिए नामांकन भी दाखिल कर दिया है। चुनावी हलफनामे के मुताबिक वह करोड़ों रुपये की संपत्ति के मालिक हैं।

चुनावी हलफनामे के अनुसार थलापति की नेटवर्थ 620 करोड़ रुपये से अधिक है। इसमें चल संपत्ति, सोना और अन्य संपत्तियां

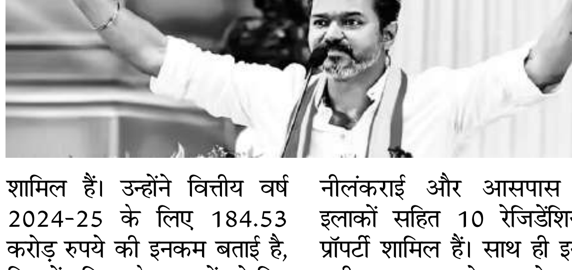

शामिल हैं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 184.53 करोड़ रुपये की इनकम बताई है, जिसमें परिवार के सदस्यों को दिए गए लोन और ट्रस्टों में निवेश शामिल हैं।

विजय थलापति रियल एस्टेट के भी हैं। इससे वह बड़ी कमाई करते हैं। साल 2024 में उनकी नाम से मूवी भी आ चुकी है, जिसने जबरदस्त कमाई की थी। इसे हिंदी भाषा में भी रिलीज किया गया था। थलापति विजय का रियल एस्टेट पोर्टफोलियो इस प्रकार है चेन्नई में टी नगर, नीलंकराई और आसपास के इलाकों सहित 10 रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी शामिल हैं। साथ ही इसमें करीब 82.8 करोड़ रुपये मूल्य की कई कमर्शियल प्रॉपर्टी भी हैं।

कोडाईकनाल में जमीन और संपत्ति के मालिक हैं। इसमें खेती की जमीन भी शामिल है।

चुनावी हलफनामे के मुताबिक करीब 404.58 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है। इसमें बैंक बैलेंस, लग्जरी कारें और आभूषण शामिल हैं।

करीब 220.15 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है, जिसमें कई प्रॉपर्टी भी शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 में उनकी इनकम 184.53 करोड़ रुपये रही। यह इनकम बिजनेस, ब्याज और किराये से प्राप्त हुई।

उनके पास 530, टोयोटा लेक्सस, टोयोटा वेलफायर और जैसी महंगी गाड़ियां हैं।

विजय के पास 883 ग्राम सोना और चांदी के आभूषण हैं, जिनकी कीमत करीब 15 लाख रुपये है। परिवार के सदस्यों को लोन दिया है। पिता को 3.02 करोड़ रुपये और पत्नी को 12.6 करोड़ रुपये का लोन भी शामिल है। चुनावी हलफनामे के अनुसार विजय पर कोई कर्ज नहीं है। फिल्मों के अलावा ब्याज और संपत्तियों से मिलने वाला किराया उनकी कमाई का मुख्य जरिया है। साथ ही वह ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाई करते हैं।

संक्षिप्त

क्या केकेआर की कोचिंग न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान को मिल सकती है?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) बेहद निराशाजनक प्रदर्शन कर रही है। केकेआर सीजन के शुरुआती 6 मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी है। शुक्रवार को अहमदाबाद में खेले गए मैच में केकेआर को गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। केकेआर की लगातार हार के बाद कोच अभिषेक नायर और कप्तान अंजिक्य रहाणे निशाने पर हैं। सोशल मीडिया पर दोनों के खिलाफ अपना पद छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा है। इसी बीच इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने एक बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। उनका कहना है कि अगले आईपीएल सीजन में ब्रेंडन मैकुलम केकेआर के नए कोच हो सकते हैं। पीटरसन ने सोशल मीडिया के माध्यम से ये बात कही। हालांकि, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान मैकुलम फिलहाल इंग्लैंड की पुरुष टीम के कोच हैं और उनका कार्यकाल 2027 तक है।

हमारा एकमात्र लक्ष्य आईपीएल खिताब जीतना है: श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के कप्तान नियुक्त किए गए थे। इसके बाद से पंजाब किंग्स पूरी तरह बदली हुई नजर आती है। पिछले सीजन का फाइनल खेलने वाली पंजाब आईपीएल 2026 में भी प्रचंड फॉर्म में चल रही है और अब तक अपराजेय है। श्रेयस अय्यर ने कहा है कि पंजाब किंग्स का एकमात्र लक्ष्य खिताब जीतना है। जियोस्टार के 'बिलीव' पर बात करते हुए, अय्यर ने 'सरपंच' उपनाम पाने, जीटी के खिलाफ शतक से चूकने, और केकेआर के खिलाफ 111 रन का बचाव करने पर अपने विचार साझा किए। सरपंच उपनाम मिलने की कहानी पर उन्होंने कहा, "मुझे यह बहुत पसंद है। पंजाब किंग्स के साथ अपने सफर की शुरुआत में मुझे नहीं पता था कि 'सरपंच' टैग कैसे आया और इसका क्या मतलब है। लेकिन

जसप्रीत बुमराह का सही इस्तेमाल नहीं कर पा रही मुंबई इंडियंस: मिशेल मैक्लेनाघन

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस (एमआई) का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने सीजन की शुरुआत तो जीत के साथ की थी, लेकिन उसके बाद लगातार 4 मैच हारी है। सीजन में एमआई के लिए जो खिलाड़ी अब तक सर्वाधिक असफल रहे हैं, उनमें जसप्रीत बुमराह का नाम सबसे ऊपर है। यह आश्चर्यजनक है कि बुमराह पिछले 5 मैचों में एक भी विकेट नहीं ले सके हैं। उनकी गेंदों पर रन भी बन रहे हैं। एमआई के लिए खेल चुके न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल मैक्लेनाघन ने जसप्रीत बुमराह की असफलता का कारण बताया है।

श्रेयस अय्यर भारतीय टी20 टीम में मजबूत वापसी से दूर नहीं: इरफान पठान

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स आईपीएल 2026 में बेहतरीन फॉर्म में चल रही है। टीम ने सीजन में अब तक एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। गुरुवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टीम ने 7 विकेट से जीत दर्ज की थी। पंजाब के शानदार प्रदर्शन में श्रेयस अय्यर का बतौर कप्तान और बल्लेबाज अहम योगदान रहा है। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का कहना है कि जिस तरह का प्रदर्शन श्रेयस कर रहे हैं, उसे देखते हुए वह भारतीय टी20 टीम में मजबूत वापसी से ज्यादा दूर नहीं हैं। पठान ने पंजाब किंग्स के प्रदर्शन पर भी अपनी राय दी। स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर जियोस्टार के एक्सपर्ट इरफान पठान ने कहा, "पंजाब किंग्स शुरू से ही पूरी तरह नियंत्रण में दिखी। उनकी योजना साफ थी।

दिल्ली कैपिटल्स जीत की पटरी पर लौटी

रोमांचक मैच में आखिरी ओवर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को हराया

- **अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और लुंगी एनगिडी ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि मुकेश कुमार ने 1 विकेट निकाला**

बेंगलुरु, एजेंसी।

केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स के अर्धशतकों के बाद डेविड मिलर की विस्फोटक बल्लेबाजी के साथ दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 26वें मुकाबले को अपने नाम किया। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में डीसी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 6 विकेट से हराकर प्वाइंट्स टेबल में चौथा स्थान हासिल कर लिया है।

आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स 5 में से 3 मैच अपने नाम कर चुकी है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 6 में से 4 मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर मौजूद है।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 175 रन बनाए। इस टीम को विराट कोहली और फिल साल्ट की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 5.1 ओवरों में 52 रन की साझेदारी की। कोहली 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद साल्ट ने देवदत्त पड्डिकल के साथ दूसरे विकेट के लिए 29 गेंदों में 47 रन जुटाए।

साल्ट ने 38 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 63 रन की पारी खेली, जबकि पड्डिकल ने 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इसके बाद टिम डेविड ने 26 रन, जबकि जितेश शर्मा ने 14 रन टीम के खाते में जोड़े। क्रुणाल पंड्या ने 12 रन जुटाए। विपक्षी खेमे से अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और लुंगी एनगिडी ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि मुकेश कुमार ने 1 विकेट निकाला।

इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 19.5 ओवर में जीत दर्ज कर ली। पारी की चौथी गेंद पर डीसी को पथुम निसांका (1) के रूप में झटका लगा। इसके बाद 2.5 ओवर में 18 के स्कोर तक टीम ने करुण नायर (5) और समीर रिजवी (2) का विकेट भी गंवा दिया। शुरुआती तीनों विकेट भुवनेश्वर कुमार के नाम रहे। यहां से ट्रिस्टन स्टब्स ने केएल राहुल के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंदों में 69 रन की साझेदारी की। राहुल 34 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 57 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद कप्तान अक्षर पटेल ने स्टब्स के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

13.3 ओवर के बाद डीसी के कप्तान अक्षर पटेल क्रैंप्स के कारण परेशानी में नजर आए। हालांकि, कुछ देर मैदान पर ही उपचार के बाद उन्होंने बल्लेबाजी जारी रखी, लेकिन 15.5 ओवर के बाद एक बार फिर अक्षर दर्द में दिखे। आखिरकार, उन्हें रिटायर्ड हर्ड होकर वापस लौटना पड़ा और उनके स्थान पर डेविड मिलर बल्लेबाजी के लिए उतरे। कप्तान पटेल ने 19 गेंदों में 3 चौकों के साथ 26 रन टीम के खाते में जुटाए।

18वें ओवर में ऐसा मौका आया, जब दिल्ली कैपिटल्स की पारी में 24 गेंदों के बाद बाउंड्री आई। अंतिम ओवर में टीम को 15 रन की दरकार थी। रोमारियो शेफर्ड के इस ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर डेविड मिलर ने छक्के लगाए। अंतिम गेंद पर चौके के साथ मैच का अंत कर दिया। ट्रिस्टन स्टब्स ने डेविड मिलर के साथ 24 गेंदों में 45 रन की अटूट साझेदारी की। स्टब्स 47 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों के साथ 60 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि मिलर ने 10 गेंदों में 2 छक्कों और 1 चौके के साथ नाबाद 22 रन बनाकर दिल्ली को रोमांचक जीत दिलाई। विपक्षी खेमे से भुवनेश्वर कुमार ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए।

टिम डेविड ने सिर्फ़ 560 गेंदों में 1000 आईपीएल रन पूरे किए

बेंगलुरु, एजेंसी।

टिम डेविड ने आईपीएल इतिहास में 1000 रन बनाने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। उन्होंने शनिवार को यहाँ चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के ख़िलाफ़ सिर्फ़ 560 गेंदों में यह मील का पत्थर हासिल किया, और ऐसा उन्होंने अपने जाने-पहचाने पावर-हिटिंग अंदाज में किया। यह यादगार पल लुंगी एनगिडी के ख़िलाफ़ आया, जब डेविड ने उनकी एक धीमी गेंद को चुना और उसे सीधे बल्ले से गेंदबाज़ के सिर के ऊपर से मार दिया।

गेंद इतनी ज़ोर से मारी गई थी कि वह ज़मीन से ज़्यादा ऊपर नहीं उठी और सीधे साइटस्क्रीन में जाकर गिरी, जिससे उन्हें एक शानदार छक्का मिला और उन्होंने ज़ोरदार अंदाज़ में 1000 रन बनाने वाले क्लब में अपनी जगह बना ली।

इस मील के पत्थर तक सबसे तेज़ी से पहुँचने वालों की सूची में आंद्रे रसेल 545 गेंदों के साथ सबसे आगे हैं, जबकि डेविड अब उनके ठीक पीछे हैं। ट्रैविस हेड और फ़िल सॉल्ट 575 गेंदों के साथ अगला स्थान साझा करते हैं, उनके बाद हेनरिक क्लासेन 594 और वीरेंद्र सहवाग 604 गेंदों के साथ आते हैं। डेविड का 1000 रनों तक तेज़ी से पहुँचना आईपीएल के सबसे विस्फोटक बल्लेबाज़ों में से एक के तौर पर उनकी साख को और मज़बूत करता है; उनकी पारी रनों के ढेर लगाने के बजाय तेज़ी से रन बनाने और आक्रामक इरादों के लिए जानी जाती है।

आईपीएल का स्तर इंटरनेशनल क्रिकेट के सबसे करीब है: लुक वुड

नई दिल्ली, एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहे लुक वुड का मानना है कि इस लीग का स्तर इंटरनेशनल क्रिकेट के सबसे करीब है। गुजरात टाइटंस के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है और इसमें खेलना उनका बचपन से सपना रहा था। वुड को गुजरात टाइटंस ने ऑक्शन में 75 लाख की बोली लगाते हुए टीम में शामिल किया है। लुक वुड ने 'आईएएनएस' के साथ बात करते हुए कहा कि इंग्लैंड के लिए खेलना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है, लेकिन आईपीएल में खेलना भी उनके लिए बहुत खास है। वुड ने कहा कि उन्होंने दुनिया की कई टी20 लीग में हिस्सा लिया है, लेकिन आईपीएल का अनुभव अलग ही होता है। यहां के खिलाड़ी, पिच और मुकाबले का स्तर बाकी लीग से कहीं ज्यादा ऊंचा है। लुक वुड ने माना कि आईपीएल में कई युवा खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करते हैं और कभी-कभी अपने खेल से सबको चौंका देते हैं। उदाहरण के तौर पर उन्होंने युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा का जिक्र किया। वुड ने अशोक की तारीफ करते हुए उन्हें बेहतरीन टैलेंट बताया। गुजरात टाइटंस के साथ अपने अनुभव को लेकर वुड ने कहा कि टीम का माहौल बहुत अच्छा है। उन्होंने बताया कि टीम में शामिल होते ही उन्हें अपनापन महसूस हुआ। फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों का अच्छे से ध्यान रखती है और हर चीज प्रोफेशनल तरीके से मैनेज की जाती है।

सिंड्रेला ने अंडर-19 खिताब जीता

देहरादून, एजेंसी। सिंड्रेला दास ने शनिवार को यहां जूनियर और युवा राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप के पहले चरण के अंडर-19 एकल फाइनल में दिव्यांशी भौमिक को 4-1 से हराकर शानदार प्रदर्शन का समापन किया।

इसके साथ ही लड़कियों की टीम स्पर्धा भी समाप्त हो गईं। इस जीत से सिंड्रेला ने दो खिताब जीतने की उपलब्धि भी हासिल की। उन्होंने इसी चैंपियनशिप में अंडर-17 एकल का खिताब भी अपने नाम किया। इंदौर में हुई सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सिंड्रेला ने रजत पदक जीता था।

वहीं कर्नाटक ने अंडर-19 युगल का खिताब जीता। कर्नाटक की तनिष्का कालभैरव और हिमांशी चौधरी ने महाराष्ट्र की हार्दी पटेल और दिव्यांशी भौमिक को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

पंजाब में रोहित शर्मा ने की दूसरी क्रिकेट एकेडमी लॉन्च

- **रोहित के भाई विनय शर्मा ने कहा कि एकेडमी का फोकस युवा खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय कोचिंग देने पर रहेगा**

चंडीगढ़, एजेंसी।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने पंजाब में अपनी दूसरी क्रिकेट एकेडमी खोली है। यह एकेडमी मोहाली में स्थित है। इससे पहले रोहित ने अमृतसर के बटाला में साल 2017 में पहली क्रिकेट एकेडमी की शुरुआत की थी, जो काफी मशहूर है।

रोहित के भाई विनय शर्मा ने कहा कि एकेडमी का फोकस युवा खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय कोचिंग देने पर रहेगा। उन्होंने कहा, "अगर हम पहली एकेडमी को देखें, तो इसने अब सफलतापूर्वक लगभग 8 साल पूरे कर लिए हैं। हमने इसे 2017 में शुरू किया था। पंजाब में यह हमारी दूसरी क्रिकेट एकेडमी है। पहली एकेडमी अमृतसर के पास बटाला में स्थित है। शुरू से ही हमारा ध्यान विश्व-स्तरीय कोचिंग देने पर रहा है। जब हम क्रिकेट खेलते थे, तब ऐसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। हम साधारण मैदानों पर खेलकर बड़े हुए। अगर कोई पूछता था कि अपने बच्चों को सही ट्रेनिंग के लिए कहां भेजें, तो उस समय इसका कोई स्पष्ट जवाब नहीं होता था।"

उन्होंने बताया कि एकेडमी को शुरू करने से पहले रोहित शर्मा ने कुछ शर्तें भी रखी थीं। उन्होंने कहा, "रोहित शर्मा ने एकेडमी शुरू करने से पहले कहा था कि कुछ शर्तें पूरी होनी चाहिए। रोहित के मुताबिक, एक अच्छा मैदान हो, ग्राउंड पर कम से कम 60 प्रतिशत घास, और सही अभ्यास के लिए अच्छी क्वालिटी का विकेट हो। रोहित ने कहा था कि अगर आप इन प्वाइंट को पूरा करेंगे, तो मैं इस एकेडमी को अपना नाम दूंगा। इस तरह से हमारी एकेडमी की शुरुआत हुई।

रोहित शर्मा इन दिनों आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस की तरफ से खेल रहे हैं। हालांकि, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले गए मुकाबले में रोहित हैमस्ट्रिंग इंजरी से जूझते नजर आए थे, जिसके कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। रोहित पंजाब किंग्स के खिलाफ गुरुवार को खेले गए मुकाबले में प्लेइंग इलेवन का हिस्सा भी नहीं रहे थे। हार्दिक पांड्या ने बताया था कि रोहित को इंजरी से पूरी तरह से उबरने में अभी थोड़ा समय लग सकता है और वह शायद अगले कुछ मुकाबलों में टीम का हिस्सा ना हों।

सूर्यवंशी को अपने खेल का लुत्फ उठाने दे : संगकारा

- **संगकारा ने कहा कि वैभव की आईपीएल यात्रा शानदार पारियों और सीखने के अनुभवों का मिश्रण है, और इस उम्र में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक हैं।**

कोलकाता, एजेंसी।

राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी के इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन को लेकर बढ़ती चर्चाओं के बीच टीम के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने कहा कि इस किशोर खिलाड़ी को अपने खेल का आनंद लेते रहना चाहिए और उसके बारे में "कम कहा जाए तो बेहतर है"। संगकारा ने कहा कि वैभव की आईपीएल यात्रा शानदार पारियों और सीखने के अनुभवों का मिश्रण है, और इस उम्र में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक हैं। उन्होंने कहा, "मेरा संदेश सरल है हर स्थिति का लुत्फ लो। चाहे 35 गेंदों में 100 रन हों, 15 गेंदों में 50 रन या पहली ही गेंद पर आउट होना। खेल में रन बनाना और आउट होना, दोनों ही प्रक्रिया का हिस्सा हैं।" अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 80 गेंद में 175 रन बनाने वाले इस 15 वर्षीय बल्लेबाज ने मौजूदा आईपीएल सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ जसप्रीत बुमराह और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ जोश हेजलवुड जैसे गेंदबाज़ों पर भी आक्रामक प्रहार किए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 17 गेंदों में 52 रन की तूफानी पारी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया था। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में वह पहली ही गेंद पर आउट हो गए, जिससे उनके प्रदर्शन में अस्थिरता भी सामने आई। संगकारा ने कहा कि टी20 क्रिकेट में सलामी बल्लेबाजों के लिए आक्रामक शुरुआत करना सामान्य बात है और वैभव समय के साथ परिस्थितियों को समझना सीख जाएंगे। उन्होंने कहा, "वह खुद ही चीजें समझ लेंगे। ऐसे खिलाड़ी के लिए कभी-कभी कम कहा जाना ही बेहतर होता है।" उन्होंने कहा, "वैभव में अपार प्रतिभा है। वह नेट सत्र में कड़ी मेहनत करते हैं और मैच की परिस्थितियों को अच्छी तरह समझते हैं। मैं चाहता हूं कि वैभव अपनी 15 साल की उम्र की स्वाभाविक मासूमियत और खेल के प्रति जिज्ञासा को बनाए रखें, क्योंकि यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।" संगकारा ने टीम के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ध्रुव जुरेल की भी जमकर सराहना की और कहा कि उनकी स्पष्ट सोच और आत्मविश्वास ने उनके प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि जुरेल नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए टीम के लिए अहम खिलाड़ी साबित हुए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 200 से अधिक रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी नाबाद 81 रन की संयमित और जिम्मेदार पारी ने सभी को प्रभावित किया।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने भारतीय खिलाड़ियों का पहला जत्था काहिरा रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी।

इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में हिस्सा लेने भारतीय निशानेबाजों और सपोर्ट स्टाफ का पहला जत्था शनिवार को काहिरा के लिए रवाना हो गया, जिसमें 58 सदस्य हैं।

काहिरा जूनियर वर्ल्ड कप आईएसएसएफ जूनियर सर्किट की शुरुआत करेगा। इस कैलेंडर ईयर में शॉटगन निशानेबाजों के लिए तीन, जबकि राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए दो इवेंट तय किए गए हैं।

भारत ने काहिरा में होने वाले 18 मेडल इवेंट्स के लिए कुल 71 निशानेबाज उतारे हैं, जिनमें 15 ओलंपिक इवेंट्स के लिए 36 निशानेबाज शामिल हैं। तीन अतिरिक्त इवेंट्स में जूनियर पुरुष और महिला 50 मीटर राइफल प्रोन प्रतियोगिताएं, जबकि पुरुषों का 25 मीटर पिस्टल इवेंट शामिल है। माना जा रहा है कि यह इवेंट 2032 के ओलंपिक का हिस्सा बन सकता है।

कुल मिलाकर, 25 देशों के 284 एथलीट्स काहिरा में मुकाबला करेंगे, जिसमें भारत का दल सबसे बड़ा है। मेजबान मिस्र 29 सदस्यों का दल उतारेगा, जबकि रूस, जो 'इंडिविजुअल न्यूट्रल एथलीट्स' (एआईएन) के बैनर तले खेल रहा है, उसने भी 43 सदस्यों का एक बड़ा दल भेजा है। शूटिंग के अन्य शीर्ष देश जिन्होंने बड़े दल भेजे हैं, उनमें फ्रांस (24), ग्रेट ब्रिटेन (16) और इटली (13) शामिल हैं। जून में जर्मनी के सुहल में होने वाली जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप को देखते हुए, यह भारतीय जूनियर निशानेबाजों के लिए उस प्रतिष्ठित इवेंट में अपनी जगह बनाने का एक अच्छा मौका होगा। कुछ दिन पहले ही, भारत ने स्पेन के ग्रेनाडा में अपना आईएसएसएफ वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल अभियान एक गोल्ड मेडल के साथ समाप्त किया था।

भारत की सोनम उत्तम मस्कर महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में संघर्षपूर्ण प्रदर्शन करते हुए पांचवें स्थान पर रहीं।

आईपीएल | राजस्थान रॉयल्स का लक्ष्य जीत की राह पर लौटना

घरेलू दर्शकों के सामने आरआर से मुकाबला, जीत का खाता खोलने को बेताब केकेआर

कोलकाता, एजेंसी।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का 28वां मैच ईडन गार्डन्स में आयोजित होगा। केकेआर की निगाहें इस मुकाबले को अपने नाम करते हुए जीत का खाता खोलने पर होंगी।

केकेआर ने आईपीएल 2026 में अब तक 6 मैच खेले हैं, जिसमें 5 मुकाबले गंवाए, जबकि एक मुकाबला बारिश के चलते बेनतीजा रहा। सिर्फ 1 अंक के साथ यह टीम प्वाइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर है।

जहां एक ओर केकेआर घरेलू दर्शकों के सामने अपने प्रदर्शन में सुधार लाने की कोशिश करेगी, वहीं दूसरी तरफ आरआर लय को बरकरार रखते हुए अपने मजबूत अभियान पर पकड़ और मजबूत करना चाहेगी।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ 6 विकेट से मैच गंवाने के बाद केकेआर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 65 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच बारिश के चलते बेनतीजा रहा। इस टीम को अपने पिछले तीन मुकाबलों में लखनऊ सुपर जायंट्स, चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा है।

केकेआर की कमान अजिंक्य रहाणे के हाथों में है, लेकिन टीम अभी तक लय हासिल नहीं कर पाई है। इस टूर्नामेंट में अब तक न तो बल्लेबाजी और न ही गेंदबाजी यूनिट एक साथ मिलकर अच्छा प्रदर्शन कर सकी हैं।

दूसरी ओर, राजस्थान रॉयल्स ने 5 में से 4 मुकाबले जीते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 8 विकेट से मैच अपने नाम करने के बाद इस टीम ने गुजरात टाइटंस के विरुद्ध 6 रन से जीत दर्ज की थी। इसके बाद मुंबई इंडियंस के खिलाफ 27 रन से मुकाबला अपने नाम किया और फिर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से शिकस्त दी। हालांकि, सनराइजर्स हैदराबाद ने 57 रन से मात देकर आरआर का विजयरथ रोक दिया।

राजस्थान रॉयल्स इस सीजन की सबसे स्थिर टीमों में से एक बनकर उभरी है। रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स ने शांत और लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कई अहम मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान की दौड़ में अपनी जगह मजबूती से बनाए रखी है।

केकेआर और आरआर के बीच यह मैच ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा, जो स्पिनर्स के हावी होने से पहले बड़े स्कोर वाले मुकाबलों के लिए जाना जाता है। दोनों टीमों का संयोजन और वे अपनी रणनीतियों को कैसे लागू करते हैं, यह बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

आईपीएल इतिहास में दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 32 मैच खेले गए हैं, जिसमें केकेआर का पलड़ा भारी रहा है। केकेआर ने 16 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि आरआर ने 14 मुकाबलों में जीत दर्ज की है। दो मुकाबलों में कोई नतीजा नहीं निकल सका है।

कोलकाता नाइट राइडर्सः अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, मनीष पांडे, अंगकृष रघुवंशी, राहुल त्रिपाठी, फिन एलन, टिम सीफर्ट, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, रोवमैन पॉवेल, कैमरून ग्रीन, रचिन रवींद्र, वरुण चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक।

राजस्थान रॉयल्सः रवींद्र जड़ेजा, दासुन शनाका, डोनोवन फरेरा, संदीप शर्मा, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, युद्धवीर सिंह चरक, जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, नंद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई, सुशांत मिश्रा, यश राज पुंजा, विग्नेश पुथुर, रवि सिंह, अमन राव, ब्रजेश शर्मा, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन।

पति को कराएं
बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है।

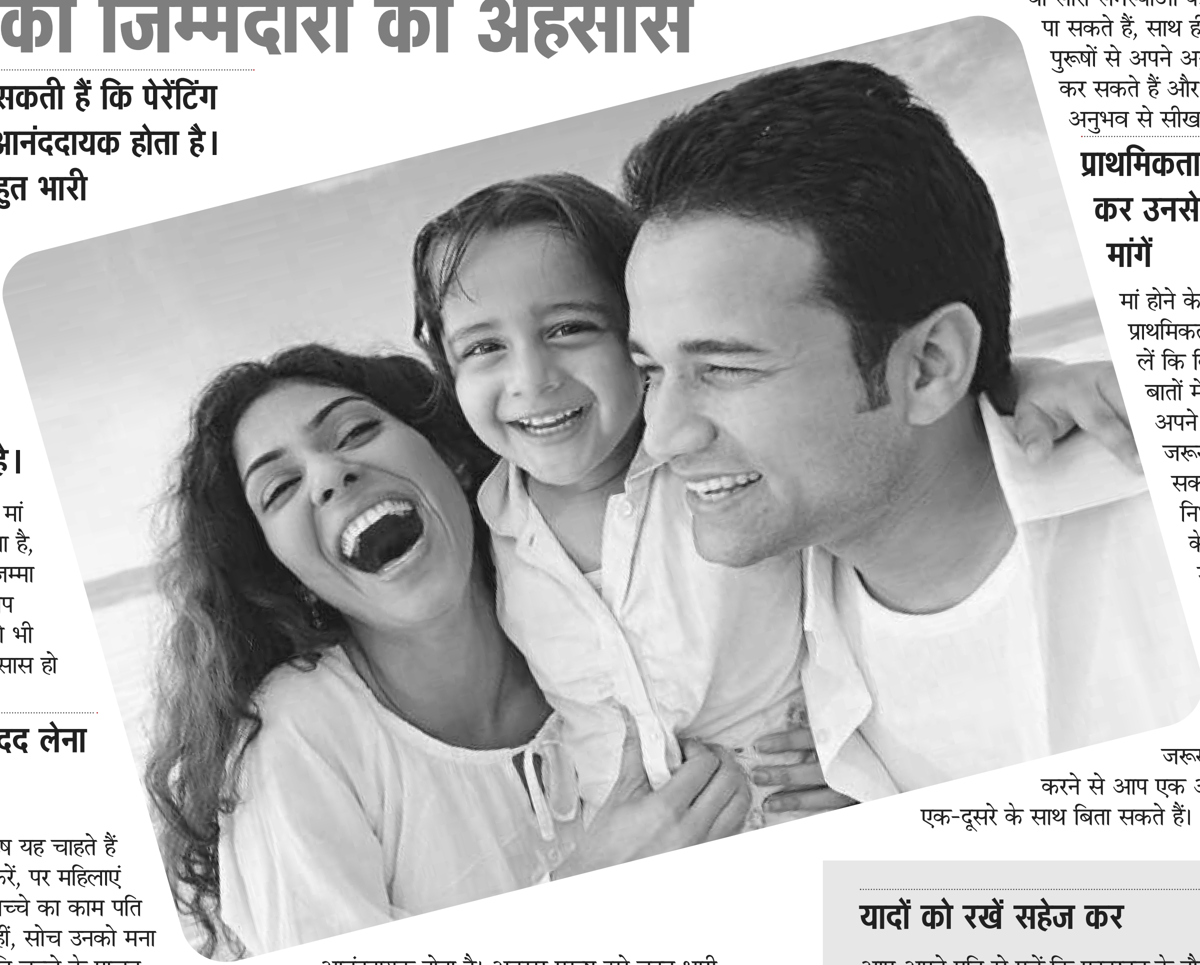

बच्चे को सही परवरिश देना मां और पिता दोनों का काम होता है, पर बच्चे की परवरिश का जिम्मा मां पर ही आता है। अगर आप चाहती हैं कि आपके पति को भी बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास हो तो इन बातों का ध्यान रखें।

बताएं आप उनकी मदद लेना चाहती हैं

बच्चा होने के बाद कुछ पुरूष यह चाहते हैं कि वो बच्चे की देखभाल करें, पर महिलाएं अक्सर इस संकोच में कि बच्चे का काम पति सही ढंग से कर पाएंगे या नहीं, सोच उनको मना कर देती हैं। अगर आपके पति बच्चे के पालन-पोषण में आपकी मदद करना चाहते हैं तो उनका यह प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लें। उन्हें अपने तरीके से बच्चों की केयर करने दें, हर समय टोकें न, अगर वो कहीं गलत है, तो उन्हें प्यार से बताएं।

भूमिका आनंददायक है

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है। आप उन्हें बताएं कि एक बच्चे की देखभाल करने में जिम्मेदारी तो है, पर इसमें आनंद भी खूब है। बच्चा जब छोटी-छोटी हरकतें करता है तो उन्हें देखने में कितना मजा आता है। इस तरह की बातें जब आप उनसे शेयर करेंगी तो वो खुद ब खुद इसमें रूचि दिखाने लगेंगे।

ग्रुप बनाएं पिता भी

पुरूष अक्सर बच्चों के बारे में बात करने से बचते हैं। महिलाएं तो कई बार ग्रुप में जाकर बच्चों की परेशानियां, आदतें आदि के बारे में चर्चा कर लेती हैं, पर पिता को ऐसा नहीं करते। आप पति को प्रोत्साहित करें कि वो फेसबुक, ब्लॉग, फ्रेंड सर्कल में पिताओं के ग्रुप में शामिल हों। इससे वो सारी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, साथ ही अन्य पुरूषों से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और उनके अनुभव से सीख सकते हैं।

प्राथमिकता निर्धारित कर उनसे सहयोग मांगें

मां होने के नाते आप प्राथमिकता तय कर लें कि किन-किन बातों में आपको अपने पति की जरूरत पड़ सकती है। यह निर्धारित करने के बाद आप उन्हें बताएं कि आपको उनके सहयोग की कितनी जरूरत है। ऐसा करने से आप एक अच्छा वक्त एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं।

यादों को रखें सहेज कर

आप अपने पति से पूछें कि फादरहुड के दौरान वो कौन-सी पांच बातें थीं, जिनसे उन्हें बेहद खुशी मिली। आप उन सारी बातों को एक छोटी-सी नोटबुक में नोट करें। अगर उससे जुड़ी फोटो आपको पास है तो उसे भी चिपकाएं, ऐसा करने से आप इन छोटी-छोटी और प्यारी बातों को ताउम्र सहेज कर रख सकेंगी।

चमकाएं बाल और त्वचा

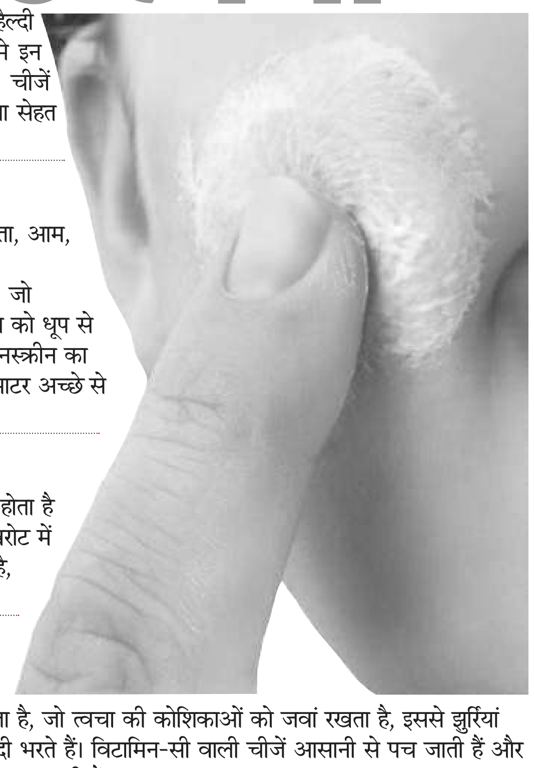

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें: गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदा: इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा: इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा: नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा: खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटाामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं: चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

तौर-तरीके बदलकर

खुश रहना सीखें

मन खुश हो, तो तन दुरूस्त रहता है। इसलिए खुश रहने के लिए इन सुझावों को आजमा कर देखें -

खुद को एक्सप्रेस करें: अमरीका की वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने से मन में खुशी के भाव आते हैं।

दूसरों के लिए कुछ करें : फोर्ब्स डॉट कॉम के शोध के मुताबिक दूसरों के लिए कुछ करने से खुशी मिलती है। जब हम किसी की मदद करते हैं, अपनों को उपहार देते हैं या उन पर खर्च करते हैं, तो मन को सुकून मिलता है।

सकारात्मक सोचें: अपनी सोच सकारात्मक रखें और ऐसे लोगों के साथ रहें, जिनसे आपको प्रेरणा मिल सके।

दोस्तों व रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार रखें। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस के वैज्ञानिकों ने 30 साल तक एक लाख लोगों पर शोध के बाद पाया कि शिक्षा, राजनीति,सैलरी और संबंधों में से सबसे ज्यादा खुशी लोगों को अच्छे संबंधों से होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन होने से कई बार मूड चिड़चिड़ा हो जाता है।

खुद से करें प्यार का वादा

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

नया साल हमें जिंदगी को एक बार फिर नए तरीके से जीने के लिए कहता है। नए साल पर आप अपने से यह वादा करें कि हमेशा अपने आप से प्यार करेंगी।

अब से आपने चाहे कोई हेयरस्टाइल करवाई हो या फिर कोई नई ड्रेस पहनी हो तो उसमें खुद को अच्छा महसूस करेंगी। अपने अंदर यह आत्मविश्वास लाएंगी कि आप जो भी पहन रही हैं, उसमें पूरी तरह परफेक्ट लग रही हैं।

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

कुछ महिलाएं अपनी त्वचा के रंग को लेकर हमेशा असंतुष्ट रहती हैं, पर आप बिल्कुल भी ऐसा न करेंगी। आप अपनी त्वचा के रंग पर परेशान होने के बजाय यह कोशिश करेंगी कि आपकी त्वचा हमेशा ग्लो करती रहे।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होता है या फिर आपके लुक को लेकर आपका कोई करीबी नकारात्मक कमेंट करता है तो उससे अपना मूड खराब करने की बजाय आप उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी, बल्कि अब से आप अपने दिमाग में इस बात को रखेंगी कि दूसरों को भले आप पसंद न आएं, पर आप अपने को पसंद करती हैं और करती रहेंगी।

अपने शरीर को पसंद और नापसंद करना आपके हाथों में हैं। वर्तमान में आपकी बॉडी किसी भी शेप में हो, अब से आप उस पर फख्र करेंगी। यह अलग बात है कि अगर आपका वजन कुछ ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करेंगी, पर अपने शरीर को लेकर सकारात्मक सोच को खत्म बिल्कुल नहीं करेंगी और उसे अच्छा ही मानेंगी।

आप हमेशा यह मानेंगी कि आप दिल, दिमाग और शरीर तीनों से बेहद खूबसूरत हैं। भले ही आपके बारे में कोई कुछ भी कहे, आप उसकी बात का बुरा नहीं मानेंगी। अगर आप ऐसा सोचेंगी तो सच मानिए, आप गॉर्जियस दिखेंगी।

एक प्यारी मुस्कुराहट लोगों का ध्यान हमेशा आकर्षित करती है और चेहरे पर भी नूर लाती है। इसलिए अब से चेहरे पर हमेशा तनाव लाने की बजाय मुस्कुराहट बनाए रखेंगी। एक प्यारी मुस्कुराहट आपके चेहरे पर चार चांद लगा देगी।

अगर आपके बाल हेल्दी या फिर त्वचा का टोन अच्छा है तो उस पर नाज करेंगी। अपनी कमी को देकर दुखी नहीं होंगी। बाल सफेद हो रहे हैं, उनमें रूसी है तो उन्हें देख-देखकर चिढ़ेंगी नहीं, इन्हें दूर करने के उपाय खुशी-खुशी करेंगी।

आप संवरिए
लेकिन जरा संभलकर

खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाना वैसे तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन कई बार रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत और पुराने या कम गुणवत्ता वाले ब्यूटी उत्पाद कुछ देर की सुंदरता और लंबे समय की बीमारी लेकर आते हैं।

ब्लीच

लोग स्किन की टेनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच करते हैं, लेकिन इससे कई बार स्किन एलर्जी हो जाती है।

उपाय: ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडरआर्म्स की त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींके आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें।

उपाय: डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कोर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कोर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है।

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

उपाय: नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।

उपाय: ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वालिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें।

एकदम बिंदास और स्टाइलिश जीवन गुजारती हैं एक्ट्रेस कस्तूरी

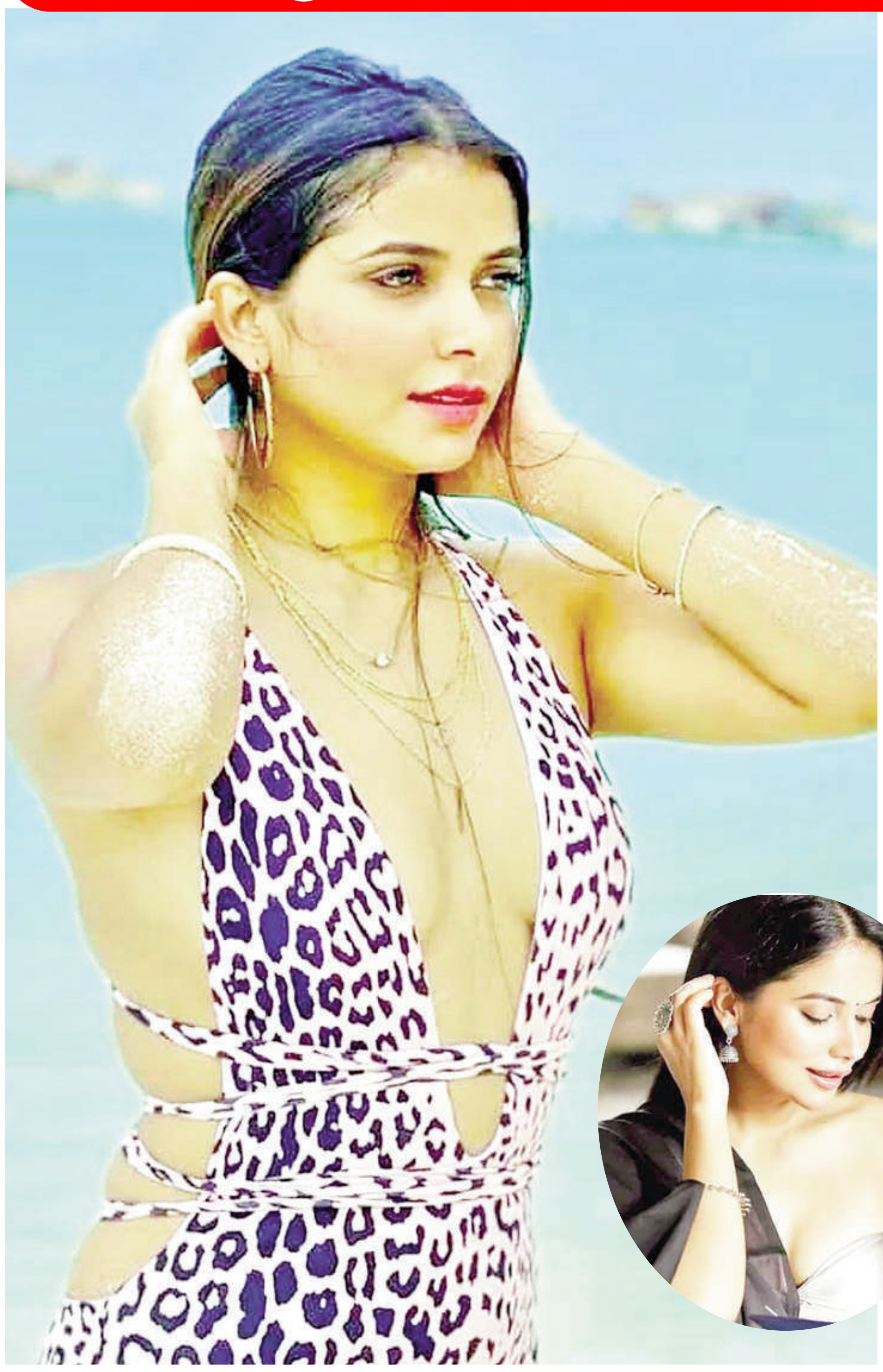

द्यद्यह्व श्थ्थ आज काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है. यहां कई रोमांटिक और एडल्ट वेब सीरीज मौजूद हैं. इसी प्लेटफार्म के एक वेब सीरीज 'चरमसुख- करना जरूरी है' में काम कर चुकी एक्ट्रेस कस्तूरी छेत्री काफी बोल्ड और ग्लैमरस हैं.

एडल्ट वेब सीरीज 'चरमसुख- करना जरूरी है' से सबके दिल में घर करने वाली एक्ट्रेस कस्तूरी रियल लाइफ में भी काफी बोल्ड और ग्लैमरस हैं. सोशल मीडिया पर इनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है. एक्ट्रेस की फोटोज अक्सर इंटरनेट पर वायरल होती रहती हैं. एक्ट्रेस कस्तूरी छेत्री एक जानी-मानी मॉडल भी हैं. एक्ट्रेस का लुक लोगों को कभी पसंद आता है, जिसे लेकर कस्तूरी अक्सर चर्चा में रहती हैं.कस्तूरी को आप सोशल मीडिया क्वीन भी कह सकते हैं. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर लगातार एक्टिव रहती हैं और अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं.इनके सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आपको हर लुक्स में तस्वीरें मिल जाएंगी. बोल्ड फिगर के साथ ही कस्तूरी अपने बिकिनी लुक से इंटरनेट पर आग लगा देती हैं.कस्तूरी ह्वञ्ञ की कई वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं. इंजीनियरिंग गर्ल्स, होम स्वीट ऑफिस, और आयुष मेहरा सीरीज में इनका बोल्ड लुक देखते ही बनता है.कस्तूरी अक्सर अपने सोशल मीडिया पर अपनी निजी और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में साझा करती हैं. एक्ट्रेस एकदम बिंदास और स्टाइलिश जीवन गुजारती हैं.इनकी बोल्डनेस भरी तस्वीरें देखकर हर कोई घायल हो जाता है. कस्तूरी अपने ग्लैमरस और सिजलिंग लुक से हर किसी को अपना दीवाना बना लेती हैं।

बैक टू बैक फिल्मों से मचेगा धमाल

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में रश्मिका मंदाना, साई पल्लवी इस वक्त काफी चर्चा में हैं, क्योंकि दोनों ही एक्ट्रेसेस के पास अल-अलग भाषाओं की कई फिल्में हैं. लेकिन, इसी बीच एक और नाम तेजी से उभरकर सामने आ रहा है, जो कि साउथ की नई एक्ट्रेस है. हम जिनकी बात कर रहे हैं, वो कयादु लोहार हैं. कयादु को इस समय साउथ सिनेमा की सबसे बिजी कलाकार कहा जा रहा है, क्योंकि उनके पास इन दिनों एक साथ कई बड़े प्रोजेक्ट्स लाइनअप बताए जा रहे हैं.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कयादु लोहार अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में नजर आने वाली हैं, जिसमें तेलुगु, तमिल और मलयालम प्रोजेक्ट्स शामिल बताए जा रहे हैं. मेकर्स लगातार उन्हें साइन कर रहे हैं. अभी की बात करें, तो कयादु पल्लीचट्टंबी फिल्म में नजर आने वाली हैं, जो कि 15 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगा. ये मलयालम भाषा की पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें उनके साथ टोविनो थॉमस नजर आएंगे.

दूसरे फिल्म की बात करें, तो कयादु दुलकर सलमान के साथ फिल्म आई एम गेम में भी शामिल हैं. इस फिल्म को नहस हिधायत डायरेक्ट कर रहे हैं. फिल्म का पोस्टर भी रिलीज किया जा चुका है. साउथ सुपरस्टार नानी की अपकमिंग फिल्म द पैराडाइज में भी कयादु शामिल हैं. फिल्म से कयादु का लुक भी वायरल हुआ है, जिसमें वो रेट्रो अंदाज में दिख रही हैं. बताया जा रहा है कि ये फिल्म अगस्त में रिलीज हो सकती है. इसके अलावा कयादु फहद फासिल के साथ अपकमिंग तमिल रोमांटिक ड्रामा इधायम मुरली में भी दिखेंगी. इस फिल्म को आकाश बस्करन डायरेक्ट कर रहे हैं. फिल्म में अथर्वा मुरली लीड रोल में हैं उनके साथ प्रीति मुखुंधन भी हैं. कयादु लोहार की अगली फिल्म की बात करें, तो उसमें इम्मॉर्टल का नाम शामिल है, इस फिल्म को मरियाप्पन चिन्ना डायरेक्ट कर रहे हैं।

रुबीना दिलैक ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

रुबीना दिलैक टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक मानी जाती हैं. छोटी बहू में राधिका की भूमिका निभाकर उन्होंने घर-घर में अपनी एक पहचान बनाई. उसके बाद उन्हें शक्ति सीरियल में सौम्या के कैरेक्टर में भी खूब पसंद किया गया. उसके बाद रुबीना जब बिग बॉस 14 की विनर बनीं तो उनके पॉपुलैरिटी में चार चांद लग गई.

इससे एक्ट्रेस ने साबित कर दिया कि वो सिर्फ स्क्रिप्टेड शोज तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि रिएलिटी शोज की भी क्विन बन सकती हैं.अब एक बार फिर से रुबीना ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस का ध्यान खींच लिया है.

एक्ट्रेस ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर स्ट्राइकिंग वेलवेट स्वैम्प ग्रीन गाउन में कई तस्वीरें शेयर की हैं.इन तस्वीरों में एक्ट्रेस के ग्लैमर की खूब तारीफ हो रही है.वहीं,तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने जो कैप्शन लिखा है, उसने हर किसी का ध्यान खींच लिया है.

रुबीना का कैप्शन देख फैंस हुए हैरान एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा,आत्मा को तोड़ देने वाली हार के बाद फिर से खिलना कैसा दिखता है..यही तो जिंदगी है, है नारुबीना के इस पोस्ट पर फैंस ने जमकर कॉमेंट्स की बौछार की है.फैंस कमेंट के जरिए एक्ट्रेस से बार-बार पूछ रहे हैं क्या सबकुछ ठीक है. वहीं, कुछ ने पूछा कि इस पोस्ट का मतलब क्या है.वहीं, एक्ट्रेस के फैंस ने सोशल मीडिया पर उनके कमबैक का जश्न मनाया है और उनका हौसला बढ़ाया है.हालांकि, रुबीना दिलैक ने क्लियर किया है कि उनके कैप्शन के पीछे क्या वजह है, लेकिन ये ऐसे समय में सामने आया है जब वो अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ लाइफ में काफी बीजी हैं.

एक्ट्रेस के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो लगातार टीवी और ओटीटी दोनों पर काम कर रही हैं.साथ ही फैमिली टाइम स्पेंड करना भी नहीं भूलती हैं.रुबीना दिलैक ने टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला के संग शादी की है और अब इस कपल की दो बेटियां हैं।

विला बना अखाड़ा! दीक्षा ने फेंके कपड़े तो आकांक्षा ने पकड़ा गला, सरेआम हुई मारपीट

कहते हैं कि इश्क और जंग में सब जायज है, लेकिन रियलिटी शो 'स्प्लिट्सविला ड्ड6' में तो प्यार कम और जंग ज्यादा नजर आ रहा है. शो में जल्द ही आने वाले ट्विस्ट ने सोशल मीडिया पर खलबली मचा दी है. जहां अब तक इस शो में कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे की आंखों में आंखें डालकर प्यार के वादे करते थे, वहीं अब वे एक-दूसरे के बाल नोचने और कपड़े फेंकने पर उतारू हो गए हैं. मामला इतना बढ़ गया कि बात सिर्फ जुबानी जंग तक नहीं रही, बल्कि सरेआम लात-घूंसे और हाथापाई तक पहुंच गई.

वैसे तो इस शो में अक्सर लड़कों के बीच की लड़ाई देखने को मिलती है, लेकिन इस बार लड़ाई दो लड़कियों में हुई है. ये पूरा ड्रामा तब शुरू हुआ जब दीक्षा पवार ने गुस्से में आकर आकांक्षा चौधरी के सारे कपड़े अलमारी से बाहर निकालकर फेंक दिए. बस फिर क्या था? आकांक्षा का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया. इस लड़ाई में आकांक्षा की दोस्त सुजैन की एंट्री ने आग में घी डालने का काम किया. सुजैन ने बदला लेने के लिए दीक्षा के कमरे में घुसकर उसके भी कपड़े तितर-बितर कर दिए.

स्प्लिट्सविला के लेटेस्ट प्रोमो में दिख रहा है कि दीक्षा और आकांक्षा के बीच की बहस देखते ही देखते फिजिकल हो गई. दोनों एक-दूसरे पर टूट पड़ीं. मंजर कुछ ऐसा था जिसे देख दर्शक भी दंग रह गए. बताया जा रहा है कि इस लड़ाई में सिर्फ धक्का-मुक्की नहीं हुई, बल्कि बात गला पकड़ने और नाखून मारने तक पहुंच गई. आकांक्षा ने दीक्षा का गला पकड़ा तो दीक्षा ने आकांक्षा पर हाथ उठा दिया, जिसके बाद सुज़ैन भी इस 'दंगल' में कूद पड़ीं. कभी जिगरी दोस्त रहीं ये लड़कियां अब एक-दूसरे की जानी दुश्मन बन बैठी हैं.

वीडियो वायरल होते ही फैंस दो गुटों में बंट गए हैं. ज्यादातर लोग आकांक्षा का साथ दे रहे हैं और दीक्षा को इस झगड़े की जड़ बता रहे हैं. कुछ यूजर्स तो दीक्षा को ट्रोल करते हुए लिख रहे हैं कि रियलिटी शो है, कोई कुश्ती का अखाड़ा नहीं. वहीं कुछ का कहना है कि सुज़ैन को बीच में टांग नहीं अड़ानी चाहिए थी.

'स्प्लिट्सविला ' की शुरुआत बड़े ही दिलचस्प ट्विस्ट के साथ हुई थी. शो को दो हिस्सों में बांटा गया था, 'प्यार विला' और 'पैसा विला'. प्यार विला में आकांक्षा चौधरी, दीक्षा पवार, अंजलि शमक, और हिमांशु अरोड़ा जैसे कंटेस्टेंट्स शामिल थे, जो 'सच्चे प्यार' की तलाश में आए थे. तो पैसा विला में कियोना वाल्के, निहारिका तिवारी और कशिश जैसे लोग थे, जिनका फोकस 'स्प्लिट्स कॉइन्स' और गेम जीतने पर था.अब ये दोनों विला एक हो चुके हैं, और शायद यही वजह है कि कॉम्पिटिशन इतना बढ़ गया है कि कंटेस्टेंट्स अपनी गरिमा भूलकर मारपीट पर उतर आए हैं. अब देखना ये होगा कि शो के होस्ट सनी लियोनी और करण कुंद्रा इस फिजिकल फाइट पर क्या एक्शन लेते हैं. क्या दीक्षा को शो से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा या फिर ये 'ड्रामा' अभी और आगे चलेगा? ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009